मूल्य : 10 रुपये प्रति,
वार्षिक मूल्य : 100 रुपये

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

www.samajvikas.in ▸ दिसम्बर २००७ ▸ वर्ष ५७ ▸ अंक ११-१२

मारवाड़ी सम्मेलन का प्रस्तावित भवन

मॉडल का अनावरण

विशेष सम्मान

पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया
महाकवि एवं मूर्धण्य साहित्यकार

श्री बालकृष्ण गोयनका
समाजसेवी एवं सम्मेलन समर्पित

सम्मानित अतिथि

श्री राम निवास मिर्धा
पूर्व केन्द्रीय मंत्री

श्री विकास रंजन भट्टाचार्य
महापौर, कोलकाता

७३वाँ स्थापना दिवस विशेषांक

The all new m Series

LIVE LIKE A MACROMAN!

MacroMan

EXCITINGLY MALE

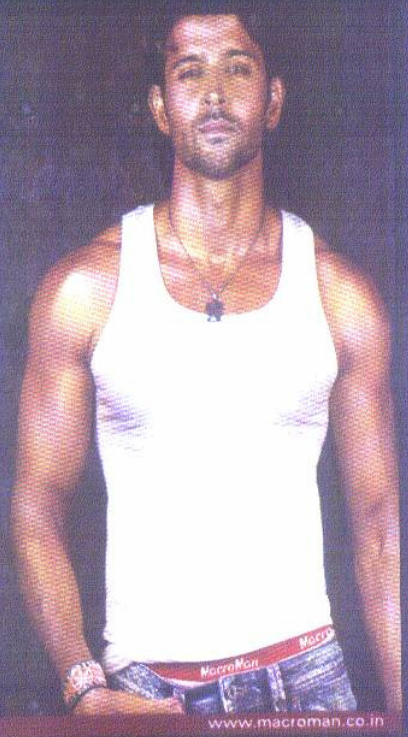

PREMIUM INNERS

www.macroman.co.in

wonder images

Leading solvent printing unit for outdoor & indoor ad.

- Crystal clear digital printing with vutek machine, on Flex, SAV, One way vision, UK Media, Mesh, Lamination, Canvas, etc.
- 40,000 sq ft per day production capacity.
- No compromise in quality.

Wonder images Pvt. Ltd.

2 Brabourne Road, Kolkata - 700 001
Ph : 2225 1862/3/4/5, 9830425990, Fax : 91-33-2225 1866
email : wonder@cal2.vsnl.net.in

Saree Kaho to... Minu Saree
MINU®
SAREES

RAJ BHAVAN
BANGALORE

GS/29/MSG/07 November 20,2007

MESSAGE

I am glad to know that All India Marwari Federation, with its headquarters at Kolkata and branches all over the country, is observing its 73rd Foundation / day on December 25, 2007. I congratulate the members of the Federation on this happy occasion.

It is heartening to note that the Federation has been actively engaged in bringing about social reforms in society. Towards this end it has been undertaking many projects and programmes such as fight against dowry, ostentation, purdah system, child marriage and so on. To achieve its objectives, the Federation has been admirably promoting girl-child education, joint family system, simple living and savings as an essential part of life. I am sure, with its long standing in society serving social causes, the Federation will grow further in strength in times to come.

I convey my best wishes for the success of the Foundation Day celebrations.

Rameshwar Thakur
(Rameshwar Thakur)

With Best Compliments From :

SKIPPER STEELS LIMITED

MANUFACTURER OF GALVANISED STEEL PIPES,
SWAGED TYPE POLES, SCAFFOLDING,
GROUND BASED & ROOF TOP
TELECOM TOWERS
AND
TRANSMISSION LINE TOWERS

OPERATOR
Horizontal Directional Drilling Machine
for under ground Cable and Pipe Lying
Using Trench less Technology

Registered Office :
5D, Crescent Tower
229, AJC Bose Road
Kolkata–700 020
Phone No. 22892327/28
Fax No. 91-033-22892328
E-mail : mail@bansalgroup.co.in

Factory :
National Highway No. VI
Vill : Jangalpur
Post : Andul Mouri
Dist. : Howrah (W.B.)
Phone No. 26691251/52
Fax No. 2669-5973

समाज विकास

नवम्बर-दिसम्बर-२००७

वर्ष-५८, अंक ११-१२

एक प्रति - १०रु.

वार्षिक - १००रु.

संपादक : नंदकिशोर जालान

सहयोगी संपादक : शंभु चौधरी

समाज विकास

1. अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का विचार मंच ।
2. सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक चेतना का संवाहक ।
3. समाज में फैली कुरीतियों, कुसंस्कारों को मिटाने का माध्यम ।
4. समाज में संगठन के लिए सशक्त माध्यम ।
5. राजस्थानी संस्कृति, कला साहित्य व भाषा के प्रति समर्पित ।
6. समाज में होने वाली सामाजिक घटनाओं, वर्जनाओं का वैचारिक संदेशवाहक ।
7. भारत के कोने-कोने मे फैले हुए नौ करोड़ मारवाड़ियों को शब्द प्रदाता ।
8. आपकी आवाज व विचारों को देश-विदेश के कोने-कोने में बुलन्दी देने हेतु ।

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है ।

स्वत्वाधिकारी :
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
152-बी, महात्मा गाँधी रोड, कोलकाता-७
फोन; ०३३-२२६८०३१६
E-mail :samajvikas@gmailcom
के लिए श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा ऐभल प्रिंटर्स प्रा.लि. कोलकाता - ७००००६ में मुद्रित

अध्यक्षीय से देखें पृष्ठ १३

मुझे यह स्वीकार करने में कतई संकोच नहीं है कि इस कार्यक्रम को कड़ाई से लागू नहीं कराया जा सका है। चिन्तन शिविर के दौरान विभिन मत उभर कर आये थे लेकिन यह निर्णय सर्वसम्मत था कि आचार संहिता लागू कराने के लिए धरना, विरोध या प्रदर्शन आयोजित नहीं किया जायेगा। हालांकि एक पक्ष का मत था कि केवल आचार संहिता के प्रचार-प्रसार या मन-परिवर्तन के अनुरोध द्वारा यह सम्भव नहीं होगा। उनका कहना था कि 'समाज का भय' समाप्त हो गया है।

७३वां स्थापना दिवस विशेषांक

चिट्ठी आई है पृष्ठ ६

सम्पादकीय पृष्ठ ११

अध्यक्षीय पृष्ठ १३

दूसरों के उपहास पृष्ठ १५

वृद्धों की उपेक्षा पृष्ठ १७

महामंत्री का प्रतिवेदन पृष्ठ १६

युवावां खातर पृष्ठ २३

युवा समाज पृष्ठ २७

बालिका शिक्षा पृष्ठ ३१

समाज की बदलतीा पृष्ठ ३३

कार्य-विवरण पृष्ठ ३५-३७

बिहार राज... पृष्ठ ३६

अ.भा.समिति पृष्ठ ४३

संयुक्त परिवार पृष्ठ ४५

अ.भ.स.सदस्य पृष्ठ ४७

पदाधिकारीगण पृष्ठ ५१

चित्र झांकी पृष्ठ ५५

समग्र विकास पृष्ठ ६१

संस्था परिचय पृष्ठ ६२

युगपथ चरण पृष्ठ ६६

With Best Compliments From:

JAI BHARAT COMMERCIAL CORPORATION

23/24, Radha Bazar Street
3rd floor, Kolkata-700001
Phones : 2242-5889/7995, 2231-8944
Fax : 2242-9813
E-mail : jbccsonthalia@yahoo.com / jbccsonthalia@vsnl.net

Manufacturers & Suppliers of :
C.I. / M.S. / E.R.W / G.I. / P.V.C. / Rubber Pipes (Tubes),
D.I.Fittings, Pipes Fittings, A.C. Pressure Pipes,
C.I.D. Joints, M.S. Rounds, Tor Steel,
Rubber Gasket and Rings and Pig Lead etc.

SHYAM SANITARY PVT. LTD.

Showroom : 10, Nirmal Chandra Street, (Post Box No. : 7830), Kolkata-700 012
Ph. : Shop - 2212 0945/1939, Off. : 2221-9959/2212/1058,
2237-5253, 2237-4673/2221-6662, Fax : (33) 2225-6095
E-mail : dokania@cal2.vsnl.net.in,
Web Page : www.shyamdokania.com
Regd. Off. : 3, Jadu Nath Dey Road, Kolkata-700 012

Authorised Distributor For :
JOHNSON MARBONITE & PORCELANO, HIMAT, SUNFIELD, SANTOSH WALL TILES, SONET / PARRYWARE SANIFTARYWARE, BAJAJ & GENTURY DESIGNER WALL TILES, JAIN PLAIN & VITROSSA BORDER TILES, CENTURY DESIGNER GLASS BASIN, MIRROR & CABINET, HANSA SHOWER PANEL, WOVEN GOLD BATH TUB, SHOWER ENCLOSURE & ITALIA/ARTITIQUE GLASS MOSAIC MARC, ESSCO-K, PARRYWARE CP FITTINGS, MILANO SANITARYWARE, NAVEEN VITRIFIED TILES ETC.

New Shoppe: **ELEGANT BATHROOM SHOPPER**
V.I.P. Road, Near Big Bazar, Baguihati, Kolkata-59
Ph. : 2576 6718/19/20/21, Fax : 2576 6619
6000 Sq. Ft. Exclusive Bathroom Shoppe (G+4) of Johnson, Parryware & MARC with exclusive range of designer tiles

ASSOCIATED CONCERN : **Ankit Sanitation**
112, College Street, Kolkata-700 012, Ph. : 2237-4019/2215-1597

सम्पादकीयः

समाज को आपकी जरूरत है

यह बात आम तौर पर सुनने को मिलती है कि सम्मेलन हमें क्या देता है, सम्मेलन से हम क्यूँ जुड़ें। समाज को इसकी क्या आवश्यकता है, अन्य बहुत सी संस्थाऐं है जो अच्छा काम तो करती ही है, मनोरंजन के भी बहुत से साधन इन संस्थाओं में उपलब्ध होतें हैं। सम्मेलन जो एक रूखि-सुखी संस्था के रूप में जानी पहचानी जाती है, ऐसी आचार-संहिता का राग अलापती जिसे इसके पदाधिकारीगण ही नहीं मान पाते या जिसका पालन उनके लिए संभव नहीं। यह बात सही है कि सम्मेलन के इतिहास में समाज सुधार का विषय हमेशा से विवाद का कारण बना रहा, और इस विवाद के बीच ही समाज में सुधार की प्रक्रिया चलती रही । समाज का बड़ा वर्ग समाज सुधार की प्रक्रिया में तेजी लाना चाहता है, वह यह भी उम्मीद रखता है कि समाज का नेतृत्ववर्ग स्वयं से इसकी पहल शुरू करे। परन्तु सच हम सबके सामने है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। स्व.भंवरमल सिंघी के नाम को अपवाद के रूप में छोड़ दें तो दूसरा नाम सामने नहीं आता, ऐसा नहीं कि समाज में दूसरा नाम है ही नहीं, हाँ ! राष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान भले ही नहीं हो पाई हो, कुछ नाम मेरे मानस पटल पर आज भी तैरते हैं जिनमें असम के स्व.जयदेव खण्डेलवाल, स्व. गणपतराय धानुका, बिहार से स्व.मोतीलाल सुरेका, श्री रामपाल अग्रवाल 'नूतन', श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल, बंगाल से स्व.सीताराम सेकसरिया, स्व.प्रभुदयाल हिम्मतसिंका, स्व.राधाकृष्ण नेवेटिया, स्व. रामकृष्ण सरावगी, श्री पुष्करलाल केडिया, के अलावा अन्य प्रान्तों के कुछ नाम जो मेरे इस लेख में जोड़े जा सकते हैं, इसके साथ-साथ समाज के ऐसे सैकड़ों कार्यकर्त्ता भी हैं जिन्होंने अपने या अपने मित्रों के परिवार में दहेज-दिखावा-आडम्बर से समाज को मुक्त रखा है।

हम सोचते हैं कि हमें कौन देखता है? आदर्श प्रस्तुत करना हर व्यक्ति के लिए संभव तो है परन्तु साथ ही कठिन भी, ठीक इसके विपरीत समाज को नेतृत्व देना कठिन तो है; सबके लिए संभव नहीं । सम्मेलन में नेतृत्व कौन करता यह ज्यादा जरूरी नहीं इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि नेतृत्ववर्ग, सम्मेलन की मूल भावनाओं को स्वीकार करता है कि नहीं? समाज के द्वारा संचालित सैकड़ों सामाजिक संगठन भी हैं, समाजसेवा-जनसेवा उनका उद्देश भी है, परन्तु जब समाज पर कोई संकट आता है तो इन संस्थाओं का अस्थित्व ही खतरे में पड़ जाता है, ऐसा नहीं कि वे कुछ कर नहीं सकते, परन्तु आवाज का महत्व तब तक नहीं जबतक उनका कोई केन्द्रीय संगठन न हो, सम्मेलन इन सभी बातों को ध्यान में रखता है। असम, उड़िसा में कई बार समाज पर प्रहार किये गये, सम्मेलन और मारवाड़ी युवा मंच ही एक मात्र ऐसा संगठन है जो उन सामयिक घटनाओं के समाधान हेतु प्रत्यक्ष रूप से सामने खड़ा रहता है, समाज-सुधार इसका एक पक्ष जरूर है, लेकिन सिर्फ समाज-सुधार ही सम्मेलन का कार्य है, ऐसा सोचना सही नहीं है; वस्तुतः सम्मेलन, प्रवासी मारवाड़ी समाज जो अपने मूल प्रान्त 'राजस्थान-हरियाणा' को छोड़ भारत के अन्य हिस्से में रम-बस गये हैं उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक, सामाजिक समरसता, शिक्षा के प्रति जागरूकता, समय-समय पर समाज में व्याप्त कुरीतियों पर प्रहार करना, आदि जैसे अनेक कार्यक्रम के साथ-साथ राजनैतिज्ञों के साथ मिल बैठकर समाज की समस्याओं पर विचार करना व उत्पन्न समस्याओं का राजनैतिक तरिके से हल खोजना । संभव है सम्मेलन के हर पदाधिकारियों से हम एक आशा रखते हैं कि उनके आचरण समाज-सुधार के अनुकूल रहे, ऐसा हो तो बहुत हो अच्छा होता, परन्तु हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि इस एक सूत्री अलाप से संगठन को हम कितना मजबूत कर रहें हैं? सम्मेलन समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है। हमें स्वीकार करना होगा कि सम्मेलन को मजबूत बनाने हेतु समाज के समग्र विकास पर हमें विचार करना होगा।

समाज-सुधार ही सम्मेलन का एक मात्र कार्य हो, तब तो हम यह मांग कर सकते हैं कि सम्मेलन के हर पदाधिकारियों को इसके आचरण के अनुकूल रहना होगा, अन्यथा ऐसी आशा हमें व्यर्थ ही विचलित करती है, आईये ! समाज को आपकी जरूरत है, सम्मेलन, समाज के चौतरफा विकास की बात सोचता है। इसके लिए हम चाहतें हैं कि सम्मेलन के सभी खिड़कियां-दरवाजे खुले रहे । सजग पत्रकारिता का हमेशा से समर्थक रहा हूँ, परन्तु विकृत मानसिकता का नहीं ।

NSI (INDIA) LIMITED

Manufacturer and Exporter of Manhole Covers &
Fabricated Steel Products

ISO 9001 : 2000 Certified Company.

Specializes in :

- **Manhole Covers** (Cast Iron, Ductile Iron, Galvanized)
- **Fabricated Steel Products** (Screw Pile, Brackets, Steel Blocks etc.)
- **Flanges.**

For more details please visit our website www.nsilimited.com
Or
Contact us at our :

Office address : 46, Moulana Abul Kalam Azad Road
Howrah–711101
Tel : +91 33 26662581,
Fax : +91 33 26662582
E-mail : nsi@nsilimited.com

Regd. Office & Works : Beltala, Chamrail.
Howrah-711114
Tel : +91 (3212) 246912,
Fax : +91(3212) 246906
E-mail : nsi@nsilimited.com

** We believe in best quality and service and customer satisfaction is our first priority**

चिट्ठी आई है

कथनी करनी एक हो

वैचारिक आचार संहिता का पालन मध्यम वर्ग तो करता है लेकिन सम्पन्न वर्ग कभी नहीं करता। नियम और आचार-संहिता सम्पन्न वर्ग ही तोड़ते हैं और कभी-कभी तो दुखदायी स्थिति तब होती है जब आचार-संहिता, संविधान, नियम आदि के निर्माणकर्ता तथाकथित समाजसेवी, समाज के ठेकेदार कहे जाने वाले ही इसे तोड़ते हैं। वे समाज के नियमों को तोड़ना अपनी शान और शराफत समझते हैं। उनके सामने ही दूसरे तोड़ते हैं तो भी वे मौनी बाबा बने रहते हैं। उन्हें अंदेशा रहता है कि आडम्बरों, फिजूलखर्ची, दिखावा का विरोध करने पर वे हँसी के पात्र बन जाएँगे। अनगिनत निमंत्रण पत्र ही तो उन्हें समाजसेवी, मिलनसार, समाज के ठेकेदार के रूप में स्थापित करते हैं। शादियों या समारोहों में अनगिनत प्रकार की भोज्य सामग्री उनके मुँह को बंद कर देती है और मस्तिष्क को शून्य। तभी तो वे खुलकर विरोध नहीं कर पाते। आवश्यकता पड़ी तो कभी किसी समारोह में वक्ता के रूप में कुछ बोलकर, आडम्बरों का विरोध करके अपना कर्तव्य पूरा कर लेते हैं ताकि समाजसेवी की छवि कायम रहे। इसलिए आचार-संहिता का पालन करने-करवाने की आदत अति सम्पन्न वर्ग और सम्मेलन के पदाधिकारियों में डालें। इसका काफी प्रभाव समाज पर पड़ेगा। तभी आपका यह सद्प्रयास सफल होगा। और हाँ, 'सजनगोठ' मेल-मिलाप, मान-सम्मान की जो परम्परा है इसे जारी रखना चाहिए। इसमें आडम्बर, दिखावा बंद होने चाहिए। धरोहरों की जानकारी रोचक है और गौरवान्वित करनेवाली है, इसे जारी रखें।

अरुण गनेड़ीवाल, जमशेदपुर

.....

वैवाहिक अचार संहिता

पत्रिका में 'वैवाहिक अचार संहिता' का जो विषय है अगर कोई ऐसा समझकर मान कर निभाता है तो कृपया पत्रिका में उसका नाम देवें तथा जो व्यक्ति परिवार शादी में खर्च करता है वह समाज के नाम पर भी कुछ रुपया दे जिससे जरूरतमंद, पढ़ाई, ईलाज ऐसे कई कार्यों पर उस धन का उपयोग होता रहे। समाज में ऐसा कार्य हो जिससे हम सबको गर्व हो, ऐसा हमारा विचार है।

अशोक कुमार अग्रवाल,
खेतराजपुर, सम्बलपुर, उड़ीसा

लिखने का प्रयास करें

पाठकों से अनुरोध है कि आप न सिर्फ पत्र लिखें, सामाजिक विषयों पर लेख, कविता, कहानी आदि भी लिखने का प्रयास करें, हम ऐसे पाठकों को प्रोत्साहन देंगे।

-सम्पादक

अंक मिला पढ़कर प्रसन्नता हुई

'समाज विकास' का सितम्बर अंक मिला- पढ़कर प्रसन्नता हुई। भाई दीपचंद जी नाहटा महान व्यक्ति थे। उन्होंने जीवन भर मारवाड़ी समाज की तन-मन-धन से सेवा किया। प. बंग प्रादेशिक सम्मेलन सफल रहा लेकिन आजकल कर्मठ व समर्पित कार्यकर्ताओं का बड़ा अभाव है।

-प्रताप सिंह जैन, सिलीगुड़ी

शुभकामनाएँ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २०वें अधिवेशन भुवनेश्वर, उड़ीसा में सम्मेलन के अन्तर्गत, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक शिक्षा कोष गठन करने का प्रस्ताव पास किया गया था, ताकि समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहयोग दिया जा सके।

विगत माह में शिक्षा-कोष का गठन कर, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अंतर्गत एक छात्रा सुश्री प्रियंका खण्डेलवाल, एम.बी.ए.के लिए एक लाख चार हजार रुपये की ऋण छात्रवृत्ति प्रदान कर इस कोष का श्रीगणेश किया गया। इसके लिए मेरी ओर से एवं शिक्षा समिति परिवार की ओर से आप सभी को हार्दिक बधाई।

- प्रहलाद शर्मा, महासचिव
बिहार मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा समिति,
पटना-१

सम्मान

'अर्चना' द्वारा प्रकाशित श्री नथमल केडिया का सुललित निबंध 'मन जाहिं राच्यो' पुस्तक को गुजरात हिन्दी साहित्य अकादमी (गांधीनगर, गुजरात) ने प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया है।

With Best Compliments From :

DEORAH SEVA NIDHI

Charitable Trust Dedicated to Service

(Founder Trustee – Late S. L. Deorah)

13E - Rajanigandha

25, Ballygunge Park

Kolkata–700019

अध्यक्षीय

विवाहों में बढ़ता दिखावा एवं प्रदर्शन "मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की"

पिछले दिनों सम्पन्न हुए विवाह समारोह को उन्हें देखकर लगता है कि विवाहों में आडम्बर एवं दिखावा न सिर्फ बढ़ रहे हैं बल्कि, प्रदर्शन की एक नयी होड़ लगी है।यह बात सभी वर्गों में विचारणीय है कि इसका समाधान जरूरी हो गया है।

गत वर्ष सम्मेलन द्वारा आयोजित दो-दिवसीय चिन्तन शिविर में एक ६ सूत्रीय वैवाहिक आचार संहिता पारित की गयी थी। मुझे यह स्वीकार करने में कतई संकोच नहीं है कि इस कार्यक्रम को कड़ाई से लागू नहीं कराया जा सका है। चिन्तन शिविर के दौरान विभिन मत उभर कर आये थे लेकिन यह निर्णय सर्वसम्मत था कि आचार संहिता लागू कराने के लिए धरना, विरोध या प्रदर्शन आयोजित नहीं किया जायेगा। हालांकि एक पक्ष का मत था कि केवल आचार संहिता के प्रचार-प्रसार या मन-परिवर्तन के अनुरोध द्वारा यह सम्भव नहीं होगा। उनका कहना था कि 'समाज का भय' समाप्त हो गया है और 'भय बिन होय न प्रीति' उनके अनुसार येन-केन-प्रकारेण सामाजिक दबाव की आवश्यकता है। धन का प्रभाव इतना भयंकर एवं गहरा हो गया है कि पैसे के सामने न तो समाज की कोई गिनती है न ही समाजिकता की।

यह एक निराशाजनक स्थिति है। व्यक्तिगत बातचीत में सभी इस प्रवृति की निन्दा करते हैं एवं इसके दुष्परिणामों से भी पूर्णतयाः सचेत है लेकिन 'मर्ज बढ़ता ही गया ज्यों-ज्यों दवा की'। प्रश्न उठता है कि क्या मर्ज की सही दवा दी जा रही है। क्या उपाय है?

मारवाड़ी समाज में ही नहीं साधारणतयाः देश में सामाजिक-नैतिक मूल्यों में गिरावट आयी है। धन का बोलबाला बढ़ा है। पैसा बोलता है। समर्थ को नहीं दोष गोंसाई- उक्ति समाज पर पूरी तरह चरितार्थ होती है। सभी सामाजिक प्रश्नों- दहेज, दिखावा, तलाक, टूटते परिवार, बुजुर्गों के प्रति गिरता सम्मान, टूटते विवाह, मांस एवं शराब का बढ़ता सेवन-का सीधा सम्बन्ध युवा पीढ़ी से है। इसीलिए कभी-कभी कहा जाता है युवा वर्ग- युवक एवं युवतियाँ समाज में परिवर्तन ला सकती है। एक अन्य तर्क के अनुसार इन सभी सामाजिक कुरीतियों के लिये कहीं-न-कहीं युवा वर्ग ही जिम्मेदार है। आज का युवा वर्ग धन की धूरी पर घुमता है- यह एक कटु सत्य है।

बुजुर्ग एवं युवा के तथाकथित विवाद से उपर उठकर इस गम्भीर प्रश्न का सम्मेलन एवं समाज को सामना करना पड़ेगा।

पिछले सप्ताह ही नवगठित अखिल भारतीय समिति की पटना बैठक में इन प्रश्नों पर गम्भीर विचार-विमर्श हुआ। कई ठोस सुझाव एवं प्रस्ताव उभर कर सामने आये लेकिन अभी भी कोई अचूक, सटीक एवं प्रभावशाली रास्ता खुलकर सामने नहीं आया हैं सम्मेलन अभी भी विरोध एवं टकराव की नीति को टालना चाहता है लेकिन कब तक यह टलेगा, यह न तो समाज के हाथ में है न ही सम्मेलन के। स्थिति बहुत ही विस्फोटक है। एवं इसके परिणाम दूरगामी भी हो सकते हैं।

नैतिक गिरावट के परिणामों का सबसे बड़ा उदाहरण है इसी महीने संसद द्वारा बुजुर्गों की उनके बच्चों द्वारा कानूनन देखभाल के लिए पारित बिल। भारत जैसे देश में अब कानून के माध्यम से पुत्र को बाध्य किया जायेगा कि वह अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल करे। ऐसी सामाजिक-नैतिक गिरावट से निराशा का माहौल स्वाभाविक है। हम अपने आप को असहाय महसूस करें, यह भी स्वाभाविक है। लेकिन हमें निराश नहीं होना है, आशा नहीं छोड़नी है। समाज सुधार का कार्य कभी सरल नहीं होता न ही रातों-रात। हमें प्रयास करते रहना है। परिवर्तन अवश्यम्भावी है। क्योंकि यह स्थिति नहीं चल सकती।

आपका ही,
सीताराम शर्मा

FOODS FATS & FERTILISERS LTD.

DIVISIONS :

International Trading	:	Rice, Wheat, Pulses, Maize and Groundnut
Speciality Fats	:	Sal Stearin, Kokum Fat, Mango Fat, Shea Stearin, Palm Mid Fraction
Palm Cultivation	:	Operations in Andhra Pradesh, Karnataka, Gujrat, Orrisa & Mizoram
Power	:	7.5 MW industrial waste based cogeneration Power Project 11 MW Biomass based power Project in Chattisgarh State
Oils & Lants	:	Edible Oils, Vanaspati, Bakery Fats, Maragarine, Aerated Bakery Shortenings
Fatty Acid & Chemicals	:	TRIFFA Stearic Acid, Crude and Distilled Fatty Acids, Glycerine, Pitch Oil, Oleoresins and High Grade Wax.
Natural Products	:	Herbal extracts, Bio-Nutrients, Pharma Ingredients
Enginearing	:	Captive engineering for expansions, transform innovative R & D into plant-scale reality

Registered Office & Works :
P.O. Box No. 15, Tanuku Road,
Tadepalligudem 534 101. A.P.
Phone : 222571 (4 Lines)
Fax : 91-8818-222172 / 225121
E-mail : tpg@fff.co.in

Chennai :
P.O. Box No. 759, Fountain Plaza, 7th Floor,
Pantheon Road, Egmore, Chennai-60 008 (India)
Phone : 28193121 Dir : 28193339
Fax : 91-44-28193322 / 28193065
E-mail : sbg@fff.co.in; chn@fff.co.in

Hydrabad :
6-3-569/2, 1st Floor, Rockdale
Somajiguda, Hyderabad - 500 082
Phone : 23320551 / 44311999, 66134061 / 62
Fax : 040-44311777, E-mail : hyd@fff.co.in

Mumbai :
Green House, 2nd Floor, Green Street,
Fort G.P.O. No. 10066, Mumbai - 400 023.
Phone : 22662136, 22661846, 22663118
E-mail : fffb@bom3.vsnl.net.in, fffb@mtnl.net.in

Branches : • Kolkata • Baroda • Kakinada • Delhi • Bangalore • Nagapattinam • Cochin • Visakhapatnam

Website : • www.3fg.in

3 F GROUP

INDIA

Foods Fats & Fertilisers Ltd.

Asia Pacific commodities Ltd.

Modesty Garments

Galaxy Granites Pvt. Ltd.,

Golden Needle Apparels

Aujasya Agro Powr

OVERSEAS

Parker International Pte. Ltd. (Singapore)

Ceylon Speciality Fats (P) Ltd. (Sri Lanka)

3F Mali Ltd. (Mali-Africa)

3F Benin (Benin-Africa)

दूसरों के उपहास के पात्र न बनें

– मोहनलाल तुलस्यान
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा. सम्मेलन

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की पंक्तियाँ हैं-

देखना चाहते हो भविष्यत् में क्या है?
तो देखे उन्हें जो सूखे नहीं, नम हैं
जिनकी उम्र तीस साल से अभी कम है।

आखिर तीस साल से कम के उम्र में ऐसा क्या है जिसे लेकर कवि चिंतित है?

कवि दूरदर्शी होता है और समय के आगे देखने की कोशिश करता है। दिनकर की इन पंक्तियों में जो भाव है उन्हें समझाने की जरूरत है।

तीस साल से कम उम्र का व्यक्ति वैचारिक स्तर पर अपरिपक्व होता है। शारीरिक तौर पर स्वस्थ, उर्जा से भरपूर, उमंगों से लबालब इस उम्र की सीमा में अच्छे या बुरे की पहचान नहीं होती। इस उम्र का व्यक्ति आसानी से किसी के बहकावे में आ जाता है और अक्सर ऐसा कर जाता है जो औरों के लिए नागवार गुजरता है। परिवार और समाज की प्रतिष्ठा दाव पर लग जाती है।

इसलिए इस उम्र पर अंकुश की जरूरत होती है। और यह अंकुश लगाना कोई हँसी-खेल नहीं है। बड़ी कोशिश करनी होती है और खतरों से खेलना होता है।

दुनिया का इतिहास गवाह है कि बड़ी-बड़ी क्रांतियों को सफल करने में तीस से कम उम्र के युवाओं की भूमिका निर्णायक रही है। किसी भी देश और समाज के लिए युवाओं की यह टोली वरदान साबित हो सकती है बशर्ते वह अनुशासित हो, संयमित हो, प्रतिभासम्पन्न हो और सर्वोपरि विकासोन्मुखी दृष्टि वाला हो।

सौभाग्य से मारवाड़ी समाज के वर्तमान परिदृश्य में युवाओं की संख्या बहुत बड़ी है और वह उच्च शिक्षा प्राप्त है। पेशेवर और व्यवसायिक मामलों में वह अपने पूर्ववर्ती पीढ़ी से कोसों आगे है। बहुत से युवा ऐसे हैं जिन्होंने अपनी बुद्धिमता और दक्षता से समाज का नाम रोशन किया है। लेकिन वहीं दुर्भाग्य की बात यह है कि नई सामाजिक व्यवस्था में बहुत से युवा लगाम हीन है, उच्छृंखल होते जा रहे हैं। वे परिवार और समाज की बंदिशों को मानने के लिए तैयार नहीं। उनका मानना है कि जो कुछ वे कर रहे हैं वह सब ठीक है और किसी को भी उन पर कुछ कहने का अख्तियार नहीं है।

ऐसे उच्छृंखल युवाओं के चलते ही सम्प्रति समाज की बड़ी फजीहत हुई है लेकिन मुद्दा यह है कि क्या इन घटनाओं से समाज चेता है या ऐसी घटनाओं को रोकने की सार्थक पहल हो रही है।

मुझे तो लगता है कि मारवाड़ी समाज स्थितप्रज्ञ-सा हो गया है जिसमें किसी घटना को लेकर कोई प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिलती। लोग चुपचाप सब कुछ सहने के आदि हो चुके हैं।

यह स्थिति बड़ी विडम्बनापूर्ण है। समाज में किसी व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी घट जाती है या वह किन्हीं कारणों से मुसीबत में फँस जाता है तो उसकी सहायता के लिए कोई आगे आना नहीं चाहता और वह व्यक्ति चौतरफा दबाव में आने को अभिशप्त हो जाता है।

क्या यह किसी स्वस्थ, संगठित समाज का लक्षण है? मेरी नजर में तो सह एक जड़, अचेतन, विघटित समाज का रूपक है।

जब हम दूसरे की सहायता में आगे नहीं आएंगे तो दूसरा हमारी सहायता में क्यों आगे आएगा?

मारवाड़ी समाज मे सम्प्रति धन और शिक्षा का आगमन तेजी से हुआ है। वैश्वीकरण के इस दौर में विश्व बाजार में बहुत से मारवाड़ियों ने अपनी जबर्दस्त पेठ बनाई है और वे बड़ी तेजी से आगे बढ़े हैं लेकिन संस्कार के अभाव में उनका धन और उनकी शिक्षा का औचित्य समाप्त हो रहा है।

क्या केवल शिक्षा और अकूत धन के बिना हम सामाजिक हो सकते हैं?

सामाजिकता और पारिवारिकता की पहली शर्त है-संस्कारपूर्ण जीवन। बिना संस्कार के हम कहीं के नहीं रहते। हमारे पूर्वजों ने संस्कार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी तो केवल इसलिए कि वे जानते थे बिना सम्यक संस्कार के मनुष्य पशु के समान होता है जिसके समक्ष कोई दिशा नहीं होती। परिवार और समाज का एक निश्चित लक्ष्य होता है। एक सुनिर्दिष्ट पथ होता है और प्रत्येक व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उन लक्ष्यों तक पहुंचे एवं पथ की मर्यादा को ध्यान में रखे। जब कोई सामाजिक-पारिवारिक नियमों की अवहेलना करता है तो यह उस समाज और परिवार की जिम्मेवारी होती है कि उस व्यक्ति पर अंकुश लगाये। 'निरंकुश व्यवस्था' किसी भी स्थिति में सर्वमान्य नहीं हो सकती।

हम अपने समाज के गैरजिम्मेवार सदस्यों पर अंकुश लगाने मे नाकामयाब रहे हैं और यही वजह है कि वे निरंकुश होकर हमारी सामाजिक-पारिवारिक व्यवस्था को तार-तार करने पर तुले हुए हैं।

यह समय की मांग है कि हम जागरूक हो, अपनी पारिवारिक-सामाजिक व्यवस्था को नये संदर्भ में लागू करने के लिए उद्योगी हों एवं शिक्षा, धन, हैसियत की रक्षा के लिए संस्कार को जन-जन में प्रचारित-प्रसारित करने का गुरुदायित्व संभालें अन्यथा परिस्थिति बेकाबू होती जाएगी और हम सिर्फ दूसरो के उपहास का पात्र बनकर रह जाएंगे।

Well Wisher

SRI SANTOSH SARAFF

ROAD CARGOMOVERS PVT. LTD.

1, Gibson Lane, R.NO.-211, 2nd Floor,
Kolkata-700 069
Ph. : 033-2210-3485

With Best Compliments from

SARAD INDUSTRIAL PRODUCTS

4, SYNAGOGUE STREET, KOLKATA-700001
DIAL : 2242-2585, 2242-4654
E-MAIL : rohitashwaj@hotmail.com
Authorised Distributor
HUNTSMAN ADVANCED MATERIALS (INDIA) PVT. LTD.
Manufacturer of :
ARALDITE EPOXY ADHESIVE
ARASEAL PUTTY
KARPENTER PVA
BUILDER WATER PROOFING

वृद्धों की उपेक्षा के खिलाफ समाज सजग हो

– राम अवतार पोद्दार
महामंत्री अ.भा. मारवाड़ी सम्मेलन

सम्प्रति देश में वृद्धों की हो रही घोर उपेक्षा के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय और संसद में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। जहाँ अदालत ने वृद्ध माता-पिता की उपेक्षा और उन्हें प्रताड़ित करने की मानसिकता को असह्य माना है वहीं संसद में एक बिल पास करके वृद्धों की उपेक्षा के लिए सजा का प्रावधान किया गया है।

न्यायालय और संसद में लिये जा रहे फैसले को लागू करने और वृद्धों को समानजनक जीवन जीने देने के विषय में संभावित अड़चनों से इंकार नहीं किया जा सकता पर क्या यह हमारी मानसिकता के अधोपतन की अति नहीं है? कि हमारे कर्तव्यों के मामले में भी अदालत और संसद को हस्तक्षेप करना पड़े।

भारतीय समाजों में माता-पिता को ईश्वर के समकक्ष माना गया है। धर्मग्रंथों में सैकड़ों उदाहरण दिये गये हैं, पौराणिक व्याख्यानों में माता-पिता की सेवा से प्राप्त लाभों का उल्लेख है, वृद्ध अंधे माता-पिता को तीर्थाटन कराने वाले श्रवण कुमार का नाम आते ही लोग श्रद्धानवत हो जाते हैं। पर हकीकत में आजकल माता-पिता के साथ लोगों का व्यवहार इतना निर्मम और अमानवीय होता जा रहा है कि सोचकर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। धर्म के लिए लोग ईश्वर की आराधना करते हैं, तरह-तरह के अनुष्ठान करवाते हैं, विविध फल-फूल-मेवा-मिष्ठान्न का प्रसाद चढ़ाते हैं पर क्या ईश्वर का साक्षात दर्शन कर पाते हैं?

कहने को हम आधुनिक सभ्यता के दौर में पहुँचने का दावा करते है। शिक्षा, संस्कृति, व्यवसाय, सामाजिकता और पारिवारिकता के सवालों को हम अंतर्राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में देखने का दावा करते हैं। सैकड़ों उद्धहरण देकर हम अपनी बात को सही ठहराने की कोशिश करते हैं। रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा के मामले में हम बेहतर से बेहतर स्तर को अपनाना चाहते हैं। इंटरनेट, कम्प्यूटर और मोबाइल फोन के दौर में सारी दुनिया को मुट्ठी में करने का दम भरने वाले क्या वास्तव में हम, अपने प्रियजनों से आत्मीयतापूर्ण संबंध बनाये रखने में सफल हैं? चमक-दमक पूर्ण जीवन जीने की जद्दोजहद में हमारे अपने ही हमसे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता पूर्ण इस युग के समक्ष यह सबसे बड़ा सवाल है।

भले ही आधुनिक होने का हम दम भरते हों, यह कितना भीतर से खोखला बनता जा रहा है इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता है। आधुनिक होना बहुत अच्छा है लेकिन अपनी परंपरा, संस्कृति और आदर्शों की कीमत पर कितना उचित है?

ताज्जुब तब होता है जब हम अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में देखते हैं। कितने मानवीय हैं? वो लोग जो अपनी खुशी के लिए अपने जनक और जननी तक को तिरस्कृत, प्रताड़ित करते पाये जाते हैं। जिस माँ ने ९ महीने तक अपने गर्भ में पाला, असहनीय कष्ट उठाया, पाला-पोषा, जिस पिता ने सुयोग्य नागरिक बनाने के लिए न जाने कितने कष्ट सहे, अपना पेट काटकर अच्छी से अच्छी परवरिश की उनके प्रति अविश्वास, घृणा, क्षोभ का प्रदर्शन करने वाला आखिर मनुष्य कहलाने का अधिकारी कैसे हो सकता है?

हम यह क्यों भूल जाते हैं कि एक दिन हमें भी वृद्ध होना है और हमारे बच्चे भी हमें घर से निकाल कर वृद्धाश्रम की राह दिखा दें तो कैसा लगेगा? जो स्थिति हम अपने लिए नहीं चाहते उसमें अपने माता-पिता को भेजने की मनःस्थिति क्यों?

समाज में वृद्धाश्रम की जरूरत है तो उन वृद्ध-वृद्धाओं के लिए जिनके निकटवर्ती कोई आत्मीय नहीं है। अकेलेपन और असहाय लोगों को ही इस व्यवस्था का लाभ मिले, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। बेटे-बहू, बेटी से भरे-पूरे परिवार के किसी वृद्ध या वृद्धा को अगर वृद्धाश्रम की शरण लेनी पड़े तो इसके खिलाफ सामाजिक प्रतिकार की व्यवस्था होनी चाहिए।

अदालत या संसद की व्यवस्था से पहले हम सामाजिक कहलाने वाले लोग इस विषय में सतर्क हों और अपने समाज के वृद्ध-वृद्धाओं को जीवन के अंतिम दिनों में सम्मानजनक जीने की सुविधा प्रदान करें, तभी हमारी सामाजिकता, पारिवारिकता और उदारता का परिचय मिलेगा। हमें आदिकाल से प्रचलित इस गुरु वाक्य को अपने जीवन में मूलमंत्र बना लेना चाहिये।

'मातृ देवो भवः पितृ देवो भवः'

With Best Compliments from :

NEM CHAND KANDOI

"HASTINGS CHAMBERS"
7C, KIRAN SHANKAR ROY ROAD,
KOLKATA-700 001

PH. : 2230-8876, 2479-9435, 2268-3474 / 5368
FAX : (033) 2243-6939

With Best Compliments from

PODDAR PRATHISTHAN

36, CHOWRINGHEE ROAD
KOLKATA-700071
PHONE NO. : 2288-2421 / 2422 / 2423
FAX : 2288-2420

OUR GROUP COMPANIES

AUTO DISTRIBUTORS LTD.
SUBIR UDYOG LTD.
ANAND EPOXIES LTD.
SHREE VARDHAN LTD.

राष्ट्रीय महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार द्वारा प्रस्तुत महामंत्री का प्रतिवेदन - २००७

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक के अवसर पर आप सभी सदस्य भाइयों का स्वागत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है कि बिहार प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में इस आयोजन का कार्यक्रम हो रहा है। मैं बिहार प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन को धन्यवाद देता हूँ और संक्षेप में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ।

१. ४-५ नवम्बर २००६ को कोलकताता में राष्ट्रव्यापी दो दिवसीय का चिन्तन-शिविर का आयोजन बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी व ६ सूत्रीय वैचारीक आचार संहिता पारित- संलग्न।

२. बिहार के उप-मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी का कोलकाता आगमन पर विचार विमर्श।

३. १५.१२.२००६, राजस्थान के सहकारिता एवं समाज कल्याण मंत्री श्री मदन दिलावर का कोलकाता में स्वागत व उद्योगमंत्री श्री नरपतसिंह से चर्चा।

४. २१.११.२००७, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा की बैठक एवं भावी कार्यक्रमों पर विस्तृत विचार।

५. २५ दिसम्बर २००६ को सम्मेलन का ७२वाँ स्थापना दिवस समारोह स्थानीय कला मन्दिर सभागार में सम्पन्न हुआ जिसका उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने किया। इस अवसर पर राजस्थान के लोकप्रिय कवि श्री गजानन वर्मा को स्व. सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार से एवं असम के गणपत राय धानुका को स्व. भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

६. बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का रजत जयन्ती प्रान्तीय अधिवेशन मुंगेर में १२-१३ जनवरी २००७ को सम्पन्न।

७. राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री श्री जगन्नाथ पहाड़िया का सम्मेलन भवन का दौरा।

८. हरियाणा के राज्यपाल श्री ए.आर. किदवई का कोलकाता में हरियाणवी समाज के साथ बातचीत।

९. ३० जनवरी २००७ को झरिया मारवाड़ी सम्मेलन का स्वर्ण जयन्ती समारोह।

१०. २ फरवरी २००७ को सुविख्यात अर्थशास्त्री डॉ. रामगोपाल अग्रवाल द्वारा पारिवारिक व्यवसाय विषयक गोष्ठी का उद्घाटन।

११. १७.३.२००७ को श्री प्रहलादराय अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्मेलन द्वारा उच्च शिक्षा कोष का गठन।

१२. ७-८ अप्रैल को अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा के साथ रायपुर की यात्रा एवं छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का गठन।

१३. १५ अप्रैल २००७ को कोलकाता में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में एक दिवसीय राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन।

१४. १६-१७ मई २००७ को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से सम्मेलन के पदाधिकारियों की मुलाकात।

१५.२० मई २००७ को मारवाड़ी सामाजिक क्रांति परिषद के कार्यक्रम 'सिलीगुड़ी में मारवाड़ी जनगणना' के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की सहभागिता।

१६.३१ मई २००७ को पूर्व उपराष्ट्रपति श्री भैरो सिंह शेखावत के कोलकाता आगमन पर पदाधिकारियों के साथ औपचारिक मुलाकात

१७. १६,जून २००७ में राज्यसभा सांसद व पत्रकार श्री अजय मारू के स्वागत में सभा का आयोजन।

१८. १५ जुलाई २००७, पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में 'मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन' का आयोजन।

१९. २१ जूलाई २००७ को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मोहनलाल तुलस्यान की पुस्तक " चिंतन के कुछ क्षण " पर विचार गोष्ठी।

२०. सितम्बर २००७, 'आयकर रिटर्न' सरल बनाने के विषय पर सम्मेलन द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन।

२१. २३ सितम्बर २००७ को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का नवम अधिवेशन कोलकाता में सम्पन्न।

२२. ७ अक्टूबर २००७ को उच्च शिक्षा कोष द्वारा कुमारी प्रियंका खण्डेलवाल को एक लाख चार हजार का चेक प्रदान किया गया। ...जारी पेज-२१

When time is of essence,
A R C makes its presencee !

And we will put total transport expertise at your disposal

Registered Office :
"Om Towers" 9th Floor,
32, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700 071
Phone : 2226 5795, 2227 5605
Fax : 033-2226 5795

Corporate Office :
"Surya Towers" 3rd Floor
105, Sardar Patel Road, Secunderabad-500 003(A.P.)
Phone : 2784 5400 / 3582 / 1603 / 3588
Fax : 040 2784 8869 | Website : www.arclimited.com

REGIONAL OFFICES

AHMEDABAD	:	Ph. 25321567, 25321595	BANGALOERE	:	Ph. 2222 6911, 2222 4337
KOLKATA	:	Ph. 2211 2412 / 1545	CHENNAI	:	Ph. 28523524, 28524738
DELHI	:	Ph. 23525087, 23526354	HYDERABAD	:	Ph. 2338 7861 / 7762

DIVISIONAL OFFICES

ALLAHABAD	:	Ph. 2232697	BARODA	:	Ph. 2432039
CHANDIGARH	:	Ph. 2792740	COIMBATORE	:	Ph. 2473400
DURGAPUR	:	Ph. 2582917	HUBLI	:	Ph. 2373741
INDORE	:	Ph. 2558007	JAIPUR	:	Ph. 2640269
KANPUR	:	Ph. 2600562	JAMSHEDPUR	:	Ph. 2462184
NAGPUR	:	Ph. 2764748	TRICHY	:	Ph. 2707504
U.P. BORDER	:	Ph. 2625170	PUNE	:	Ph. 27125319

VISKHAPATNAM : PH. 2747096

ASSOCIATED ROAD CARRIERS LIMITED
(An ISO 9001 : 2000 Certified Company)
PEOPLE WITH A WILL TO SERVE

★ 500 Booking & Dilivery Centres ★ 350 Cities / Towns ★ 2500 Destinations

महामंत्री का प्रतिवेदन.....

२३.सभापति श्री शर्मा के दक्षिण भारत की यात्रा के दौरान तामिलनाडू प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा चेन्नई में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

२४.१६ दिसम्बर २००७ को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा 'मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन' का आयोजन व अखिल भारतीय समिति की बैठक।

वर्ष २००६-२००८ के लिये निर्वाचित सभापति श्री सीताराम शर्मा ने आह्वान किया है कि सम्मेलन में एक नयी सक्रियता लानी है। नवगठित कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक ५ सितम्बर २००६ को मारवाड़ी सम्मेलन भवन में हुयी और अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठकों का एक सिलसिला आरम्भ हुआ ।

कार्यकारिणी एवं स्थायी समिति की संयुक्त बैठक १४ अक्टूबर २००६ को सम्मेलन भवन में किया गया। २० नवम्बर २००६ को कोलकाता चेम्बर ऑफ कामर्स में कार्यकारिणी की बैठक किया गया। स्थायी समिति की बैठक २४ मार्च २००७ को मारवाड़ी सम्मेलन भवन कोलकाता में सम्पन्न हुआ। २१ जून २००७ को स्थायी समिति की बैठक सम्मेलन भवन, कोलकाता में, ४ जुलाई २००७ को कोलकाता चेम्बर ऑफ कामर्स में कार्यकारिणी समिति की बैठक एवं ३ नवम्बर २००६ को सम्मेलन भवन में कार्यकारिणी व स्थायी समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

२५. निधन :

श्री मोतीलाल सुरेका-बिहार, श्री गणपतराय धानुका-असम, श्री दीपचंद नाहटा-कोलकाता,श्री लक्ष्मीमल सिंघवी-दिल्ली के निधन पर सम्मेलन की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित की गई है।

इसके अलावे दिल्ली और गुजरात में नये शाखा खोलने का प्रयास एवं तमाम प्रान्तीय सम्मेलन और उसकी शाखाएँ अपने-अपने स्तर से कार्यक्रम को हाथ में लेकर काम कर रही हैं। दिल्ली प्रांतीय सम्मेलन के लिये श्री पवन गोयनका को संयोजक नियुक्त किया गया।

धन्यवाद।

आपका ही
राम अवतार पोद्दार
राष्ट्रीय महामंत्री
अ.भा.मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन

१३वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का तेरहवाँ राष्ट्रीय अधिवेशन झारखंड प्रान्त के नवसृजित जिला रामगढ़ कैन्ट में २५-२६ दिसम्बर'२००७ को सम्पन्न होने जा रहा है। इस सुनहरे अवसर पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप सभी बहनों से रूबरू होने का मुझे मौका मिलेगा।

इस शुभ अवसर पर आपस में मिल-बैठकर विचारों का आदान-प्रदान करने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त होता है साथ ही आपसी मेल-मिलाप से, प्रेम और सौहार्द भी बढ़ता है। इसी अवसर पर राष्ट्र की सभी शाखाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु अनेकानेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा तथा सत्र २००८-१० के लिए पूर्व निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा खेतान (उड़ीसा) को पदभार सौंपा जाएगा।

इस शुभ अवसर पर एक स्मारिका 'महासंकल्प' का भी विमोचन भी किया जाएगा।

सम्मेलन स्थल : जिमखाना क्लब, रामगढ़ कैन्ट
दिनांक : २५-२६ दिसम्बर २००७
रजिस्ट्रेशन शुल्क : ३०० रुपये

सोचो

लक्ष्य से बँधकर चले अगर तो, सोचो क्या तुम पाओगे,
रह जाओगे एक अकेले, किसको राह दिखाओगे
सिमट रही है दुनियादारी, एक जगह ही अटक रही,
इस एक में कोई सार नहीं, ये दुनिया मुझको खटक रही।
ढूँढ़ रहा हूँ शून्य में, मैं अब, सागर की गहराई,
साथ अगर मिल जाये तो पकडूँ, मानवता की परछाई।
भेद भाव का जान लिया तो, मानस को हरसाओगे,
लक्ष्य से बँधकर चले अगर तो, सोचो क्या तुम पाओगे।
वही निरर्थक बातें सारी, दोहराना अब ठीक नहीं,
वक्त की बिखरी कुंजी से तो, मिलती कोई सीख नहीं।
धैर्य की उंगली पकड़ चले तुम, मार्ग स्वतः बन जायेगा,
स्मरण करो फिर जिसका तुम, वो संयम पथ पर आयेगा।
बन्धु से बन्धुत्व निभाकर, जीवन को महकाओगे
लक्ष्य से बँधकर चले अगर तो, सोचो क्या तुम पाओगे।

- संदीप जैन, वीरपुर

Superstar ne phir dikhaya kamaal
Zyada safedi, impression bemisaal!
New Improved
JK COPIER
India's No.1 Paper
Super white, super bright, super performer!
Zero machine jamming • Double sided copying advantage • Superior photo imaging • Long lasting whiteness
JK PAPER LTD.
Creating lasting impressions
JK EXCEL BOND • JK SAVANNAH • JK COPIER PLUS • JK EASY COPIER • JK COTE • JK MAPLITHO
Contact: Delhi: 41509038 • Kolkata: 22420979 • Mumbai: 22810757 • Chennai: 25612910 www.jkpaper.com

युवावां खातर रोजगार री विपुल संभावनावां : बिड़ला

– भेंटकर्ता : विनोद शर्मा

श्रीमती सरला बिड़ला व बसंतकुमारजी बिड़ला

देश रै उद्योग अर आरथिक जगत नै नवीं दिशा अर गति प्रदान करण में अग्रिम पंक्ति रा विख्यात उद्यमी राजस्थान रा मूळ निवासी स्व. श्री घनश्यामदासजी बिड़ला रा लाडेसर ८७ वर्षीय श्री बसंतकुमारजी बिड़ला ई आपरै पिता री तरै देश रै औद्योगिक अर आरथिक जगत में आपरी अेक मैतावू ठौड़ अर पिछाण थापित करी है।

कोलकाता नै आपरै कार्य क्षेत्र रै रूप मांय चुणता थकां श्री जी.डी. बिड़ला आपरौ कारोबार अठै सूं प्रारंभ कर्‌यौ अर इणां रा पुत्र श्री बी.के. बिड़ला ई कोलकाता मांय निवास करता हुया, देश रै भिन्न-भिन्न छेत्रां मांय फैल्योड़ी आपरी औद्योगिक इकाईयां रौ संचालन कर रैया है। आपरे मित्रां अर उद्योग जगत में बी.के. बाबू रै नांव सूं पुकारीजण वाळा श्री बी.के. बिड़ला बहु-प्रतिभा रा धनी है, आप मात्र उद्यमी ई नीं, अेक चित्रकार अर संगीतज्ञ रै साथै ई बौत बड़ा समाज सेवी है। सौम्य अर सरल सुभाव रा धनी श्री बी.के. बाबू सूं लारलै दिनां उणां रै जोधपुर प्रवास रै दौरान भेंटवार्तां में उणां नै नजीक सूं जाणणै अर पिछाणणै रौ सौभाग म्हनै हासल हुयौ, उण बातचीत रा कीं अंश अठै प्रस्तुत है-

बी.के. बाबू बतायौ के म्हारा पौत्र कुमारमंगलम आपरे स्व. पिता अर म्हारै पुत्र स्व. आदित्य बिड़ला रै पदचिह्ना माथै चालता थकां आपरी खुद री औद्योगिक इकाईयां रौ संचालन बखूबी कर रैया है।

बी.के. बाबू अेक चित्रकार ई है अर उणां री बणाईजी केई पेंटिंग्स अपणै आप में अेक विशेष संदेश लियोड़ी है। आपरी इण रुचि नै खुद तक सीमित नीं राखता थकां नुवा अर पुराणा कलाकारां नै मंच प्रदान करण रै उदेस सूं आप कोलकाता मांय संगीत कला मंदिर रौ निरमाण करवायौ। जठै छोटै-बड़ै कलाकारां कानी सूं समै समै कला प्रदर्शन हेतु आयोजन कर्‌या जावै है। इणी तरै बिड़ला अकादमी कोलकाता री ई स्थापना करीजी जिणरै माध्यम सूं ई कलाकारां नै उचित अवसर प्रदान कर्‌या जावे है। आ अकादमी कला प्रदर्शन रौ मैतावू केंद्र है। चित्रकार रै साथै श्री बी.के.बाबू संगीतप्रेमी ई है। वॉयलीन अर हारमोनियम बजावण रा खास शौकीन श्री बी.के.बाबू चोखा गायक ई है। आपसूं प्राप्त जाणकारी मुजब कीं बरसां सूं आपनै वॉयलीन बजावणौ तो बंद कर दियौ पंण अजै ई रोज सिंझ्या रा जोड़ायत श्रीमती सरला बिड़ला रै साथै मिल'र हारमोनियम बजावता हुआ, प्रार्थना गायन करै है। बी.के.बाबू कैवे है के म्हारी आवाज में तौ अबै वा बात नीं रैयी पण म्हारी पत्नी आज ई बौत ई सुरीली गावै है अर नित्य प्रार्थना मांय म्हां दोनूं बौत आनंद मैसूस करां हां। कदैइ-कदैई म्हारी छोटी पुत्री मंजूश्री ई म्हांरी प्रार्थना में सामल हुवै।

आपरी दिनचर्या रै बारै में बतावता थकां श्री बी.के.बाबू कैवे क म्हैं रोजीना सुबै साढ़े तीन बज्यां अ म्हारी पत्नी सुबै ढाई बज्यां उठ जावै अर सुबै रे च्यार बज्यां 'मॉर्निंग वॉक' माथै निकळ जावां। करीब ४५ सूं ५५ मिनट री मॉर्निंग वॉक रोज करां हां। म्हैं रोजीना सुबै साढे नौ बज्यां ऑफिस पूग जावूं।

आपरी औद्योगिक इकाइयां रै संचालण रै तरीकै रे बारै में श्री बी.के. बाबू बड़े गरब रै साथै कैवे के म्हैं म्हारी इकाइयां रौ प्रबंधन कार्य उणीत रै सूं कियौ है जैड़ों कै म्हारा पूज्य पिताश्री जी.डी. बिड़ला करता हा। सायत औ तरीकौ आज रै जमानै नै देखता हुया पुराणै हुय गयौ है फेर ई म्हैं संतुष्ट हूँ।

बी.के. बाबू कैवै के म्हारौ स्व. पुत्र आदित्य विकम बिड़ला, बिड़ला समूह रौ पैलो व्यक्ति हौ जिकौ विदेश री युनिवर्सिटी (MIT INUS) सूं शिक्षित हौ पण वौ ई कीं हद तांई म्हारै पिता अर म्हारै प्रबंधन शैली रे अनुरूप प्रबंधन प्रकिया अपणाई ही।

...जारी पेज-२५

Career Development Opportunites

- IAS/APS and Allied Services Examinations
- Indian Forest Service & West Bengal Forest Service Examination
- WBCS (Exe) & Allied Services Examination
- WBCS (Judiciál) Examination
- Language Courses - Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit & Hindi.
- Joint Entrance Examinations for West Bengal & National Level Instituions.
- Mass Communication, Journalism and Public Relations.
- CA Courses(PE-1, PE-11 & Final)
- CS Courses(Foundation, Intermediate & Final)
- MBBS, PG Medical Entrance
- Hospitality & Event Management
- UPDSC Exam for NDA & CDSE for IMA including SSB interview.

✓ **Fully AC** ✓ **Modern Facilities** ✓ **Loan/Stipend given**
✓ **Hostel/Guest Accomodation Available**
✓ **Highly qualified success oriented faculty**

Institute For Inspitration & Self Development

IB-200/1, Sector 111, Salt Lake, Kolkata - 700 106, Phone: 2335-2378/2697 Fax: 2335 2379
e-mail: admin@iisdedu.in, feedback@iisdedu.in, website: www.iisdedu.in, www.iisd.in

With Best Compliments from :

ARUN KUMAR MAHESHWARI
Trivum India Software Pvt. Ltd.
PSS Plaza
6, Wing Cunnel Road
Bangalore - 560017
Ph: 080 4032 7400 / 52
www.triviumsys.com
arunm@triviumsys.com
Leading providers of customer Service/Support software

आपरै पौत्र कुमार मंगलम रै बारै में आप कैवै के म्हैं औ विसवास रै साथै नीं कैय सकूं के कुमार ई वा इज प्रबंधन शैली अपणावैला जिकी म्हां लोग अपणाई ही, क्यूंकि वरतमान दौर मांय विश्व स्तर माथै केई तकनीकी परिवर्तन हुय चुक्या है अर व्यापारिक प्रतिस्पर्धावां बधगी है, अर कुमार नै आं स्थितियां नै देखता हुया निर्णय लेवणा पड़ैला पण म्हैं इतरौ जरूर कैवूंला के कुमार जिकौ ई तरीकौ अपणाय रैयौ है उणमें वौ पूरी तरै सूं सफळ हुय रैयौ है।

बी.के. बाबू रौ कैवणौ है के लारलै ३५-४० बरसां सूं म्हारी विभिन्न इकाईयां सूं जुड़योड़ै विभिन्न व्यक्तियां रौ म्हनै अहम योगदान रैयौ है अर उण व्यक्तियां माथै म्हनै गरव है के उणारै सैयोग सूं बिड़ला ग्रुप ऊँचाइयां नै छूय सक्यौ है।

सरला बिड़ला के साथ वसंतकुमारजी हारमोनियम बजावता हुआ

बी.के. बाबू कवै के यूं तो म्हैं दो बरस पैली ही आपरी व्यावसायिक गतिविधियां सूं सेवा निवृत्त लेवण रौ मानस वणावता थकां पौत्र कुमार मंगलम नै कह्यौ ही के अबै सगळी आद्योगिक इकाइयां रै वौ आपरे अधीनस्थ लेवता थकां उणांरौ संचालन करै पण कुमार औ कैवतो मना कर दियौ के तांई आप संचालन कर सकौ हौ, आप स्वयं करौ। बी.के. बाबू कैवै के उणरै आग्रह माथै म्हैं कार्य करणौ जारी राख्यौ हूं, पण अबै म्हैं कुमार नै कैय दियौ हूं के तीन साल पछै जद म्हैं नव्वे बरेस रौ हुय जावूंला तद म्है म्हारी जिंदगी म्हारै तरीकै सूं जीणी चावूंला। सो वौ अपणै आप नै तमाम इकाइयां रौ संचालण कर खातर तैयार कर ले।

श्री बी.के.बाबू सूं देश रे औद्योगिक अर आर्थिक विकास अर भविष्य रै बारै में उणां रा विचार जाणण इच्छा जाहिर करण माथै उणां बतायौ के आवण वाळौ समै भारत रौ है। प्राकृतिक सम्पदा अर मानव संसाधन री प्रचुरता जैड़ी अनेकूं अनुकूलतावां रै चालतां भारत रौ विकसित देशां री अग्रिम पंक्ति मांय पूगणौ तय है। पांच साल पछै विकास री दौड़ में अमेरिका रै अलावा चीन अर भारत ई प्रमुख हुवैला अर लगभग १५ बरसां पछै भारत,चीन नै ई लारै छोड़ चुक्यौ हुवैला। इणरौ अेक मुख्य कारण भारत रो जनतांत्रिक देश हुवणौ है। बी.के.बाबू आगै कैवै है कि आजादी रै पछै चालीस बरसां तांई देश रै औद्योगिक विकास री गति बौत धीमी रैयी। इणरो कारण उद्योग थापना री कार्रवाई दिल्ली सूं होवणौ हौ पण पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार मांय वित्त मंत्री मनमोहनसिंहजी इण कानी विशेष ध्यान देवता थकां उद्योगां रै वास्तै विशेष सुविधावां अर कार्य योजनावां संचालित करी अर सरकारी कार्रवाई नै सुगम बणायौ जिणसूं देश रै औद्योगिक विकास नै गति मिली अर उणरै परिणाम स्पष्ट देखण नै मिल रैयौ है। पूर्व में मात्र दो नांव ई 'टाटा' अर 'बिड़ला' उद्योग जगत मांय छायोड़ा हा, पण आज अैड़ा सैकड़ूं नांव गिण्या जाय सकै है।

बी.के. बाबू राजस्थान प्रदेश री बात करता थकां कैवै के वरतमान मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे रै कार्यकाल में प्रदेश मांय उद्योग स्थापना री संभावनावां बधी है अर वातावरण ई वण चुक्यौ है, पण सरकार नै अबै बौत कीं करण री आवश्यकता है, तदै ई प्रवासी राजस्थानी प्रदेश में उद्योग लगावण रै वास्तै आकर्षित हुवैला। आवण वाळै समै मे युवावां खातर रोजगार री विपुल संभावनावां है, पण मात्र स्नातक री डिग्री प्राप्त कर लेवणा सूं काम नीं चालण वाळौ। आज देश में विभिन्न प्रकार रै इंस्टीट्यूट अर कोचिंग सेन्टर इत्याद संचालित है, युवावां नै स्नातक रे पछै किणी ई छेत्र रौ निर्धारण कर उण छेत्र में विशेष कोर्स करता थकां अध्ययन करणौ पड़ैला तदै ई आगै बधण रौ मारग प्रशस्त हो पावैला।

– साभार-'माणक'

With Best Compliments from:

HI-TECH SYSTEMS & SERVICE LTD.

White House, 119 Park Strret
Kolkata - 700 016, India

Tel : 033 2229 0045
Fax : 033 2229 1264
E-mail : info@hitech.in
Web : www.hitech.in

BRANCHES :

➢ BHUBANESHWAR ➢ CHANDIGARH ➢ CHENNAI
➢ HYDERABAD ➢ NEW DELHI
➢ MUMBAI ➢ RAIPUR ➢ VADODARA

युवा समाज का सुनहरा भविष्य - भजनका

- भेंटवार्ताः शम्भु चौधरी

श्री सज्जन भजनका

हरियाणा के बुबानी खेड़ा गाँव में ३ जून १९५२ को सज्जन भजनका जी का जन्म हुआ। जन्मदाता पिता महावीर प्रसाद भुवानीवाला (भजनका) से उनके बड़े भाई रामस्वरूपदास भजनका को जन्म के दो माह की उम्र में ही गोद में चले गए। रामस्वरूपदास भजनका जी को कोई संतान नहीं थी। दत्तक माता व पिता उनको साथ लेकर अपने तत्कालीन निवास स्थान असम के तिनसुकिया शहर में आ गये, इस शहर में रामस्वरूपदास जी का गल्ले का कारोबार था। बालकाल की कोमलता अभी शेष भी नहीं हुई थी कि साढ़े पाँच वर्ष की अल्पायु में ही सज्जन जी के दत्तक पिता श्री रामस्वरूप जी का स्वर्गवास हो गया।

पिता के असमय देहान्त ने सज्जन जी के बाल्यकाल को कठिन बना दिया। कारोबार बन्द हो गया, एकमात्र साधन भाड़े की आय था, भजनका जी की आँखों में वेदना के पल झलक पड़ते हैं, बताते हैं कि "मेरी माँ (माताजी का नाम श्रीमती लाली देवी) एक अनपढ़ एवं धार्मिक महिला थी, पिताजी की मृत्यु के पश्चात माँ ने अपने पीहर इत्यादि से कोई सम्बन्ध नहीं रखते हुए इनके लालन-पालन को ही अपना लक्ष्य बना लिया।बताते हैं कि, सीमित साधनों के बावजूद भी उनको कोई हीन भावना नहीं होने दी।"

हिन्दी इगलिस हाई स्कूल तिनसुकिया (असम) से आपने शिक्षा प्राप्त की। आप बताते हैं कि इस विद्यालय का रिजल्ट शत-प्रतिशत होता था। चौथी कक्षा से अंग्रेजी की पढ़ाई शुरू होती थी। विद्यालय का जिक आते ही आपकी बचपन की कई बातें ताजा हो गईं, बचपन के दोस्त, खेलकूद आदि-आदि, बचपन के दोस्तों में श्री विष्णु खेमानी, जो इन दिनों मद्रास रहते हैं एवं उनके साझीदार श्री संजय अग्रवाल के बड़े भाई श्री मधुकर अग्रवाल भी थे। आपने तिनसुकिया कॉलेज से बी.काम. किया।

आप बताते हैं कि उन दिनों आपके पास कोई कारोबार नहीं था। उस समय मैं भगवान से मनाता था कि "भगवान कुछ ऐसा वरदान देना कि मैं सुबह से शाम तक व्यस्त रहूँ। बस पढ़ाई के तुरन्त बाद ही भगवान ने कुछ ऐसा कर दिया, कि फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा।" बचपन से ही आप सामाजिक संस्थाओं से जुड़ते चले गए, जिनमें प्रमुख हैं- राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच, लियो क्लब, एवरग्रीन क्लब (तिनसुकिया का स्पोर्ट्स क्लब), नवयुवक संघ,राष्ट्रीय हिन्दी पुस्तकालय, आदर्श हिन्दी विद्यालय, विवेकानन्द केन्द्र आदि। सभी छोटी-बड़ी सामाजिक संस्थाओं में आप बचपन से ही भाग लेने लगे थे, जब आपके पास साधन सीमित थे तब भी, और आज भी, आपके मन में सामाजिक कार्यों के प्रति काफी रुझान देखने को मिलता है। बी.काम. करने के पहले ही आपकी सगाई और तुरत बाद ही शादी हो गई, शादी होते ही एक नई जिम्मेदारी के एहसास ने काम की तरफ मोड़ दिया, सबसे पहले खाद की एजेंसी लेकर काम शुरू किया, फिर ताऊजी के साथ मिलकर टीचेस्ट प्लाइवुड का एक कारखाना लगाया, जिसमें काफी घाटा लगा एवं उस समय तक की सारी जमा-पूँजी खतम हो गई। परन्तु हिम्मत नहीं हारते हुए पुनः अक्टूबर १९७६ में इन्होंने अपना अलग से एक छोटी-सी विनियर मिल (प्लाइवुड पते बनाने की मिल) सात हजार रुपये सालान भाड़े में लेकर नया काम शुरू कर दिया। भजनका जी साथ ही यह भी बताते हैं कि "उस समय मेरी कुल पूँजी (-५०००) थी। ८०००/- की देनदारी और जमा मात्र ७५०००/-, प्रमाणिकता से बिना समझौता किये एवं क्षति को पूरा करने का दृढ़ निर्णय ने मन को भीतर से झकझोर कर रख दिया ।"

भजनका जी की माताजी

सच है कि आज श्री भजनका जी जिस मुकाम पर आ खड़े हैं इसके पीछे है, कठिन श्रम एवं इमानदारी।

SHRISTINAGAR

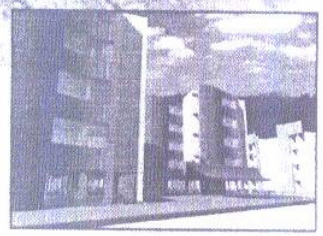

Residential Apatments
2 & 3 Bedroom Flats
Rs. 7.5 -11.25 lakhs

Bengal Shristi, the leading infrastructure development company, is building Shristinagar, the mega township at Kanyapur, Asansol.

At Shristinagar, stay at the plush residential apartments. Choose from two kinds of vaastu-perfect flats, 880 and 1315 sq. ft. in size, making perfectly cosy homes for you.

Shristinagar - the new Asansol is poised to change your life.

- Landscaping
- Decorated Divider
- Fancy Street Lights
- Club with Modern Amenities
- Children's Playground
- Neighbourhood Shopping
- Space for Primary School
- Place for Religious Congregation
- Cable Connection
- Broad Band Internet
- Wireless Telephone Lines
- Adequate Electricity
- Adequate Water Supply
- Drainage System
- Sewerage System
- Security System

BENGAL
SHRISTI

Asansol Address : Plot No. 81, Kalyanpur Link Road, Asansol 713304
Corporate Office : Bengal Shristi Infrastructure Development Limited Ganga Jamuna 28/1 Shakespeare Sarani Kolkata 700 017
Phone : 2287 8404/ 6066/ 4671/ 8398 Fax : 2287 8379 eMail : corporate@bengalshristi.com Website : www.bengalshristi.com

For Booking Call (0341) 2257160 / 9933111133 Now

श्री भजनका जी व श्री संजय अग्रवाल

सन् १९८६ में भारत सरकार ने लकड़ी पर आयात शुल्क १०० प्रतिशत से घटा कर १० प्रतिशत कर दिया, उस समय आपने कोलकाता में अपने मित्र के छोटे भाई संजय अग्रवाल के साथ पार्टनरशीप में 'सेन्चुरी प्लाई' आरम्भ की जो कि एक विशाल वटवृक्ष की तरह फैलती जा रही है। २१ साल की छोटी-सी यात्रा में 'सेन्चुरी प्लाई' ने जिस तरह से एक के बाद एक अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए रफ्तार से आगे कदम बढ़ाया है इसमें कोई दो मत नहीं कि ईश्वर की कृपा के साथ-साथ इनकी इमानदारी व निष्ठा एवं मिलनसारिता ने पराये को भी अपना बना लिया है।

जब मैंने कुछ प्रश्न किये तो उनके उत्तर देने से पूर्व अपने संस्मरण याद करते हुए बताया कि सन् १९९४ में "मैंने नववर्ष संकल्प के तौर पर धूम्रपान, जुआ, मद्यपान, पान-सुपारी, इत्यादि के पूर्ण बहिष्कार एवं प्रभात भ्रमण, आसन-प्राणायाम, आध्यात्मिक विषयों पर अध्ययन, कथा सुनना, 'सत्संग' करने का निर्णय लिया था। उनका मानना है कि सही समय पर उठाया गया सही कदम लम्बे समय तक अच्छा फल देता है।यही चिन्तन आपकी सबसे बड़ी विशेषता है। श्री भजनका जी के सामाजिक योगदानों को भुलाया जाना संभव नही है, आप वर्तमान में कोलकाता स्थित "मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी हॉस्पीटल' के अध्यक्ष के साथ-साथ वनबन्धु परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत हैं।

इसके अलावा कई संस्थानों के ट्रस्टी भी हैं, जिनमें प्रमुख है - १. हरियाणा सेवा सदन कोलकाता, २.कल्याण भारती ट्रस्ट, कोलकाता, ३. अग्रसेन हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च इंस्टीच्युट, (हावड़ा), ४. अग्रसेन शिक्षा कोष एवं तिनसुकिया इंगलिस एकाडमी, इसके अलावा भी आपका कई संस्थाओं से विशेष लगाव रहा है जिसमें अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, अखिल भारतर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन (हावड़ा), श्री कल्याण आरोग्य सदन (सिकर-राजस्थान) एवं नागरिक स्वास्थ्य संघ (कोलकाता) हैं। एक सफल व्यवसायी होने के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में सार्थक कार्य सहज नहीं है, परन्तु श्री भजनका ने इसे सम्भव कर दिखाया। समाज के युवा वर्ग पर उनका पूर्ण विश्वास है एवं उसी को वे समाज के भविष्य के सुनहरे सपनों को साकार करने का आधार बताते हैं। ●

श्रद्धांजलि :

डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी

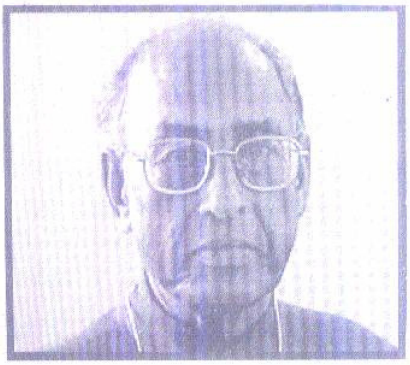

डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी ख्यातिलब्ध न्यायविद्, संविधान विशेषज्ञ, कवि, भाषाविद् एवं लेखक का जन्म ९ नवम्बर १९३१ में भारत के राजस्थान प्रांत में स्थित जोधपुर नगर में हुआ। १९६२ से १९६७ तक तीसरी लोक सभा के सदस्य श्री सिंघवी ने १९७२ से ७७ तक राजस्थान के एडवोकैट जनरल तथा अनेक वर्षों तक यूके में भारत के राजदूत पद पर कार्य किया। उन्हें १९९८ में पद्म विभूषण से अलंकृत किया गया तथा १९९९ में वे राज्य सभा के सदस्य भी चुने गए। भारतीय डायसपोरा की अनेक संस्थाओं के अध्यक्ष श्री सिंघवी ने पुस्तकों की रचना भी की है। वे कई कला तथा सांस्कृतिक संगठनों के संरक्षक भी थे। जैन इतिहास और संस्कृति के जानकार के रूप में मशहूर श्री सिंघवी ने कई पुस्तकें लिखी जिनमें कुछ हिन्दी में भी हैं। श्री सिंघवी प्रवासी भारतीयों की उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष भी रहे। विश्व भर में फैले भारतवंशियों के लिए प्रवासी भारतीय दिवस मनाने की संकल्पना डॉ. सिंघवी की ही थी। विधि और कूटनीति की कूट एवं कठिन भाषा को सरल हिन्दी में अभिव्यक्त करने में उनका कोई सानी नहीं था। विश्व हिन्दी सम्मेलन के आयोजनों में सदा उनकी अग्रणी भूमिका रहती थी। ६ अक्टूबर २००७ को दिल्ली में उनका निधन हो गया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन डॉ. सिंघवीजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है, एवं परमपिता परमेश्वर से उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करती है। ●

With Best Compliments from:

MAHABIR PETRO PRODUCTS PVT. LTD.

(MFG OF CALCINED PETROLEUM COKE & CARBON PASTE)

Regd. & H.O.

BARAUNI INDUSTRIAL AREA

P.O. TILRATH - 851122

DIST: BEGUSARAI

BIHAR

TEL: 06243 244370,244371 (O)

06343 243213, 242884 (R)

FAX: 06243 244372

EMAIL: pmaskara@vsnl.net

शत-प्रतिशत बालिका शिक्षा-समाज की प्रतिष्ठा

- रमेशकुमार बंग
अध्यक्ष, आं.प्रा.मारवाड़ी सम्मेलन

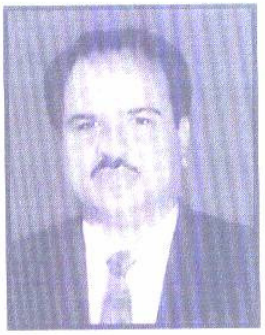

नारी हो या नर, शिक्षा सभी के लिए समान रूप से आवश्यक है। शिक्षा प्राणी मात्र को मानवीय गुणों का बोध कराती है, विवेक को जगाकर सही गति और दिशा प्रदान किया करती है। आज शिक्षा के अभाव में सुखी जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। शिक्षा आर्थिक और सामाजिक प्रगति का अवलम्ब बन चुकी है। सुव्यवस्थित, सुरक्षित, समस्या मुक्त और सुसंगठित राष्ट्रीय और सामाजिक जीवन का आधार शिक्षा ही है। जिन राष्ट्रों अथवा राष्ट्र में निवासित समाजों में शिक्षा का प्रतिशत जितना कम है, वहाँ उतनी ही अधिक समस्या है, इसके विपरीत जो शत-प्रतिशत शिक्षित हैं, वहाँ उतनी ही कम समस्याएं हैं। केन्द्रीय एवं प्रान्तीय सरकारों ने शिक्षा के महत्व को समझा है और शिक्षा प्रसार के लिए पर्याप्त उद्यम किए हैं। किन्तु अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं हो सकी है। बालकों की शिक्षा के वनिस्पत बालिकाओं की शिक्षा स्थिति आज भी चिंतनीय बनी हुई है। एक सर्वेक्षण के अनुसार पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं की संख्या १०वीं तक पहुंचते-पहुंचते मात्र २० प्रतिशत रह जाती है। सरकार के भरसक प्रयासों के बावजूद भी बालिकाओं के शिक्षा स्तर में संतोषजनक सुधार नहीं हो पा रहा है। जिसका समाधान इतर सामाजिक समस्याओं की भाँति केवल सरकारी प्रयासों द्वारा संभव नहीं है।

स्वतंत्रता के पश्चात् राजस्थानी समाज में शिक्षा के प्रति विशेष जागरूकता आयी है किन्तु बालिका शिक्षा की दृष्टि से हमारा समाज आज भी इतर प्रगतिशील समाजों की तुलना में पिछड़ा हुआ है। हम स्वतंत्रता के साठ वर्ष पश्चात् भी मध्यकालीन रूढ़िवादिता से मुक्त नहीं हो पाये हैं, यह एक कटु सत्य है। बालिका शिक्षा पर पर्याप्त ध्यान न दे पाने के कारण आज हमारा समाज अनेक सामाजिक कुरीतियों और कुप्रथाओं से त्रस्त है। भ्रूण हत्या के रूप में बालिका हत्या की क्रूरतम प्रथा जीवित है और कन्या भ्रूण हत्या ने सामाजिक संतुलन को विनाश के हद तक पहुँचा दिया है। समाज में लड़कियों की घटती संख्या ने अनेक विध्वंशकारी समस्याओं को जन्म दिया है, जिनसे हम समाचार पत्र और दृश्य-श्रव्य समाचार माध्यमों से दिन-प्रतिदिन रूबरू होते रहते हैं। आज समाज में परिवार व्यवस्था और पारिवारिक मूल्य छिन्न-भिन्न हो रहे हैं।रक्त सम्बन्ध जो कि समाज व्यवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण आधार है, वह औपचारिक स्वरूप ग्रहण करता जा रहा है, फलस्वरूप परिवार टूटते जा रहे हैं, वृद्धाश्रमों में वृद्धि हो रही है, इसका भी मूल कारण बालिका शिक्षा का पिछड़ा होना ही है। विचारणीय प्रश्न है कि जब समाज की प्रारंभिक इकाई परिवार ही संगठित नहीं रह पा रहे हैं तो संगठित समाज की कल्पना भी कैसे की जा सकती है? संक्षेप में प्रत्येक सामाजिक समस्या का प्रत्यक्ष सम्बन्ध बालिका शिक्षा के पिछड़ेपन से है। माताओं के संस्कारों, व्यवहारों और शिक्षाओं का प्रभाव बच्चों के मन-मस्तिष्क पर सबसे अधिक पड़ता है। ऐसी स्थिति में भावी माताओं अथवा बालिकाओं का सुशिक्षित होना अनिवार्य है। शिक्षित माता बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क में उन समस्त संस्कारों के बीज बो सकती है जो समाज और राष्ट्र को समस्यामुक्त कर भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सक्षम हो।

समाज को इस सच्चाई को स्वीकार करना चाहिए कि नारी का कार्य केवल वंश वृद्धि तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सारे घर-परिवार की व्यवस्था और संचालन का कार्य भी उसी का दायित्व होता है। एक शिक्षित और विकसित मन-मस्तिष्क वाली नारी अपनी आय, परिस्थिति, घर के प्रत्येक सदस्य की आवश्यकता आदि का ध्यान रखकर उचित व्यवस्था एवं संचालन कर सकती है। वह समय और स्थिति के अनुसार घर-परिवार के लिए उचित आर्थिक उपार्जन भी कर सकती है। शिक्षित नारी ही समय और स्थिति की नब्ज को पहचान कर, उसका उपयोग घर-परिवार और उसके माध्यम से पूरे सामाजिक जीवन को ऊर्जावान बनाने में महत्वपूर्ण कार्य कर सकती है।

बालिका शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखकर मैं सामाजिक संगठनों से विनम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहता हूँ कि वे अपने कार्यक्रमों में बालिका शिक्षा सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उनको सामाजिक संगठनों द्वारा सहयोग किया जाना चाहिए। समाज के संगठन जरूरतमंदों की सेवा और सहयोग में अपना शानी नहीं रखते। यदि ये संगठन अपनी पूरी शक्ति से बालिका शिक्षा कार्यक्रम को अपने हाथ में ले लेंगे तो निश्चित ही शत-प्रतिशत शिक्षित बालिका का स्वप्न साकार हो जायेगा। ●

With best compliments from

SANTOSH KUMAR JAIN
ATN INTERNATIONAL LIMITED
AASTHA BROADCASTING NETWORK LTD.

10, PRINCEP STREET, KOLKATA - 700 072
Phone no. 033-2225 6851/52
Fax no. 033-2237 9053
E-mail: info@atninternational.co.in

OPERATORS OF AASTHA,
AASTHA INTERNATIONAL & ATN WORLD
TELEVISION CHANNELS

समाज की बदलती तस्वीर

– सावरमल भीमसरिया

समाज की बदलती तस्वीर के संदर्भ में मुझे एक शायर की ये पंक्तियाँ याद आ जाती हैं-

मलबूस (पहनावा) खुशनुमा है मगर खोखले हैं जिस्म
छिलके सजे हों जैसे फलों की दुकान पर !!

आज के समाज की तस्वीर देखकर यह तय करना वाकई मुश्किल है कि कौन किस हाल में है और उसकी सोच की सही दिशा क्या है?

सम्प्रति वैश्विक स्तर पर सामाजिक, आर्थिक परिदृश्य में व्यापक बदलाव परिलक्षित हो रहा है। बदलाव की यह गति इतनी तीव्र है कि इसकी गति-प्रगति को ठीक से समझना भी मुश्किल है पर बदलावों के प्रति आकर्षण के कारण लोग बेहिचक इन बदलावों को अपना रहे हैं।

सामाजिक बदलाव की धारा में बहते लोग दिग्भ्रमित हैं। उन्हें यह पता ही नहीं कि वे किधर जा रहे हैं? क्यों जा रहे हैं? बदलाव की यह प्रक्रिया कहाँ जाकर खत्म होगी?

सामाजिक बदलाव के मद्देनजर समाज पूरी तरह दो खेमें में बँट गया है- पुरातन पंथी या परम्परावादी और आधुनिक पंथी या परिवर्तनवादी। दोनों खेमों के बीच वैचारिक मतभेद गहराता जा रहा है और अक्सर इसकी परिणति विभिन्न प्रकार के द्वंद्व के रूप में दिखाई देती है।

सम्प्रति सामाजिक बदलाव को लेकर लोगों में निरंतर चर्चा जारी है। जहाँ जाइए, जिससे बातें कीजिए वही सामाजिक बदलाव पर अपने विचार व्यक्त करने को व्यग्र है। अखबारों, पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर आलेख प्रकाशित हो रहे हैं। परिचर्चाएँ आयोजित हो रही हैं। दूरदर्शन पर रात दिन इस बदलाव के समर्थन में कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जा रही है। ऐसे में यह लाजिमी है कि हम समाज में हो रहे व्यापक बदलावों का तटस्थ होकर निरीक्षण करें और यह तय करें कि बदलाव की यह धारा हमारी अस्मिता के लिए कितना और कैसे उपयोगी हो सकती है।

सामयिक बदलावों के मद्देनजर जब हम समाज की परिस्थिति का आकलन करते हैं तो पाते हैं कि जहाँ कुछ क्षेत्रों में बदलाव का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है वहीं बहुत से क्षेत्रों में इस बदलाव के फलस्वरूप विसंगतियों की भरमार हो गई है।

वैश्वीकरण, उदारीकरण और बाजारीकरण के इस दौर में प्राचीन अवधारणाओं से चिपके रहना संभव नहीं है क्योंकि प्रतिदिन नई-नई अवधारणाएँ इतने आकर्षक तरीके से पेश की जा रही हैं कि मन का डोल जाना स्वाभाविक है। अखबार, पत्र-पत्रिकाएँ, दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों और सामाजिक सांस्कृतिक आयोजनों में नवीनता का पुट अनायास ही समझ में आता है।

यह सही है कि नई व्यवस्था ने नई पीढ़ी के सोच, कार्यविधि और व्यवहार से ही इस बात का अंदाजा लग जाता है। प्रोफेशनललिज्म एक मिशन की तरह युवा पीढ़ी को आकर्षित कर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते कदम से नई दृष्टि का विकास हो रहा है। उच्च शिक्षा और विशेषज्ञीय दक्षता को लेकर सभी सतर्क हैं।

यह गौरव का विषय है कि हमारे समाज की युवा पीढ़ी को अपनी मेधा, प्रतिभा एवं दक्षता के कारण पूरी दुनिया में सम्मान मिल रहा है। व्यापार-वाणिज्य के क्षेत्र में भी नई सोच और तकनीक का सम्मिलन परिलक्षित हो रहा है।

पर विडंबना की बात यह है कि विकास की ये समस्त धाराएँ व्यक्तिगत उत्थान तक सिमट रही हैं। सामूहिक विकास की जिस भावना के लिए हमारी परिचिति रही है उसका निदर्शन आधुनिक सभ्यता में नहीं दिख रही है। सामाजिक समरसता तो दूर अपने प्रियजनों और परिजनों तक में समरसता का अभाव है। अर्थ केन्द्रित नई सामाजिक अवधारणा ने मानसिक रूप से लोगों को इतना संकीर्ण बना दिया है कि वे अपने-पराए का ख्याल भूल चुके हैं। आर्थिक उच्छृंखलता संक्रामक रोग की तरह फैल रही है। नई पीढ़ी इतना बेपरवाह है कि उसे पारिवारिक, सामाजिक मर्यादा की फिक्र ही नहीं है। वह अपने अधिकारों के प्रति तो सचेत है पर कर्तव्यों के प्रति लापरवाह। इससे सामाजिक संतुलन बिगड़ रहा है। कुरीतियों, कुसंस्कारों और कुप्रथाओं का जाल तेजी से विस्तृत हो रहा है।

कभी अकबर इलाहाबादी ने शिक्षण पद्धति पर व्यंग्य कसते हुए कहा था-

हम ऐसी कुल किताबें काबिले-जब्ती समझते है
कि उनको पढ़के बच्चे बाप को खब्ती समझते हैं।

आज का यथार्थ यही है कि आधुनिक सुशिक्षित चमक-दमक से लवरेज पीढ़ी पुरानी पीढ़ी को आउट डेटेड मानती है और उसकी बातों को हँसी में उड़ा देने को अपनी शान। यही सामाजिक द्वंद्व का मूल कारण बन रहा है।

नवीनता को अपनाना अच्छी बात है लेकिन इस सावधानी से कि वह हमारी विरासत को तहस-नहस न कर दे तभी इसकी सार्थकता है। सामाजिक मूल्य और आदर्श, जो सदियों से हमें सभ्य होने का प्रमाण देते रहे हैं, उनकी अहमियत को बनाये रखना आज एक चुनौती है।

With Best Compliments from :

PAWAN BHIMSARIA

EXCEL MOVERS PRIVATE LIMITED

A Country Wide Fleet Owners & Transport Contractors

H.O. : 2–B, TARACHAND DUTTA STREET
KOLKATA-700 073

PHONE : 2863-0333, 2863-0716, 2221-8149
FAX : 2235-1626
MOBILE : 98310 35555 / 81555/75555
E-MAIL : info@excelmovers.com

BEI 'TRANSFORMERS

Raja rangbali electrical industries (india) Private Limited
134/4, Mahatma Gandhi Road, Kolkata-700 007
Phones : 2269-9734, 2269-8826
Tele Fax : 91-033-22699734

Manufacturers of :

Power Distribution, Dry Type and Special Type Transformers.
Transformers tested & passed at C.P.R.I., Bangalore for Short Ciruit Current and at Jadavpur University for impulsive Voltage withstand Test.

आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

कार्य-विवरण

आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गणना देश के सक्रिय प्रान्तीय सम्मेलनों में की जाती है। सामाजिक क्षेत्रों में आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने सदैव अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभायी है और वर्तमान में भी निभा रहा है।

समय-समय पर विचार गोष्ठियों का आयोजन, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण एवं संवर्धन, स्थानीय समाज के साथ समरसतापूर्ण सम्बन्धों की स्थापना, जनसामान्य की सेवा, शिक्षा सहायता और साहित्य संवर्धन आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के क्रियाकलापों के केन्द्र में रहे हैं। यहाँ पर सम्मेलन का संक्षिप्त कार्य-विवरण प्रस्तुत है :-

२१ नवम्बर २००५ को सम्मेलन की बैठक अध्यक्ष श्री रमेशकुमार बंग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर की ओर से किए गए आग्रह पर हैदराबाद में अखिल भारतीय राजस्थानी समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

२४ से २६ दिसम्बर २००५ तक हैदराबाद में अखिल भारतीय राजस्थानी समारोह आयोजित किया गया, जिसके उद्घाटन समारोह में राजस्थान के शिक्षामंत्री श्री घनश्याम तिवाड़ी मुख्य अतिथि के रूप में एवं राज्यसभा सदस्य श्री गिरीशकुमार संघी विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस समारोह में राजस्थानी भाषा को संविधान की ८वीं अनुसूची में सम्मिलित करवाने का संकल्प दोहराया गया। समापन समारोह में राजस्थान विधासभा की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं।

२२ जनवरी २००६ को सम्मेलन द्वारा नगर पधारे केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री नमोनारायण मीणा का अभिनन्दन किया गया।

१४ जून, २००६ को महाराष्ट्र प्रदेश मारवाड़ी समेलन के अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र विधान सभा के विधायक श्री रमेशचन्द्र बंग का प्रान्तीय सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेशकुमार बंग के नेतृत्व में अभिनन्दन किया गया।

१७ जुलाई २००६ को सम्मेलन द्वारा स्थापित आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी शिक्षा कोष ट्रस्ट द्वारा स्कूल के जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित की गई।

२२ अगस्त २००६ को जरूरतमंद विद्यार्थियों में स्कूल बैग वितरित किए गए।

२० सितम्बर २००६ को कॉलेज स्तर के छात्र-छात्राओं को नगद छात्रवृत्ति वितरित की गई।

२४ अक्टूबर २००६ को कार्यकारिणी समिति की बैठक जिसमें गत वर्ष के आय-व्यय विवरण को स्वीकृति प्रदान की गई। अध्यक्ष जी ने जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को सम्मेलन की ओर से शिक्षा सहायता उपलब्ध करवाने का सुझाव दिया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सम्मेलन के ७२वें स्थापना दिवस पर जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री एवं स्कूली यूनीफार्म वितरित किए जायें। इसके साथ-साथ प्रान्तीय सम्मेलन के सांगठनिक ढाँचे को मजबूत करने के बारे में विचार-विमर्श किया गया।

२३ दिसम्बर २००६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ७२वें स्थापना दिवस समारोह पर जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को गणवेश वितरित किए गए।

२४ जनवरी २००७ को मध्य प्रदेश विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री दीपक जोशी के नगरागमन पर स्वागत किया गया।

२६ जनवरी २००७ को सम्मेलन द्वारा गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया और बच्चों एवं स्थानीय जनों में मिठाइयाँ वितरित की गई।

४ मार्च २००७ को सम्मेलन के अध्यक्ष रमेशकुमार बंग के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने असहाय और बेसहारा लोगों के साथ होली मनायी और उन्हें मिठाइयाँ वितरित की।

१३ मार्च २००७ को कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सम्मेलन की सदस्य संख्या वृद्धि और भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। जून से प्रारम्भ होने वाले नवीन शिक्षा सत्र में व्यापक स्तर पर समाज के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षा सहयोग प्रादान करने का निर्णय लिया गया।

२६ जून २००७ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री श्री रविन्द्र कुमार लड़िया के नगरागमन पर सम्मेलन द्वारा स्वागत समारोह आयोजित किया गया।

आन्ध्र प्रादेशिक जारी.....

आन्ध्र प्रादेशिक जारी.....

३० जून २००७ को सरकारी विद्यालयों में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया।

३ जुलाई २००७ को जरूरतमंद छात्र-छात्राओं में विद्यालय गणवेश वितरित किए गए।

६ जुलाई२००७ को गरीब छात्र-छात्राओं को कापियाँ, पैन एवं पेंसिल वितरित की गई।

१८ जुलाई, २००७ को सी.आई.टी.डी. द्वारा उच्च गुणवत्तापूर्ण उत्पाद के लिए 'क्वालिटी अचीवमेंट' अवार्ड से पुरस्कृत किए जाने पर नगरद्वय के सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री कन्हैयालाल लोहिया का सम्मेलन की ओर से अभिनन्दन किया गया।

१७ अगस्त, २००७ को कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्मेलन के इडेनबाग स्थित कार्यालय पर अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक में गत वर्ष के आय-व्यय को स्वीकृति प्रदान की गयी। बैठक में सम्मेलन की भावी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज की समसामयिक समस्याओं और उनके निराकरण के उपायों को लेखों, करपत्रों एवं प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से जनसामान्य तक पहुँचाया जाय, जिससे कि समाज में एक आदर्श वातावरण का निर्माण हो। इसके साथ-साथ मारवाड़ी समाज की एकता पर विशेष बल दिया गया और निर्णय लिया गया कि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ अर्जित करने वाली प्रतिभाओं का सम्मेलन की ओर से अभिनन्दन किया जाय, जिससे कि अन्य छिपी हुई प्रतिभाएँ भी प्रेरणा प्राप्त कर आगे आएँ।

१७ अगस्त, २००७ को सरकारी विद्यालय के छात्र-छात्राओं में स्कूल यूनीफार्म वितरित किए गए।

२५ अगस्त, २००७ को महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तर के जरूरतमंद ८५ छात्र-छात्राओं को शिक्षा कोष ट्रस्ट द्वारा छात्रवृत्ति वितरित की गई।

१४ नवम्बर २००७ को पूर्ण आस्था एवं श्रद्धाभाव से हिन्दी दिवस समारोह मनाया गया और इस अवसर पर विचार-गोष्ठिक का आयोजन भी किया गया।

इनके अतिरिक्त भी सम्मेलन द्वारा विभिन्न उत्सवों एवं पर्वो पर अन्नदान, वस्त्रदान आदि विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके द्वारा स्थानीय समाज के मन में मारवाड़ी समाज के प्रति श्रद्धा आस्था और सम्मान भाव में वृद्धि हुई।

....

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

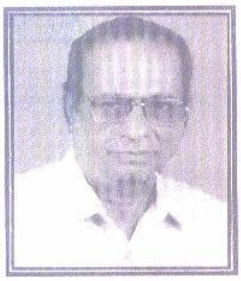

एक रिपोर्ट

दिनांक:२०.१०.२००७ महादशमी के दिन सम्मेलन द्वारा पहली बार कोलकाता एवं हावड़ा के सार्वजनिक दुर्गोत्सव कमेटी के पूजा पंडालों को सम्मानित किया गया।

रामगोपाल बागला, महामंत्री

जिसमें मछुआ फलपट्टी के सार्वजनिक क्लब के पंडाल व वेलिंगटन स्क्वायर सार्वजनिक पूजा कमेटी को बेस्ट थीम व उत्तर हावड़ा के अग्रदूत क्लब पूजा के पंडाल हेतु प्रथम ट्रोफी आदि देकर सम्मानित किया गया।

२७.१०.२००७ को होटल रॉक मे नयी कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। जिसमें काफी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में नवम् अधिवेशन की रिपोर्ट संयोजक विश्वनाथ सराफ एवं विश्वनाथ भुवालका ने रखी। खर्च का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया । कुल वार्षिक खर्च एक लाख बीस हजार रुपये के लगभग रखा गया जिसे सदस्यों ने स्वीकृति दी।

१० नवम्बर २००७ को महाजाति सदन के एनेक्सी हॉल में दीपावली प्रीति सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्री मामराज अग्रवाल ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। सम्मेलन सदस्यों के अलावा काफी संख्या में महिलाएं एवं बच्चों ने भाग लिया। सदस्यों के परिवार के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन किया गया।

७ नवम्बर २००७ को सदस्यों के बीच दीपावली उपहार कूपन ड्रा का आयोजन पहली बार किया गया जिसमें काफी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया।

२५ नवम्बर २००७ को सम्मेलन के पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से मारवाड़ी समाज के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार देने के लिए पहल करने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन के पदाधिकारी इस काम में जुट गये हैं।

१ दिसम्बर २००७ को होटल रॉक्स में कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई जिसमें भावी कार्यक्रम पर विचार किया गया।

....

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन : एक संक्षिप्त रिपोर्ट

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा जनसेवा, राजनैतिक चेतना, समाज सुधार, सामाजिक सुरक्षा तथा प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य आदि किये जा रहे हैं तथा इसकी विभिन्न शाखाओं द्वारा भी विभिन्न कार्यक्रम संपादित किये जा रहे हैं। पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रदेश में हिन्दी भाषियों पर समय-समय पर हुए अत्याचारों एवं उनकी निर्मम हत्याओं का पुरजोर विरोध किया जाता रहा है तथा राज्य सरकार को स्मार-पत्रों द्वारा इन पर त्वरित कार्रवाई पर मांग की गई है। इस संदर्भ में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री तरुण गोगोई से भी मुलाकार कर स्मार पत्र सौंपा गया तथा सभी राजनैतिक दलों को एक साथ बैठकर इन घटनाओं के समाधान की दिशा में चिंतन हेतु भी अनुरोध किया गया।

१५ जुलाई २००७ को पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन गुवाहाटी में किया गया जिसमें पूरे प्रान्त से मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ताओं ने शिरकत की तथा सभी ने एक मत से स्वीकार किया कि आज समाज के लोगों को राजनीति में सक्रिय रूप से आना नितान्त जरूरी है। सभा ने एक प्रस्ताव पारित कर समाज के बंधुओं को राजनीति में आगे आने का आह्वान करते हुए मत तालिका में अपना नाम दर्ज करवाना, मताधिकार का प्रयोग करना, राजनीतिक कार्यकर्ताओं को तन-मन-धन से सहायता करना व प्रोत्साहन देना तथा महिलाओं को भी जागृत करने का आह्वान किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा पारित वैवाहिक आचार संहिता का सम्मेलन समाचार एवं पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन की विभिन्न शाखाओं द्वारा जोर-शोर से प्रचार-प्रसार किया गया जिससे इस शुभ मांगलिक आयोजन में व्याप्त अनियमितताओं पर कुछ हद तक नियंत्रण हो सके।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अधिक से अधिक सदस्य बनाने हेतु सम्मेलन समाचार एवं शाखाओं द्वारा सदस्यता अभियान जारी।

टी.वी.चैलन 'स्टारप्लस' द्वारा साईंबाबा नामक हिन्दी धारावाहिक में मारवाड़ी शब्द को एक अपशब्द एवं गाली की तरह प्रयोग करते हुए इसका दुरुपयोग करने पर स्टार टी.वी. के प्रबंधक को पत्र द्वारा एवं सम्मेलन समाचार एवं विभिन्न हिन्दी दैनिकों के माध्यम से विरोध प्रदर्शन।

इसके अलावा प्रादेशिक पदाधिकारियों द्वारा समय-समय पर विभिन्न शाखाओं का दौरा, शाखाओं का पुनर्गठन आदि किये जा रहे हैं।

सम्मेलन समाचार का पिछले दो वर्षों से नियमित प्रकाशन हो रहा है और यह पूर्वोत्तर के चार हजार पाँच परिवारों में प्रेषित हो रही हैं।

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन की विभिन्न शाखाओं द्वारा जनसेवा, समाज सुधार, सांस्कृतिक, बौद्धिक के कार्यक्रम एवं सामाजिक त्यौहारों जैसे दीपावली, होली आदि पर मिलन समारोह, राहत कार्य आदि किये जा रहे हैं।

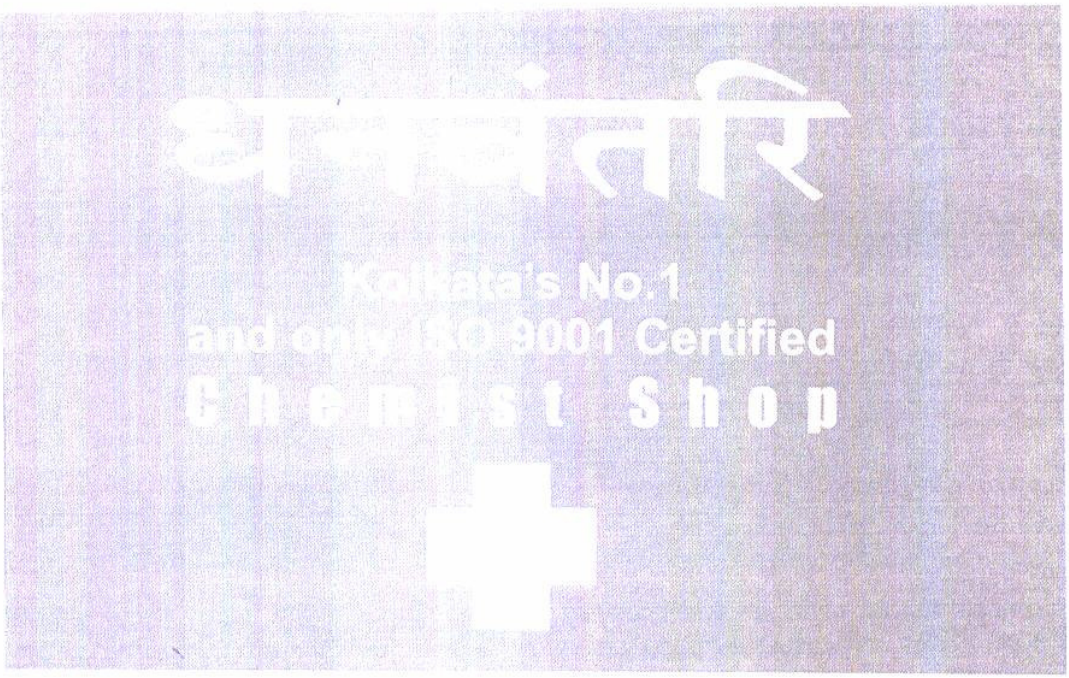

धनवंतरि

Kolkata's No.1
and only ISO 9001 Certified
Chemist Shop

क्या आप [illegible] हृदय रोग से पिड़ित हैं?
क्या आपको [illegible] समय पर एवं सही मिलती है?
क्या [illegible] घर बैठे डिलीवरी चाहिये?
अगर हाँ [illegible] NTARY SANJEEVANI CLUB
[illegible] सदस्यता लें।

Dhanwantary

Chemists Shoppe
Alipore : 93310 18618 Bhawanipore : 98305 84845
Hazra : [illegible] Gariahat : 98302 84845
Khidderpore : 2449 3734 Neotia Hospital : 2281 7833
Sealdah : 98308 84845

धनवंतरि से नाता जोड़ें सुखमय जीवन बीतायें

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

राजनैतिक चेतना एवं साझीदारी समय की मांग

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, बिहार मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन का पटना में उद्घाटन भाषण करते हुए। उनके दायें से बिहार उपाध्यक्ष श्री बादलचन्द अग्रवाल, प.बंगाल अध्यक्ष विश्वनाथ सुलतानिया, रविन्द्र अग्रवाल, संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री अरूण गुप्ता, राजनैतिक मंत्री रामगोपाल ड्रोलिया।

बिहार सरकार के पूर्व वित्त मंत्री श्री शंकर प्रसाद टेकड़ीवाल राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए। उनके बायें हैं श्री मोहनलाल अग्रवाल, विधायक, राष्ट्रीय महामंत्री राम अवतार पोद्दार एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हरिप्रसाद कानोड़िया।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा १६ दिसम्बर २००७ को पटना के शगुन हॉल में आयोजित मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन में वक्ताओं ने राजनैतिक चेतना एवं भागीदारी को समय की जरूरत बताते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के इस प्रयास की प्रशंसा की एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा के दिये गये नारे ''कोषाध्यक्ष नहीं अध्यक्ष बनो'' को प्रेरक बताया।

बिहार के पूर्व वित्त मंत्री श्री शंकर प्रसाद टेकड़ीवाल ने मुख्य अतिथि के पद से बोलते हुए राजनैतिक सक्रियता की चर्चा की एवं स्थानीय व्यक्तियों के साथ मिलकर राजनीति के माध्यम से राज्य एवं देश की सेवा करने का आह्वान किया। विधायक श्री मोहनलाल अग्रवाल ने अपने राजनैतिक जीवन के उतार-चढ़ाव के विषय में बताते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज अपनी सेवा भावन से राजनीति में एक स्थान प्राप्त कर राज्य के विकास में योगदान दे सकता है।

आरम्भ में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर राजनैतिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन सम्बोधन में श्री शर्मा ने कहा कि मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलनों के माध्यम से हम समाज में राजनैतिक चेतना एवं जागरुकता विकसित करना चाहते हैं। इसके अन्तर्गत सम्मेलन चाहता है कि समाज के सभी वयस्क वोटर बने एवं चुनाव में मतदान में हिस्सा ले। समाज के जो व्यक्ति राजनीति में रुचि रखते हों वे अपनी राजनैतिक सोच एवं नीति के अनुसार राजनैतिक दलों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए राज्य एवं देश के विकास में योगदान करे। श्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि हमारा उद्देश्य कतई अलग राजनैतिक दल बनाना या जातिगत राजनीति का नहीं है। हमारा विश्वास है कि मारवाड़ी समाज अपनी सेवा भावना एवं व्यवसायिक कुशलता के चलते ईमानदारी एवं बेहतर ढंग से राष्ट्र की सेवा कर सकेगा। विभिन्न प्रान्तों में राजनैतिक सम्मेलन आयोजित किये गये हैं जिसमें समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। एक राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में सम्मेलन का कार्यक्रम है।

बैठक में बड़ी संख्या में पूर्व मंत्री, विधायक, पार्षद, जिला एवं पंचायत एवं वार्ड कमिश्नर आदि उपस्थित थे। प्रान्तीय

INDIA'S LARGEST EQUIPMENT RENTAL COMPANY

is a brand name of QUIPO INFRASTRUCTURE EQUIPMENT LTD. is a pioneer in renting out state-of-the-art Infrastructure Equipment across all region of the country. Quipo provides Infrastructure/ Construction Equipment to sectors including, Road construction, Infrastructure development, Oil & Gas, Mining, Power, Irrigation, Port development, etc.

With the credo to provide its customers with the best, Quipo offers various value added services such as skilled manpower for efficient operations, on-site repair & maintenance facilities for uninterrupted services on 24x7 basis.

In order to cater to the meticulous of the customers, it also provides tailor made solutions that empower their core competencies and minimize the risks, which in turn augments profitability.

With more than century of satisfied customers, ever increasing Equipment fleet, skilled manpower, spreads across various yards in all zones in India, Quipo has been synonymous with flexibility, operational excellence & true satisfaction.

CORPORATE OFFICE:
New Delhi
Quipo Infrastructure Equipment Ltd.
B-2, Southern Park, Saket Place,
Saket, New Delhi-110017
Ph : +91-11-30615600
Fax. +91-11-30615699
Mob +91-9873104444
E-mail: sales@quipoworld.com
Website: www.quipoworld.com

REGIONAL OFFICES:

Gurgaon
Old Delhi-Jaipur Road
Opp PASCO Automobiles
Near Maruti Udyog
Gurgaon - 122002, Haryana
Ph: +91-124-2347498,
3293201/3293202
Telefax No. +91-124-234 7715

Hyderabad
NAC Infrastructure Equipment Ltd
NAC Campus, Izzat Nagar
Kondapur, Cyberabad,
Hyderabad - 500 032
Ph: +91-40-23113661/
23113662

Bangalore
NAC Infrastructure Equipment Ltd.
No 52, Vittal Mallya Road
Bangalore - 560 001
Ph. +91-80-30584319
Fax No. : +91-80-30584318

Kolkata
Trinity Plaza
84/1A
Topsia Road (South)
Kolkata - 700046
Ph: +91-33-39887734
Fax No : +91-33-22850167

Mumbai
Nishuni
75, Dr Annie Besant Road
Worli,
Mumbai - 400018
Ph +91-22-30415600
Fax No : +91-22-24973709

Ahmedabad
510, Atma House
Opposite Old RBI,
Ashram Road,
Ahmedabad-380009
Ph: +91-79-30072100
Fax No : +91-79-26586634

www.quipoplc.com

श्रीमती सरिता अग्रवाल, गोपालगंज नगर परिषद उपाध्यक्ष ने कहा चुनाव में समाज ने मेरा पूरा साथ दिया ।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के मंत्री श्री विनोद तोदी स्वागत भाषण देते हुए।

अध्यक्ष श्री बादलचन्द अग्रवाल ने सभा की अध्यक्षता की। प्रान्तीय मंत्री श्री विनोद तोदी ने स्वागत भाषण दिया। बैठक के विषय का प्रवर्तन सम्मेलन के राजनैतिक मंत्री श्री रामगोपाल डोलिया, जो बहुजन समाज पार्टी से सम्बन्धित हैं ने किया। कार्यक्रम का संचालन महेश जालान ने किया। समापन वक्तव्य प्रान्तीय सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री रामपाल अग्रवाल 'नूतन' द्वारा किया गया। संयोजक श्री रविन्द्र अग्रवाल ने कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारी - महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, संयुक्त महामंत्री अरूण गुप्ता सहित कई प्रान्तीय अध्यक्ष, मंत्री, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आदि उपस्थित थे।

वक्ताओं ने जो विभिन्न राजनैतिक दलों से सम्बन्धित थे ने महत्वपूर्ण वक्तव्य प्रस्तुत किये-- जिनमें प्रमुख थे- श्री सुशील कुमार सुरेका, दलसिंह सराय नगर पंचायत अध्यक्ष, श्रीमती सरिता अग्रवाल, नगर परिषद उपाध्यक्ष गोपालगंज, नारायण प्रसाद अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष बिहार एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोकदल, श्री संदीपकुमार केडिया (भाजपा) गया, श्री श्याम बिहारी टिबड़ेवाल (सग्रामपुर) श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया, पूर्व अध्यक्ष झारखंड आदि।

बिहार विधान परिषद के सदस्य श्री मोहनलाल अग्रवाल राजनैतिक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा पटना में १६ दिसम्बर को संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए। बिहार समेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री रामपाल अग्रवाल 'नूतन' एवं राष्ट्रीय महामंत्री राम अवतार पोद्दार साथ में।

मारवाड़ी समाज अपने मताधिकार का प्रयोग करे : सीताराम

इस कार्यक्रम को संबोधित करते सीताराम सिंह व अन्य

हिन्दुस्तान ... 17 दिसम्बर 2007

नव बिहार

मारवाड़ी सम्मेलन में अध्यक्षों ने पेश की रपट

संवाददाता
पटना

मारवाड़ी सम्मेलन प्रेस कांफ्रेंस

मारवाड़ी सम्मेलन का एक दृश्य

आज

पटना, सोमवार, १७ दिसम्बर, २००७

राजनीति चेतना जाग्रत करना मारवाड़ी सम्मेलन का उद्देश्य: सीताराम

(आज समाचार सेवा)

महिलाओं को पर्दा से बाहर लाया जाए : मारवाड़ी समाज

राष्ट्रीय सहारा, पटना, सोमवार, 17 दिसम्बर 2007

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने १६ दिसम्बर २००७ पटना में एक संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित किया - एक रपट

अखिल भारतीय समिति की बैठक (१६ दिसम्बर) पटना
विवाहों में बढ़ते दिखावे एवं आडम्बर पर क्षोभ एवं चिन्ता
"मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की"

महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार अखिल भारतीय समिति की बैठक में रपट प्रस्तुत करते हुए। बायें से दायें- बिहार के पूर्व अध्यक्ष श्री कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला, राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हरिप्रसाद कानोड़िया, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अरूण गुप्ता, प. बंगाल अध्यक्ष विशनाथ सुलतानिया एवं झारखंड अध्यक्ष भागचन्द पोद्दार।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवगठित अखिल भारतीय समिति की प्रथम बैठक बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में १६ दिसम्बर २००७ को पटना के शगुन हॉल में सम्पन्न हुआ।

वक्ताओं ने विवाहों में बढ़ते दिखावे एवं आडम्बर पर "मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की" कहते हुए इस प्रवृति पर गहरा क्षोभ एवं चिन्ता व्यक्त की। अखिल भारतीय समिति जो सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति है एवं सम्मेलन के कार्यक्रमों को भावी दिशा-निर्देश देती है, की बैठक में वक्ताओं ने जहाँ एक तरफ नये प्रान्तीय सम्मेलनों—छत्तीसगढ़, दिल्ली की स्थापना एवं गुजरात तथा कर्नाटक में किये जा रहे प्रयासों की, राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन, चिन्तन शिविर, उच्च शिक्षा कोषा, एवं उद्यमी प्रशिक्षण जैसे नये एवं अनूठे कार्यक्रमों को हाथ में लेने की प्रशंसा की, वहीं समाज सुधार के क्षेत्र में विशेषकर विवाहों में बढ़ते दिखावे एवं आडम्बर पर क्षोभ एवं चिन्ता व्यक्त की।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने स्वयं प्रथम इस पर अपनी चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि हमें वैवाहिक अचार संहिता को लागू कराने में आशातीत सफलता नहीं मिली है एवं पिछले वर्षों में विवाह-शादियों में दिखावा, आडम्बर एवं फिजूलखर्ची बेतहाशा बढ़ी है। श्री शर्मा ने कहा कि चिन्तन शिविर का निर्णय था कि हम आन्दोलन एवं प्रदर्शन का रास्ता नहीं अपनाएँगे, हालांकि इस पर कुछ सदस्यों का, यह कहते हुए- कि "भय बिन होय न प्रीत" भिन्न मत था। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समिति के सदस्यों से इस प्रवृत्ति के रोकने एवं गिरते सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के निराकरणों के लिये ठोस एवं व्यावहारिक सुझाव आमंत्रित किये।

वक्ताओं ने विभिन्न विचार रखे। कहा गया कि युवक एवं युवतियां तथा महिलाएँ इस विषय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आन्दोलन एवं प्रदर्शन का रास्ता अपनाने का सुझाव दिया गया। ऐसे विवाहों के 'बायकाट' की बात भी उठी। कथनी-करनी एक हो। सम्मेलन के पदाधिकारी एवं सदस्य स्वयं अपने ऊपर इस आचार संहिता को प्रथम लागू करें। दिन के विवाह को प्रोत्साहित किया जाये। यह परिवर्तन युवाओं द्वारा ही सम्पन्न हो, वे अपने विवाहों में इस दिखावे का विरोध करे। विवाहों में शराब एवं मांस परोसने के विरुद्ध आन्दोलन हो।

निराशा के स्वर भी उभरे। समाज का भय समाप्त हो गया

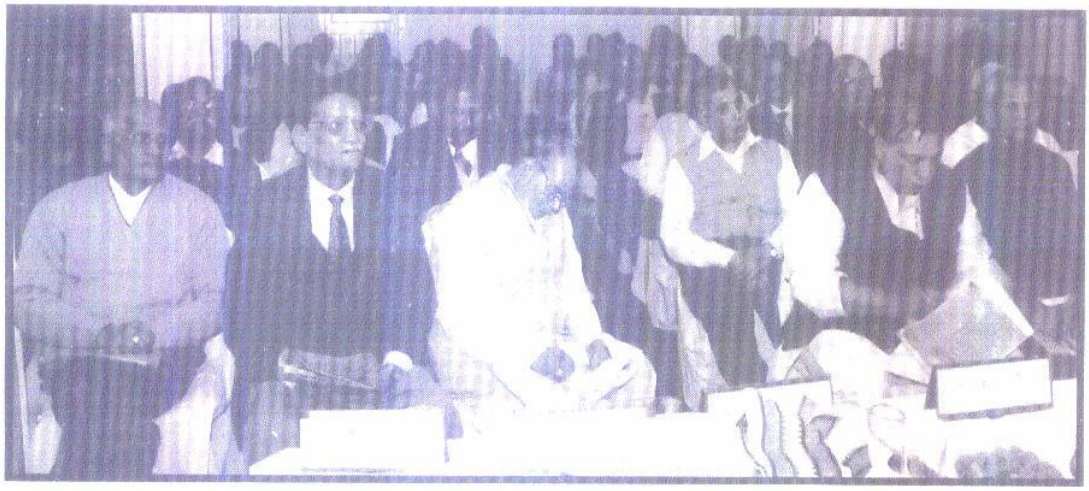

अखिल भारतीय समिति की बैठक में उपस्थित सदस्य।

है कौन किसकी सुनता है। सम्मेलन की बात कौन सुनेगा। पैसे की माया है, धनी जो चाहे कर सकता है। चाहते सभी हैं लेकिन बिल्ली के गले कौन घण्टी बाँधे आदि आदि।

यह निर्णय लिया गया कि विभिन्न सुझावों के आधार पर सम्मेलन राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय स्तर पर बढ़ते दिखावे एवं आडम्बर पर अंकुश लगाने के लिए हर संभव प्रयास करे।

आरम्भ में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के मंत्री श्री विनोद तोदी ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार ने गत बैठक की कार्यवाही प्रस्तुत की जिसे पारित किया गया। महामंत्री श्री पोद्दार ने अपनी रपट प्रस्तुत करते हुए पिछले १२ महीनों की प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी।

विभिन्न प्रान्तीय सम्मेलनों की सांगठनिक स्थिति पर चर्चा का आरम्भ बिहार प्रान्त के मंत्री श्री विनोद तोद की रपट से हुआ जिसमें उन्होंने प्रांत की विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। श्री तोदी ने कहा कि मुंगेर अधिवेशन के उपरान्त लगातार कार्यकारिणी आदि की बैठक आयोजित की गई है एवं जिनमें बेहतर उपस्थिति रही है। शिक्षा समिति, चिकित्सा समिति सुचारू रूप से काम कर रही है। १५३ शाखाएँ है। ५७०० पत्र प्रेषित किये गये हैं एवं १०० नये आजीवन एवं वंशानुगत सदस्य बनाने का कार्यक्रम है। झारखंड प्रान्त के अध्यक्ष श्री भागचन्द पोद्दार ने कहा कि २०० नये सदस्य बनाने का कार्यक्रम हाथ में लिया गया है। आगामी ५-६ जनवरी २००८ को झारखंड के तृतीय अधिवेशन का आयोजन राँची में किया जा रहा है। उन्होंने सभी को आमंत्रित किया। श्री पोद्दार ने बिहार-झारखंड के बीच कोष के विभाजन का प्रश्न भी उठाया।

झारखंड प्रान्त के पूर्व अध्यक्ष श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया ने भी कोष के विभाजन के प्रश्न को, जो वर्षों से उठाया जा रहा है पर निर्णय की मांग की। श्री विनोद तोदी ने इस प्रश्न पर असहमति व्यक्त करते हुए कुछ दस्तावेज पढ़ कर सुनाये। श्री पोद्दार ने कहा कि वे सिर्फ चाहते हैं कि इस विषय पर एक निर्णय लिया जाये। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शर्मा से अनुरोध किया कि वे सभी बातों पर विचार कर इस सम्बन्ध में निर्णय दें।

पश्चिम बंगाल के नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री विश्वनाथ सुलतानिया ने वैवाहिक समन्वय, दीपावली-होली, विकलांग आदि कार्यक्रमों की अपनी रपट में चर्चा की। उन्होंने इस बात पर दुःख व्यक्त किया कि सम्मेलन के एक पदाधिकारी द्वारा दायर कई कोर्ट केस के चलते पश्चिम बंगाल सम्मेलन कोर्ट-कचहरी में उलझा हुआ है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से इस विषय में पहल करने एवं सम्बन्धित व्यक्ति के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की मांग की। पूर्व अध्यक्ष श्री लोकनाथ डोकानिया ने भी इस प्रवृत्ति पर दुःख व्यक्त किया।

जिन्होंने चर्चा में भाग लिया उनमें प्रमुख थे-- सर्वश्री गोविन्दप्रसाद डालमिया, भागचन्द पोद्दार, विश्वनाथ सुलतानिया, रामपाल अग्रवाल 'नूतन', प्रदीप बजाज, रामगोपाल पोद्दार, राजकुमार डोकानिया, लोकनाथ डोकानिया, धरतीपकड़, किशोरीलाल अग्रवाल, रामगोपाल ड्रोलिया, श्याम सुन्दर सराफ, बद्रीप्रसाद भीमसरिया, राजीव केजड़ीवाल, कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला, महेश जालान, सुशील कुमार सुरेका, रविन्द्र अग्रवाल, नारायण प्रसाद अग्रवाल, हरिप्रसाद कानोड़िया, अरूण गुप्ता, श्रीमती पुष्पा चोपड़ा आदि।

बिहार प्रान्त के पूर्व अध्यक्ष श्री कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला ने मेजबान प्रांत का प्रतिनिधित्व किया। मंत्री श्री विनोद तोदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया एवं इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा को एक स्मृति-चिन्ह प्रदान किया। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा की गयी सुव्यवस्था, मेजबानी एवं स्वागत की सम्मेलन सभापति ने प्रशंसा की एवं धन्यवाद दिया। ●

संयुक्त परिवार बनाम एकल परिवार

- विजय कुमार मंगलूनिया

अपने देश में इन दिनों एकल परिवार ही अधिक नजर आ रहे हैं। कभी कहीं दूर आजीविका पाने की मजबूरी इसका कारण होती है तो कभी अपनों की बातें हस्तक्षेप नजर आने के कारण लोग अलग परिवार बसा लेते हैं। एकल परिवारों में भले ही मनपसंद जीवन जीने की स्वतंत्रता हासिल हो जाती हो पर पर इन परिवारों में रिश्तों की पहचान खत्म हो जाती है।

एकल परिवार के बच्चे रिश्तों के अहसास को नहीं पहचान पाते। उन्हें नहीं पता होता कि दादा-दादी का प्यार कैसा होता है और यह माता-पिता के प्यार की मिठास से कुछ अलग होता है। माता-पिता की डांट खाने के बाद दादी के आँचल में छुपना या दादा की अंगुलियाँ पकड़ क जीवन में आगे बढ़ना बाल्यावस्था को कैसा संरक्षण देता है। बुआ का लाड़ और बुआ से तकरार, इन खट्टे-मीठे अनुभव को जाने बिना रिश्तों को पहचानना मुश्किल होता है। इसी प्रकार ताऊ-ताई, चाचा-चाची या अन्य रिश्ते क्या होते हैं, इससे भी बच्चे वाकिफ नहीं हो पाते।

एकल परिवार की स्थिति तब और भी सोचनीय हो जाती है जब परिवार में माता-पिता दोनों नौकरी-पेशा हों। ऐसी स्थिति में बच्चों को उनका प्यार भी नाप-तौल कर मिलता है। उदारीकण और निजी कंपनियों के इस दौर में अधिकांश नौकरी-पेशा अभिभावक सुबह सबेरे घर से निकलते हैं तो देर शाम बाद ही वापस घर की ओर रुख कर पाते हैं। ऐसे में स्कूल से लौटने के बाद बच्चों को दिन भर की बातें सुनाने के लिए कोई प्यार भरी गोद नहीं मिलती। वे नौकरों या आया के भरोसे रहते हैं या फिर टी.वी. और कम्प्यूटर पर आँखें गड़ाए चुपचाप अभिभावकों के लौटने का इंतजार करते हैं। ऐसे बच्चों के व्यक्तित्व का समुचित विकास नहीं हो पाता। उनमें संस्कारों का विकास नहीं हो पाता। कई बार तो वे समाज विरोधी हरकतें भी करने लगते हैं।

दूसरी तरफ संयुक्त परिवार में माता-पिता अगर काम से न भी लौटें तो स्कूल से लौटे बच्चों को मनुहार से खिलाने वाले कई-कई लोग होते हैं। दादी, बुआ, ताई, चाची सभी को चिंता रहती है कि उसने कपड़े बदले या नहीं। आज बच्चों के स्कूल में क्या हुआ, यह दिलचस्पी से सुनने वालों में बड़ों की दुनिया के अलावा उनके हमउम्र चचेरे-फुफेरे बच्चों की भी फौज होती है। फिर घर में सन्नाटा या टी. वी. की आवाज नहीं बल्कि बच्चों की किलकारियाँ गूंजती हैं। हमउम्र बच्चों और दादा-दादी, चाचा-चाची के कारण बच्चों को जीवन की सही राह और सही सलाह भी सहजता से उपलब्ध हो जाती है और वे राह भटकने से भी बच जाते हैं।

कई बार बच्चे माता-पिता को दिल की बात नहीं बता पाते वे दादा-दादी या चाचा-चाची के साथ खुल जाते हैं। ऐसे में उन्हें घर पर ही ऐसा साथी मिल जाता है, जो उलझन के दौर में सही सलाह दे। संयुक्त परिवार एक ऐसी पाठशाला है जिसमें बच्चों के हर पहलू पर ध्यान दिया जाता है। परिवार में रहने वाला हर सदस्य एक-दूसरे की खुशियों का ध्यान रखता है। बच्चा हर तरह से खुद को सुरक्षित महसूस करता है। साथ ही वह अपने अधिकारों व कर्तव्यों से भी अत्यंत सहजता से परिचित हो जाता है।

जाहिर है रिश्तों की सुगन्ध को बचाने के लिए हमें संयुक्त परिवारों के विघटन को यथा संभव रोकना होगा। भौगोलिक तौर पर अलग रहना यदि जिन्दगी की जरूरत हो तो भी दिल के तार आपस में जुड़े रहें, इतना प्रयास तो हमें करना ही चाहिए। ●

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के
विगत अधिवेशन और पदाधिकारी

कार्यकाल	स्थान	अध्यक्ष	महामंत्री
1935–1938	कलकत्ता	स्व. रायबहादुर रामदेव चोखानी(कोलकाता)	स्व. भूरामल अग्रवाल
1938–1940	कलकत्ता	स्व. पदमपत सिंघानिया (कानपुर)	स्व. ईश्वरदास जालान
1940–1941	कानपुर	स्व. बद्रीदास गोयनका (कोलकाता)	स्व. रामेश्वरलाल नोपानी
1941–1943	भागलपुर	स्व. रामदेव पोद्दार (मुंबई)	स्व. रामेश्वरलाल नोपानी
1943–1947	दिल्ली	स्व. रामगोपाल मोहता (बीकानेर)	स्व. बजरंगलाल लाठ
1947–1954	बम्बई	स्व. बृजलाल बियाणी (अकोला)	स्व. रामेश्वरलाल केजड़ीवाल श्री नन्दकिशोर जालान
1954–1962	कलकत्ता	स्व. सेठ गोविन्ददास मालपानी (जबलपुर)	श्री नन्दकिशोर जालान
1962–1966	कलकत्ता	स्व. गजाधर सोमानी (मुंबई)	स्व. रघुनाथप्रसाद खेतान
1966–1974	पूना	स्व. रामेश्वरलाल टांटिया (कोलकाता)	स्व. रामकृष्ण सरावगी स्व. दीपचंद नाहटा
1974–1976	राँची	स्व. भंवरमल सिंघी (कोलकाता)	श्री नन्दकिशोर जालान
1976–1979	हैदराबाद	स्व. भंवरमल सिंघी (कोलकाता)	श्री नन्दकिशोर जालान
1979–1982	बम्बई	स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार (मुंबई)	स्व. बजरंगलाल जाजू
1982–1986	जमशेदपुर	श्री नन्दकिशोर जालान (कोलकाता)	स्व. बजरंगलाल जाजू श्री रतन शाह
1986–1989	कानपुर	श्री हरिशंकर सिंहानिया (दिल्ली)	श्री रतन शाह
1989–1993	राँची	स्व. रामकृष्ण सरावगी (कोलकाता)	स्व. दुलीचंद अग्रवाल
1993–1997	दिल्ली	श्री नन्दकिशोर जालान (कोलकाता)	स्व. दीपचंद नाहटा
1997–2001	हैदराबाद	श्री नन्दकिशोर जालान (कोलकाता)	श्री सीताराम शर्मा
2001–2004	कानपुर	श्री मोहनलाल तुलस्यान (कोलकाता)	श्री सीताराम शर्मा
2004–2006	मुम्बई	श्री मोहनलाल तुलस्यान (कोलकाता)	श्री भानीराम सुरेका
2006–2008	भुवनेश्वर	श्री सीताराम शर्मा (कोलकाता)	श्री राम अवतार पोद्दार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतीय समिति सदस्य सूची

भूतपूर्व अध्यक्ष/महामंत्री

१. श्री नन्दकिशोर जालान	कोलकाता	भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
२. श्री हरिशंकर सिंहानिया	दिल्ली	भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
३. श्री हनुमानप्रसाद सरावगी	रांची	भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
४. श्री मोहनलाल तुलस्यान	कोलकाता	भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
६. श्री रतन शाह	कोलकाता	भूतपूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
७. श्री भानीराम सुरेका	कोलकाता	भूतपूर्व राष्ट्रीय महामंत्री

पदेन सदस्य

१. श्री सीताराम शर्मा	कोलकाता	राष्ट्रीय अध्यक्ष
२. श्री नन्दलाल रूंगटा	चाइबास	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
३. श्री राजकुमार पुरोहित	मुंबई	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
४. श्री ओंकारमल अग्रवाल	गुवाहाटी	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
५. श्री बालकिशन गोयनका	चेन्नई	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
६. श्री गणेशप्रसाद कन्दोई	कटक	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
७. श्री विश्वम्भर नेवर	कोलकाता	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
८. श्री रामअवतार पोद्दार	कोलकाता	राष्ट्रीय महामंत्री
९ श्री रवीन्द्र कुमार लड़िया	कोलकाता	राष्ट्रीय सं.महामंत्री
१०.श्री अरूण गुप्ता	कोलकाता	राष्ट्रीय सं.महामंत्री
११.श्री हरिप्रसाद कानोड़िया	कोलकाता	राष्ट्रीय अर्थमंत्री

आजीवन/ विशिष्ट/ पश्चिमबंगाल

1 श्री अविनाश अग्रवाल, कोलकाता
2 श्री अशोक कुमार पारिख, कोलकाता
3 श्री बाबूलाल धनानिया कोलकाता
4 श्री बालकृष्ण माहेश्वरी, कोलकाता
5 श्री बनवारीलाल सोती, कोलकाता
6 श्री विमल कुमार चौधरी, कोलकाता
7 श्री विनोद कुमार सराफ, कोलकाता
8 श्री अनिल कुमार डालमिया, कोलकाता
9 श्री आत्माराम सोंथालिया, कोलकाता
10 श्री बालकिशन खेतान, कोलकाता
11 श्री वंशीलाल बाहेती, कोलकाता
12 श्री भगतराम अग्रवाल, कोलकाता
13 श्रीमती विमला सोंथालिया, कोलकाता
14 श्री विश्वनाथ भुवालका, कोलकाता
15 श्री चम्पालाल सरावगी, कोलकाता
16 श्री दुर्गा प्रसाद नाथानी, कोलकाता
17 श्री गीतेश शर्मा, कोलकाता
18 श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा, कोलकाता
19 श्री हरि प्रसाद बुधिया, कोलकाता
20 श्री इन्द्रचंद संचेती, कोलकाता
21 श्री जुगलकिोर जैथलिया, कोलकाता
22 श्री दिलीप कुमार गोयनका, कोलकाता
23 श्री गौरीशंकर सिंघानिया कोलकाता
24 श्री गोपी धुवालिया, कोलकाता
25 श्री गोविन्दराम धानेवाला 'अग्रवाल'
26 श्री हरिकिशन चौधरी, कोलकाता
27 श्री जयगोविन्द इन्दोरिया, कोलकाता
28 श्री कैलाशपति तोदी, कोलकाता
29 श्री लोकनाथ डोकानिया, कोलकाता
30 श्री मुकुन्द राठी, कोलकाता
31 श्री नारायण प्रसाद जैन, कोलकाता
32 श्री निर्मल कुमार नागलिया,कोलकाता
33 श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, कोलकाता
34 श्री प्रदीप ढेढिया, कोलकाता
35 श्री प्रताप सिंह सुराना, कोलकाता
36 श्री मुकेश खेतान, कोलकाता
37 श्री नन्दलाल सिंहानिया, कोलकाता
38 श्री नवल जोशी, कोलकाता
39 श्री ओम लडिया, कोलकाता
40 श्री ओमप्रकाश पोद्दार, कोलकाता
41 श्री प्रहलाद राय अग्रवाल, कोलकाता
42 श्री प्रेमचंद सुरेलिया, कोलकाता
43 श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल, कोलकाता
44 श्री राजकुमार बोथरा, कोलकाता
45 श्री रामगोपाल बागला, कोलकाता
46 श्री रवि कुमार भालोटिया, कोलकाता
47 श्री राजेश खेतान, कोलकाता
48 श्री रामचंद्र बारपोलिया, कोलकाता
49 श्री रामनिवास चोटिया, कोलकाता
50 श्री संतोष कुमार हरलालका, कोलकाता
51 श्री सांवरमल भीमसरिया, कोलकाता
52 श्री शंभु चौधरी, कोलकाता
53 श्री सज्जन भजनका, कोलकाता
54 श्री संतोष कुमार सराफ, कोलकाता
55 श्री सतीश देवडा, कोलकाता
56 श्री शांतिलाल जैन, कोलकाता
57 श्री श्याम सुन्दर खण्डेलवाल, कोलकाता
58 श्री सुभाष मुरारका, कोलकाता

59 श्री सूर्यकरण सारस्वा, कोलकाता
60 श्री विनोद कुमार बंका, कोलकाता
61 श्री विश्वनाथ सुलतानिया, कोलकाता
62 श्री श्यामलाल डोकानिया, कोलकाता
63 श्री सुबीर पोद्दार, कोलकाता
64 श्री सुशील ओझा, कोलकाता
65 श्री विश्वनाथ सराफ, कोलकाता

उड़िसा
1 श्री भगतराम गुप्ता, भुवनेश्वर
2 श्री श्रीधरलाल केडिया, बलांगीर
3 श्री हरिनारायण जैन, बलांगीर
4 श्री कैलाश प्रसाद सांगनेरिया, कटक
5 श्री ललित कुमार लाठ, भुवनेश्वर
6 श्री मौजीराम जैन, बलांगीर
7 श्री नवल किशोर अग्रवाल, बलांगीर
8 श्री गौरीशंकर अग्रवाल, बलांगीर
9 श्री गोपालकृष्णजाखोटिया,राउरकेल
10 श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल, बलांगीर
11 श्री किशनलाल भरतीया, कटक
12 श्री मगनलाल अग्रवाल, बलांगीर
13 श्री नन्द कुमार अग्रवाल, बलांगीर
14 श्री ओमप्रकाश काँवटिया, बलांगीर
15 श्री ओमप्रकाश लाठ, भुवनेश्वर
16 श्री प्रभास अग्रवाल, सम्बलपुर
17 श्री रामकिशन अग्रवाल, तरभा–सोनपुर
18 श्री संजय कुमार अग्रवाल, बलांगीर
19 श्री शिवकुमार अग्रवाल, भुवनेश्वर
20 श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल, भुवनेश्वर
21 श्री सुरेन्द्र कुमार डालमिया, भुवनेश्वर
22 श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल, बलांगीर
23 श्री पृथ्वीराज जैन, बलांगीर
24 श्री रामेश्वरलाल भरलवाला, कटक
25 श्री शंकर जैन, बलांगीर
26 श्री शिवशंकर अग्रवाल, तरभा–सोनपुर
27 श्री श्याम सुन्दर पोद्दार, कटक
28 श्री वेद प्रकाश अग्रवाल, बलांगीर
28 श्री विश्वनाथ मारोठिया, राउरकेला

महाराष्ट्र
1 श्री भारत वी. गुर्जार, मुंबई
2. श्री गोविन्द पारीक, लातुर
3 श्री ललित सकलचंद गाँधी, कोल्हापुर
4 श्री महेश भंडारी, सोलापुर
5 श्री रमेशचंद गोपीकिशन बंग, हिंगड़ा–नागपुर
6 श्री शांतिलालजी बाबूलाल शाह, थाणे
7 श्री सुभाष मालपानी, कोल्हापुर
8 श्री दामोदर लखानी,
9 श्री जयेश ओसवाल, कोल्हापुर
10 श्रीमतीलता चौहान, करजाट–रायगढ
11 श्री महेश पुरोहित, नागपुर
12 श्री संतोष भूत,
13 डॉ. सुभाष गाँधी, अमरावती

पूर्वोत्तर प्रदेश
1 श्री अजित कुमार जैन,गोलाघाट
2 श्री बाबूलाल शर्मा, शिलांग
3 श्री वसंत कुमार गाडोदिया, डिब्रूगढ़
4 श्री भगवती प्रसाद खेमका, गुवाहाटी
5 श्री विमल कुमार बजाज, शिलांग
6 श्री दीनदयाल सिवोटिया, गुवाहाटी
7 श्री जुगल किशोर अग्रवाल, जोरहाट
8 श्री बाबूलाल गग्गर, जोरहाट
9 श्री बजरंगलाल नाहटा, हैवरगाँव–नौगाँव
10 श्री भगवानदास खेमका, रोहा
11 श्री विजय कुमार अग्रवाल, तिनसुकिया
12 श्री बीरेश बाकलीवाल, जोरहाट
13 श्री इन्द्रचंद जैन, लखीमपुर
14 श्री के. आर. चौधरी, गुवाहाटी
15 श्री कुन्दनमल शर्मा, तिनसुकिया
16 श्री मानकचंद नाहटा, इटाचली–नौगाँव
17 श्री मुरारीलाल चोखानी, शिलांग
18 श्री नन्दकिशोर राठी, लखीमपुर
19 श्री निर्मल भीमसरिया, डीफू
20 श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, शिलांग
21 श्री ओमप्रकाश धूत, जोरहाट
22 श्री महेश चचान, शिलांग
23 श्री माँगीलाल चौधरी, रोहा–नौगाँव
24 श्री एन. सी. करनानी, जोरहाट
25 श्री नवल किशोर मोर, गुवाहाटी
26 श्री निर्मल हरलालका, बरपेटा रोड
27 श्री ओमप्रकाश चौधरी, गुवाहाटी
28 श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल, गुवाहाटी
29 श्री ओंकारमल अग्रवाल, होजाई
30 श्री पवन कुमार टिबड़ेवाल, शिलांग
31 श्री प्रदीप कुमार खदरिया, डेरगाँव–गोलाघाट
32 श्री पुरुषोत्तमदास चोखानी, शिलांग
33 श्री राजकुमार बाकलीवाल, दीमापुर
34 श्री रामअवतार बजाज, शिलांग
35 श्री रामगोपाल मोदी, डिब्रूगढ़
36 श्री पवन कुमार गारोडिया, हैवरगाँव–नौगाँव
37 श्री प्रभुदयाल देवड़ा, गुवाहाटी
38 श्री प्रहलाद राय अग्रवाल, नार्थ लखीमपुर
39 श्री पुरुषोत्तम खेतान, तिनसुकिया
40 श्री राजू खेमका, तिनसुकिया
41 श्री रामेश्वर तापड़िया, लखीमपुर
42 श्री रामगोपाल रुनथालिया, शिलांग
43 श्री सज्जन कुमार थरड, शिलांग
44 श्री संतोष कुमार चचान, शिलांग

45 श्रीसत्यनारायण दाधीच, शिवसागर
46 श्री श्यामसुन्दर हरलालका, गुवाहाटी
47 श्री विजय कुमार तोदी, गोलाघाट
48 श्री विजय सिंह डागा, गुवाहाटी
49 श्री सॉवरमल खेतावत, हैवरगॉव–नौगॉव
50 श्री श्यामसुन्दर गोयनका, गुवाहाटी
51 श्री श्रीधर शर्मा, बरपेटा रोड
52 श्री विजय कुमार मंगलुनिया, हैवरगॉव–नौगॉव
53 श्री विनोद बिरमीवाल, तिनसुकिया

आंध्रप्रदेश
1 श्री भवानी शंकर केरिया, हैदराबाद
2 श्री घनश्यामदास तापडिया, विजयवाडा
3 श्री हरिप्रसाद बी. बदरुका, हैदराबाद
4 श्री कन्हैयालाल लोहिया, हैदराबाद
5 श्री नरेशचंद्र विजयवर्गीय, हैदराबाद
6 श्री आर. एस. जाजू, हैदराबाद
7 श्री राधेश्याम रेणुवा, विशाखापट्टनम
8 श्री चैनसुख काबरा, हैदराबाद
9 श्री हरिप्रसाद चांडक, हैदराबाद
10 श्री कमल किशोर शारडा, आदिलाबाद
11 श्री एम. पूरणमल अग्रवाल, हैदराबाद
12 श्री पुरुषोत्तमदास मनधाना, हैदराबाद
13 श्री राधेश्याम होलानी, विशाखापट्टनम
14 श्री रामप्रकाश भंडारी, हैदराबाद
15 श्री रमेश कुमार बंग, हैदराबाद
16 श्रीमती रत्नमाला साबू, हैदराबाद
17 श्री सीताराम बजाज, सिकन्दराबाद
18 श्री रामगोपाल गोयनका, हैदराबाद
19 श्री सत्यनारायण तोषनीवाल, गुंटुर

तमिलनाडु
1 श्री बालकिशन गोयनका, चैन्नई
2 श्री गुलाबचन्द कोटादीया, चैन्नई
3 श्री कैलाश मल्ल दुग्गड़, चैन्नई
4 श्री मोहन गोयनका, चैन्नई
5 श्री जी. के. गोयनका, चैन्नई
6 श्री विजय कुमार गोयल, चैन्नई
7 श्री गौतम चन्द बोहरा, चैन्नई
8 श्री हीरालाल चांडलिया, चैन्नई
9 श्री कल्याण सिंह मोहता, चैन्नई
10 श्री रामअवतार अग्रवाल, चैन्नई
11श्री सुरेश कुमार गुप्ता, चैन्नई

मध्यप्रदेश
1 श्री अनिल शर्मा, जबलपुर
2 श्री अशोक सिंघवी, जबलपुर
3 श्री मंगलचंद टांटिया, जबलपुर
4 श्री नटवर जोशी, जबलपुर
5 श्री प्रेमचंद बरडिया, जबलपुर
6 श्री रमेश झॅवर, जबलपुर
7 श्री संदीप जैन, जबलपुर
8 श्री अशोक रंगा, जबलपुर
9 श्री महेश भट्टर, जबलपुर
10 श्री मुकुन्द दास माहेश्वरी, जबलपुर
11 श्री प्रभात अग्रवाल, जबलपुर
12 डॉ. रमेश आसवा, जबलपुर
13 श्री रमेश कुमार गर्ग, जबलपुर
14 श्री सुधीर गुगलिया, जबलपुर

छत्तीसगढ़
1 श्री अर्जुनलाल अग्रवाल, बिलासपुर
2 श्री दीनु प्रसाद शर्मा, रायपुर
3 श्री हरिशंकर शर्मा, रायपुर
4 श्री कैलाशचंद दैहया, रायपुर
5 श्री मोहन चोधरी, रायपुर
6 श्री रमेश कुमार सिंघानिय, रायपुर
7 श्री संतोष कुमार अग्रवाल, रायपुर
8 श्री बी. एल. जैन, रायपुर
9 श्री गणपत राय मंत्री, दुर्ग
10 श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल, लैला जाजगीर
11 श्री मांगीलाल सोनी, रायपुर
12 श्री ओमप्रकाश डागा, रायपुर
13 श्री रतनलाल सिंघल, धमतरी
14 श्रीमती सरस्वती तिवारी, रायपुर

उत्तरप्रदेश
1 श्री गोपाल अग्रवाल, कानपुर
2 श्री किशन जोशी, उन्नान
3 डॉ. प्रमोद अग्रवाल, हल्दवानी
4 श्री रमेश कसेरा, कानपुर
5 श्री गोपाल सुतवाला, कानपुर
6 श्री गोपाल कृष्ण कन्दोई, कानपुर
7 श्री मयंक बजाज, लखनउ
8 श्री राजकुमार नेवटिया, कानपुर
9 श्री रमेश मोरोलिया, कानपुर
10 श्री सोमप्रकाश गोयनका, कानपुर

बिहार
1 श्री अशोक खेमका, कहलगांव
2 श्री बद्रीप्रसाद भीमसरिया, पटना
3 श्री देवकीनन्दन झुनझुनवाला, भागलपुर
4 श्री गणेश कुमार खेमका, पटना
5 श्री गोपाल प्रसाद खेमका, पटना
6 श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल, पटना
7 श्री बादलचन्द्र अग्रवाल, पटना
8 श्री बालकृष्ण चौधरी 'मंटू', पटना
9 श्री द्वारिका प्रसाद तोदी, पटना
10 श्री गिरधारलाल सराफ, पटना
11 श्री गोविन्द कानोड़िया, पटना

12 श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल, मुंगेर
13 श्री युगल किशोर अग्रवाल, सुपौल
14 श्री कमल नोपानी, पटना
15 श्री किशोरीलाल अग्रवाल, मुजफ्फरपुर
16 श्री महेश जालान, पटना
17 श्री मातादीन अग्रवाल, आरा, भोजपुर
18 श्री नागरमल बाजोरिया, पटना
19 श्री नथमल टिबरेवाल, मुजफ्फरपुर
20 श्री कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला, पटना
21 श्री किशनलाल डागा, पटना
22 श्री कृष्ण मुरारी पंसारी, पटना
23 श्री मनोज झुनझुनवाला, पटना
24 श्री मोहनलाल झुनझुनवाला, गया
25 श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल, बंगलोर
26 श्री नवल किशोर सुरेका, मुजफ्फरपुर
27 श्री निर्मल कुमार जालान, मुंगेर
28 श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, पटना
29 श्री ओमप्रकाश टिबड़ेवाल, पटना
30 श्रीमती पुष्पा चोपडा, पटना
31 श्री राजीव कुमार केजड़ीवाल, मुजफ्फरपुर
32 श्री राम अवतार नाथानी, मुजफ्फरपुर
33 श्री राम कैलाश सरावगी, पटना
34 श्री निर्मल कुमार मोदी, मुंगेर
35 श्री ओमेप्रकाश खेरिया, दरभंगा
36 श्री प्रमोद डोकानिया, सिवान
37 डॉ. आर. के. मोदी, पटना
38 श्री राजकुमार डोकानिया, पूर्णिया
39 श्री रामदयाल मस्करा, बेगुसराय
40 श्री रामअवतार पोद्दार, पटना
41 डॉ. रमेश कुमार केजरीवाल, मुजफ्फरपुर
42 श्री रामपाल अग्रवाल 'नूतन', पटना
43 श्री सत्यनारायण अग्रवाल, कटिहार
44 श्री श्याम सुन्दर हिसारिया, पटना
45 श्री विजय कुमार बुधिया, पटना
46 श्री विष्णु कमार गोयनका, आरा–भोजपुर
47 श्री रामगोपाल पोद्दार, भागलपुर
48 श्रीमती सरोज गुटगुटिया, पटना
49 श्री शिव करण दूधवेवाला, पटना
50 श्री श्याम सुन्दर तुलस्यान,पटना
51 श्री विनोद कुमार तोदी, पटना

झारखंड

1 श्री अभय कुमार सराफ, देवघर
2 श्री अजय मारु, राँची
3 श्री अनिल कुमार मोदी, देवघर
4 श्री बहादुर सिंह कोठारी, देवघर
5 श्री बसंत मित्तल, रामगढ कैंट
6 श्री भागचंद पोद्दार, राँची
7 श्री अजय कुमार मेहारिया, फतेहपुर–जामताड़ा
8 श्री अनिल कुमार टेकरीवाल, देवघर
9 श्री अरुण कुमार बुधिया, राँची
10 श्री बलराम सुल्तानिया, चाइबासा–सिंहभूमि
11 श्री वासुदेव प्रसाद बुधिया, राँची
12 श्री भंवरलाल खंडेलवाल, जमशेदपुर
13 श्री विश्वनाथ नारसरिया, राँची
14 श्री देवी प्रसाद डालमिया, जामताड़ा– दुमका
15 श्री धरम चन्द बजाज, राँची
16 श्री दीपक कुमार सिंघानिया, डाल्टनगंज
17 श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल, रामगढ़ कैंट
18 श्री जगदीश डोकानिया, पाकुर
19 श्री कैलाश अग्रवाल, जमशेदपुर
20 श्री चंडी प्रसाद डालमिया, राँची
21 श्री देवी प्रसाद मोदी, बी.देवघर
22 श्री धरमचंद जैन 'रारा', राँची
23 श्री गोवर्धन प्रसाद गारोडिया, राँची
24 श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया, दुमका
25 श्री जमुना प्रसाद शर्मा, रामगढ कैंट
26 श्री कमल कुमार केडिया, राँची
27 श्री केदारनाथ पलसानिया, जमशेदपुर
28 श्री मनोहरलाल अग्रवाल, चास, बोकारो
29 श्री नन्दलाल परशुरामका, गेडा,, झारखण्ड
30 श्री ओमप्रकाश भालोटिया, दुमका
31 श्री परमात्मा राम बथवाल, मधुपुर
32 श्री प्रभाष कुमार गुटगुटिया, मधुपुर
33 श्री प्रकाश कुमार पंसारी, चाइबासा
34 श्री किशोरी लाल मोदी, देवघर
35 श्री मुरलीधर केडिया, जुगसलाई,जमशेदपुर
36 श्री निर्मल कुमार बथवाल, देवघर
37 श्री ओमप्रकाश छाछरिया, देवघर
38 श्री परमेश्वरलाल गुटगुटिया, मधुपुर
39 श्री प्रदीप बजाज, दुमका रोड
40 श्री प्रमोद कुमार तुलस्यान, डाल्टनगंज
41 श्री प्रेमजी कटारुका, रॉची
42 श्री रघुनाथ प्रसाद सोढानी, साहेबगंज
43 श्री राजकुमार केडिया, रॉची
44 श्री रामअवतार टिबड़ेवाल, बी.देवघर
45 श्री रतन लाल बंका, रॉची
46 श्री ताराचंद जैन, देवघर
47 श्री विजय कुमार सरावगी, रॉची
48 श्री पुरुषोत्तम लाल गुटगुटिया, मधुपुर
49 श्री राजकिशोर मोदी, रॉची
50 श्रीमती राजकुमारी हिम्मतसिंहका, दुमका
51 श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल, रॉची
52 श्री शिव कुमार मेहरीया, बोकारो
53 श्री तिलोकचन्द बाजला, बी.देवघर

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

पदाधिकारीगण

EXECUTIVE MEMBER

Sri Sitaram Sharma
National President,
37, Shakespear Sarani,
S.B. Tower, 3rd Floor
Kolkata-700 017

Sri Ramautar Poddar
National General Secretary,
M/s. Rajesh Coal Co.,
2, Brabourne Road,6th floor,
Kolkata-700 001

Sri Ganesh Pd. Kandoi
National Vice President,
47, Kenal Road,
Chatra Bazar, Professor Para
Cuttack-753003 (Orissa)

Sri Raj K. Purohit (M.L.A)
National Vice President,
54/56, Chandan Wadi
Sriniwas House, Mumbadevi,
Janaseva Kendra
Mumbai-400002, Maharastra

Sri Hari Prasad Kanodia
National Treasurer,
216, A.J.C. Bose Road,
Suite No. 2C,
Kolkata-700 017

Sri Nandlal Rungta
National Vice President,
Runsta House, Sadar Bazar,
Chaibasa-833201 (Jharkhand)

Sri Vishwambhar Newar
National Vice President,
26-C, Creek Row,Near Moulali,
Kolkata-700 014

Sri Arun Gupta
National Jt. Gen. Secretary,
M/s. Aarco
2, G..C. Avenue, 7th Floor, R.No.3A
Commerce House,
Kolkata-700 013

Sri Onkarmal Agarwal
National Vice President,
M/s. Arzee Securities
97, B.K. Kakoti Road,Ullu Bari
Guwahati-781007 (Assam)

Sri Balkrishna Goenka
National Vice President,
M/s. Foods, Fats & Fertilizers
Pantheon Road, Fountain Plaza,
7th Mala, P.O.Box No-759,
EGMORE, Chennai-600008

Sri Ravindra Kumar Ladia
National Jt. Gen. Secretary,
Hari-Om-Appartment
F.D.-11, Sectro-III, Salt Lake City
Kolkata-700106

LIST OF STATE PRESIDENT & SECRETARY

ASSAM

Sri Vijay kumar Manglunia (Adv.)
President , Purvottar P.M. Sammelan
Manglunia Bhawan, A.T. Road
Haibargaon – 782 002.
Naugaon (Assam.)

Sri Bajranglal Nahata
Secretary, Purvottar Pradeshik M. Sammelan
Luit Nagar, Ward No – 20.
Telia Patty, Mulla Patty , Gate No. – 2.
Haibargaon – 782 002.
Naugaon, Assam.

ANDHRA PRADESH

Sri Ramesh Kumar Bang
President , Andhra Pradesh P. Marwari Sammelan
3-5-121 / E / 1 / 2 , Eden Bagh , (1st Floor)
Hyderabad – 500 001.

Sri Naresh Chandra Vijayavargia
Secretary, Andhra Pradesh P.M. Sammelan
15-08-201, Sahraja Esatae,
Duha Khana, Begam Bazar,
Hyderabad - 500012
Andhra Pradesh

BIHAR.

Sri Nathmal Tibrewal
President
Bihar Pradeshik M.Sammelan
C/O. Sitaram Ashok Kumar
Akhara Shat Road
Muzaffapur – 842 001.

Sri Vinod Kr. Todi
Secretary Bihar Pradeshik M. Sammelan
202, Abhishek Plaza.
Exhibition Road Chouraha.
Vrindavan Kunj, Patna – 800 001.

CHATTISGARH

SRI B. L. JAIN
PRESIDENT
CHHATTISGARH P.M.SAMMELAN
SAMBHAW SOUTH AVENUE
CHOUBEY COLONY, RAIPUR

Sri Hari Shankar Sharma " Advocate "
Gen. Sec.
Chattishgarh P.M. Sammelan
Bhardwaj Niwas
Motilal Jain Wada, Baijnath Pass
Raipur – 492 001.

JHARKHAND

Sri Bhag Chand Poddar
President,
Jharkhand Pradeshok Sammelan
M/S. Poddar & Sons.
Upper Bazar, Ranchi - 834001

Sri Dharm Chand Jain " RARA "
Secretary ,
Jharkhand Prandtiy M. Sammelan
M/S. R. R. Roadlines
Saraswat Market , Infront Of Ranchi Exprs
Bara Lal Street , Upper Bazar
Ranchi – 834 001

MAHARASTRA

Sri Ramesh Chand G.K. Bang (M. L. A.)
President , Maharastra P.M. Sammelan
Tahsil, Hinna – 441 110. Nagpur.

Sri Lalit Sakal Chand Gandh
Secretary
Maharastra P.M. Sammelan
M/s. Archis Gallery,
1769 -E, Rajaram Puri, 3rd Lane,
Kolhapur - 416008 (Maharashtra)

MADHYA PRADESH

Sri Mukund Das Maheshwari
President
Madhya Pradesh P.M.S.
Diwanbahadur Vallabhdas Palace
Hanuman Taal,
Jabalpur – 482 002.

Sri Ramesh Kr. Gars
Secretary ,
Madhya Pradesh P. Marwari S.
Trilok Chhaya , 1355 , Vijay Nagar ,
Damoh Road , Near Krishi Upaj Mandi ,
Jabalpur – 482 001.

ORISSA

Sri Surendra Kr. Dalmia
President ,
Utkal Pradeshik M. Sammelan
B – 40. sahid Nagar ,
Bhubaneswar – 751 007.

Sri Shiv Kumar Agarwal
Secretary ,
Utkal Pradeshik M. Sammelan
Bhagwan Tower, Flat No. 205, 206
Bhubaneswar – 751 006.

TAMIL NADU

Sri Kailash Mull Duggar
President, Tamil Nadu P.M. Sammelan
Old No. 157, New No. 36
1st. Floor , Eldams Road, Alwarpet ,
Chennai – 600 018.

Sri Vijay Kr. Goyal
Secretary , Tamil Nadu P.M. Sammelan
Milky Way Ice-Cream ,
B- 4, Welingdon Estate ,
24, Ethiraj Salai , EGMORE,
Chennai – 600 105.

UTTAR PRADESH

Sri Some Prakash Goenka
President ,
U.P. Marwari Sammelan
51 / 40 ,Shubham Goldiee Masale Pvt. Ltd.
Goldi House , Naya Gunj ,
Kanpur – 208 001.

Sri Gopal Sutwala
Sec. Uttar Pradeshik M.Sammelan
2A/244, Azad Nagar
Kanpur -208002

WEST BENGAL

Sri Vishwanath Sultania
President , West Bengal P.M. Sammelan
M/S. Uttam Traders
7, Rabindra Sarani , (2nd Floor)
Kolkata – 700 001.

Sri Ramgopal Bagla
Secretary , West Bengal P.M. Sammelan
33, Brabourne Road (7th Floor)
Kolkata – 700 001.

कार्यकारिणी समिति सदस्य सूची

1. श्री आनन्द सुरेका, कोलकाता
2. श्री अरूण गुप्ता, कोलकाता
3. श्री आत्माराम सोंथालिया, कोलकाता
4. श्री बजरंगलाल नाहटा, नौगांव
5. श्री बालकिशन गोयनका, चेन्नई
6. श्री वंशीलाल बाहेती, हावड़ा
7. श्री भानीराम सुरेका, कोलकाता
8. श्री अनिल जाजोदिया, वाराणसी
9. श्री अरूणा जनै, रामगढ़कैंट
10. श्री बाबूलाल धनानिया, कोलकाता
11. श्री बालकिशनदास गूंधड़ा, कोलकाता
12. श्री वासुदेव प्रसाद बुधिया, रांची
13. श्री बालकृष्ण माहेश्वरी, कोलकाता
14. श्री वीरेन्द्र प्रसाद धोका, जालना
15. श्री विश्वम्भरदयाल सुरेका, कोलकाता
16. श्री धर्मचन्द अग्रवाल, कोलकाता
17. श्री दिलीपकुमार मंसुखलाल गांधी, अहमदनगर
18. श्री गणेश प्रसाद कन्दोई, कटक
19. श्री गोपाल सूतवाला, कानपुर
20. श्री गितेश शर्मा, कोलकाता
21. श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, कोलकाता
22. श्री हनुमान प्रसाद सरावगी, रांची
23. श्री चिरंजीलाल अग्रवाल, कोलकाता
24. श्री धरमचन्द जैन 'रारा', रांची
25. श्री द्वारका प्रसाद डाबरीवाल, कोलकाता
26. श्री गौरीशंकर कांया, कोलकाता
27. श्री गोपाल अग्रवाल, कोलकाता
28. श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया, दुमका
29. श्री हरिप्रसाद बुधिया, कोलकाता
30. श्री हरिशंकर सिंहानिया, नई दिल्ली
31. श्री हरिकिशन चौधरी, कोलकाता
32. श्री जयप्रकाश शंकरलाल मूंधड़ा, हिंगोली
33. श्री कैलाशमल दुगड़, कोलकाता
34. श्री मामराज अग्रवाल, कोलकाता
35. श्री मौजीराम जैन, बलांगीर
36. श्री मोहलाल तुलस्यान, कोलकाता
37. श्री नन्दकिशोर जालान, कोलकाता
38. श्री इन्द्रचंद संचेती, कोलकाता
39. श्री जुगलकिशोर जैथलिया,कोलकाता
40. श्री ललित साकलाचंद गांधी, कोल्हापुर
41. श्री लोकनाथ डोकानिया, कोलकाता
42. श्री महावीरप्रसाद अग्रवाल, कोलकाता
43. श्री मनमोहन लोहिया, वाराणसी
44. श्री मोहनलाल चोखानी, नागपुर
45. श्री मुकुन्ददास माहेश्वरी, जबलपुर
46. श्री नन्दलाल रूंगटा, चाईबासा
47. श्री नारायण प्रसाद माधोगढ़िया,कोलकाता
48. श्री नथमल टिबड़ेवाल, मुजफ्फरपुर
49. श्री ओंकारमल अग्रवाल, गुवाहाटी
50. श्री प्रहलादराय अग्रवाल, कोलकाता
51. श्रीमती प्रेमलता खंडेलवाल, गुवाहाटी
52. श्री राज क. पुरोहित, मुंबई
53. श्री रामदयाल मस्करा, बेगूसराय
54. श्री रमेशचंद्र गोपीकिशन बंग, नागपुर
55. श्री नरेशचन्द्र विजयवर्गीय, हैदराबाद
56. श्री ओमप्रकाश पोद्दार, कोलकाता
57. श्री प्रदीप ढेढिया, कोलकाता
58. श्री प्रेमचन्द सुरेलिया, हावड़ा
59. श्रीमती रचना नाहटा, कोलकाता
60. श्री राजेन्द्र खंडेवाल, कोलकाता
61. श्री रामअवतार पोद्दार, कोलकाता
62. श्री रमेश कुमार गर्ग, जबलपुर
63. श्री रमेश कुमार बंग, हैदराबाद
64. श्री रामपाल अग्रवाल नूतन, पटना
65. श्री रविन्द्र कुमार लड़िया, कोलकाता
66. श्री सज्जन भजनका, कोलकाता
67. श्री सांवरमल भीमसरिया, कोलकाता
68. श्री शिवकुमार अग्रवाल, सम्बलपुर
69. श्री श्याम सुन्दर पोद्दार, कटक

70. श्री सतीश देवड़ा, कोलकाता
71. श्री सोमप्रकाश गोयनका, कानपुर
72. श्री रामगोपाल बागला, कोलकाता
73. श्री रतन शाह, कोलकाता
74. श्री राधुराम बंसल, कोलकाता
75. श्री संतोष कुमार जैन, कोलकाता
76. श्री श्रवण कुमार तोदी, कोलकाता
77. श्री सीताराम शर्मा, कोलकाता
78. श्री सुभाष मुरारका, कोलकाता
79. श्री सुबीर पोद्दार, कोलकाता
80. श्री सूर्यकरण सारस्वा, कोलकाता
81. श्री विजय कुमार गोयल, चेन्नई
82. श्री विनोद कुमार तोदी, पटना
83. श्री विश्वनाथ मारोठिया, सुन्दरगढ
84. श्री सुरेन्द्र कुमार डालमिया, भुवनेश्वर
85. श्रीमती उषा परशुरामपुरिया, रामगढ कैंट

स्थायी समिति सदस्य सूची

1 श्री अनिल कुमार डालमिया, कोलकाता
2. श्री अरविंद बियानी, कोलकाता
3. श्री अरूण गुप्ता, कोलकाता
4. श्री आत्माराम सोंथालिया, कोलकाता
5. श्री बालकिशन दास मूंधड़ा, कोलकाता
6. श्री बालकिशन गोयनका, चेन्नई
7. श्री बनवारीलाल सोती, कोलकाता
8. श्री विमल कुमार चौधुरी, कोलकाता
9. श्री विश्वनाथ भुवालका, कोलकाता
10. श्री चम्पालाल सरावगी, कोलकाता
11. श्री देवेन्द्र कुमार दुगड, कोलकाता
12. श्री दिलीप कुमार गोयनका, कोलकाता
13. श्री गणेश प्रसाद कन्दोई, कटक
14. श्री गौरीशंकर सिंघनिया, कोलकाता
15. श्री गिरधारीलाल झुनझूनवाला, कोलकाता
16. श्री गोपाल अग्रवाल,कोलकाता
17. श्री गोविन्दराम धानेवाला, कोलकाता
18. श्री हरिप्रसाद कानोडिया, कोलकाता
19. श्री इन्द्रचंद संचेती, कोलकाता
20. श्री जगदीशचंद्र एन. मूंधडा, कोलकाता
21. श्री जयगोविन्द इन्दोरिया, कोलकाता
22. श्री जुगलकिशोर जैथलिया, कोलकाता
23. श्री मदन गोयल, कोलकाता
24. श्री मोहनलाल चोखानी, नागपुर
25. श्री मोहनलाल तुलस्यान, कोलकाता
26. श्री मुकेश खेतान, रिसड़ा
27. श्री मुकुन्द राठी, कोलकाता
28. श्री नन्दलाल रूंगटा, चाईबासा
29. श्री नारायण प्रसाद जैन, कोलकाता
30. श्री नवरतनमल सुराना, कोलकाता
31. श्री ओम लडिया, कोलकाता
32. श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, कोलकाता
33. श्री ओमप्रकाश जाजोदिया, कोलकाता
34. श्री ओंकारमल अग्रवाल, गुवाहाटी
35. श्री प्रहलाद राय अग्रवाल, कोलकाता
36. श्री प्रकाशचन्द चंडालिया, कोलकाता
37. श्री राजकुमार पुरोहित, मुंबई
38. श्री राजीव माहेश्वरी, कोलकाता
39. श्री रामचन्द्र बरपोलिया, कोलकाता
40. श्री रामअवतार पोद्दार, कोलकाता
41. श्री रविन्द्र कुमार लड़िया, कोलकाता
42. श्री सज्जन भजनका, कोलकाता
43. श्री संतोष कुमार हरलालका, कोलकाता
44. श्री संतोष कुमार सराफ, कोलकाता
45. श्री शंभु चौधरी, कोलकाता
46. श्री शांतिलाल जैन, कोलकाता
47. श्री श्यामलाल डोकानिया,कोलकाता
48. श्री सीताराम शर्मा, कोलकाता
49. श्री श्रीभगवान खेमका, कोलकाता
50. श्री विनोद कुमार सराफ, कोलकाता
51. श्री विश्वम्भर नेवर, कोलकाता
52. श्री विश्वनाथ चांडक, कोलकाता
53. श्री विश्वनाथ सराफ, कोलकाता
54. श्री विश्वनाथ सुल्तानिया, कोलकाता

चित्र झांकी

राष्ट्रीय कार्यक्रमों की झांकी

वर्ष २००६-२००७

४-५ नवम्बर २००६ को कोलकाता में राष्ट्रव्यापी दो दिवसीय का चिन्तन-शिविर का आयोजन बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी व ६ सूत्रीय वैवाहीक आचार संहिता पारित

२५.१२.२००६ को गीत सम्राट श्री गाजानन्द वर्मा को स्व.सीताराम रूंगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार २००६ से सम्मानित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी साथ दे रहें सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया।

चित्र झांकी

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का रजत जयन्ती प्रान्तीय अधिवेशन मुंगेर में १२-१३ जनवरी २००७ को सम्पन्न।

बिहार के उप-मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी का कोलकाता आगमन पर विचार विमर्श।

कोलकाता में १५.१२.२००६ को राजस्थान के सहकारिता एवं समाज कल्याण मंत्री श्री मदन दिलावर का स्वागत व चर्चा।

चित्र झांकी

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री श्री जगन्नाथ पहाड़िया का सम्मेलन भवन का दौरा श्री पी. आर.अग्रवाल व सम्मेलन अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा स्वागत करते हुए।

हरियाणा के राज्यपाल श्री ए.आर. किदवई का कोलकाता में हरियाणवी समाज के साथ बातचीत।

राजस्थान के उद्योगमंत्री श्री नरपतसिंह जी से सम्मेलन पदाधिकारियों की चर्चा।

चित्र झांकी

१५ अप्रैल २००७ को कोलकाता में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में एक दिवसीय राजनैतिक कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन।

२३ सितम्बर २००७ को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का नवम अधिवेशन कोलकाता में सम्पन्न।

७ अक्टूबर २००७ को उच्च शिक्षा कोष द्वारा कुमारी प्रियंका खण्डेलवाल को एक लाख चार हजार का चेक प्रदान किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन तथा समाज का समग्र विकास

- डॉ. मदन केवलिया, बीकानेर

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना के पूर्व 'मारवाड़ी सुधार समिति' (१९२१ ई.) की स्थापना आरा (बिहार) में हुई थी, किन्तु मारवाड़ी सम्मेलन ने समाज सेवा और राष्ट्र सेवा के लक्ष्यों के साथ तेजी से अपना चहुमुखी विकास किया। सम्मेलन ने समय-समय पर 'मारवाड़ी' शब्द के आपत्तिजनक अर्थ की पुरजोर शब्दों में भर्त्सना भी की है। ७२वें स्थापना दिवस के अवसर पर लोकसभा के अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी ने सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति' से बड़ा चिंतन कुछ हो ही नहीं सकता। सम्मेलन सभापति श्री सीताराम शर्मा के शब्दों में-- 'एक सक्रिय वैचारिक आन्दोलन का पर्याय है, मारवाड़ी सम्मेलन'।

वस्तुतः मारवाड़ी सम्मेलन केवल एक भू-भाग का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इसकी शाखाएँ ११ राज्यों तक फैली हुई हैं। इस सम्मेलन का निजी अस्तित्व और 'धर्म' है। पूर्व अध्यक्ष श्री नन्दकिशोर जालान ने एक बार अपने भाषण में कहा था- 'सम्मेलन का भी अपना 'स्वधर्म' है। यह मारवाड़ी समाज के द्वारा संचालित है, अतीत के गौरवपूर्ण चित्रों को देश के सम्मुख सविनय उपस्थित करना उसकी वर्तमान प्रवृत्तियों को राष्ट्रीय नवनिर्माण के पावन अनुष्ठान में सम्मानित स्थान देने के लिए साग्रह प्रेरित करते रहना और उसकी भविष्यत उपलब्धियों की दशा अखिल भारतीय उत्कर्ष के लक्ष्य की ओर सवेग मुड़ती चली जाये, इसके लिए अनवरत जागरूकता रखना' ।

सम्मेलन के चहुंमुखी विकास के साथ-साथ राष्ट्र के विकास का लक्ष्य इस 'सम्मेलन का रहा है।

अनेकता में एकता :

भारतीय संस्कृति की इस विशिष्टता को आत्मसात् करते हुए मारवाड़ी सम्मेलन ने समाज के बिखरे रत्नों को एक स्थान पर जुटाने का स्तुत्य कार्य किया है। चारों ओर बिखरे लोगों को एक ही संस्था के अन्तर्गत एकत्र कर उन्हें सक्रिय बनाने का भी प्रयास किया है। इससे सभी लोगों में राष्ट्रीय एकता का भी संचार हुआ है। एकता की वसुंधरा बना कर मारवाड़ी सम्मेलन ने उन नागरिकों के सुख-दुःख में भागीदार बनने का आह्वान किया है। श्री जालान के अनुसार मारवाड़ी समाज का सर्वोत्तम अवदान यह है कि वह अपने को देश की क्यारी का एक सुगंधमय फूल, सुंदर रेखा बना दे'।

परम्परा और आधुनिकता :

स्वस्थ भारतीय परम्परा का निर्वाह करते हुए मारवाड़ी सम्मेलन नये वक्त को आत्मसात् किये हुए है। इतिहास को उसने दृष्टि से ओझल नहीं होने दिया, अपने गौरव के प्रति कभी उदासीन नहीं हुआ और समय की नयी पगडंडियों को देखा और अनुकूल पाकर चला भी। उसके कदम किसी अँधेरी बंद गुफा की ओर नहीं ले, वह नई से नई रोशनी के लिए आगे बढ़ा। नये रास्ते भी तलाश किये। मारवाड़ी सम्मेलन ने संकर्ण दृष्टिकोण का सदा विरोध किया और अपने सदस्यों को संतुलित दृष्टि रखकर समाज की नई रचना करने की प्रेरणा दी। उसने परिवार, समाज और राष्ट्र की सभी समस्याओं पर चिंतन-मनन किया और उनमें शांति तथा बंधुत्व की भावना का प्रचार प्रसार किया। वह राजनीति की दुरभिसंधियों को भी पहचानता रहा।

वैवाहिक आचार संहिता :

'मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया' या 'सजन गोठ बंद हो', 'कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए' जैसे नियमों को रखकर मारवाड़ी सम्मेलन ने क्रांतिकारी विचारों का उपक्रम किया, जिस पर चलकर पूरे देश में नई आस्था और विश्वास का तैयार हुआ है।

बदलते संदर्भ :

मारवड़ी समाज ने केवल उद्योग के क्षेत्र में ही नाम नहीं कमाया है अपितु शिक्षा, पत्रकारिता, समाज सेवा के विविध आयाम आदि भी प्रस्तुत किये हैं। समानता, सर्वधर्म स्वभाव, परोपकार स्वास्थ्य चिंतन आदि के माध्यम से साधारण से साधरण व्यक्ति के भी हित का चिंतन किया है। श्री दीपचन्द नाहटा कहते थे- 'सन् १९३५ में अपनी स्थापना काल से लेकर आज तक सम्मेलन ने नित्य नूतन अभियानों, कार्यक्रमों एवं विचारों से सदा समाज को सही दिशा देने का प्रयत्न किया है' ।

साहित्य और संस्कृति के प्रति जागरूकता का परिचय समाज विकास पत्रिका के माध्यम से दृष्टिगत होता है। कविता, कहानी, लघुकथा, व्यंग्य आदि विविध विधाओं के माध्यम से इस पत्रिका ने कई परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किये हैं। तकनीकी के क्षेत्र में भी अब यह समाज कार्यरत है। पदाधिकारियों को साधुवाद।

कविता

घटोत्कच आज भी जिन्दा है

हमने तूफानों से खेला था
चारों तरफ/आग ही आग थी, पीछे, नहीं हटे-
न कल, न आज, न परसों ही पीछे हटेंगे
दु:ख की बात, किसी से नहीं कहेंगे
लोहित [1] की धार में, एक साथ बहेंगे,
इसमें जो भी आएगा, साथ-साथ बहेगा,भंवर में
अलग कहाँ रहेगा, इतिहास गवाह है मथ कर
एकाकार हो जायेगा,
जैसा कल था,वैसा ही आज, नहीं तो कल
जरूर हो जायेगा, इसी विश्वास पर टिके थे
शंकर - माधव [2], ज्योति - रामा [3] ...
इससे भी पहले घटोत्कच ने
कर्ण के ब्रह्मास्त्र को झेल कर भारत को बचाया था
मां हिटिम्बा का ही नहीं, पिता का भी ऊँचा किया था मस्तक
दुर्योधन का भगदत्त क्या था उसके सामने ! चित्रांगदा
उलूपी ने जिस स्नेह-डोर को बांधा था
शोणित ?-कुंवरी [4] ने भी उसी को, बड़े जतन से थामा था
उषा में प्रकट हुए थे अनिरुद्ध [5]; अहंकारी
महाराज बाण की क्या बिसात थी, जो उसे रोक पाते
शिशुपाल रोक पाया था क्या रुक्मिणी-हरण को? अश्वक्लांत [6] तो
होते ही रहते हैं बीच में,क्या फर्क पड़ता है।
मगर अच्युत [7] क्लान्त नहीं होते।
गुरु तेग बहादुर का तेज हमेशा बरकरार रहा है
अभिमंत्रित-जल, मछंदर को ले डूबा था
जगाने के लिये, आया था न कोई , गोरखनाथ !
इसी असम भूमि पर, भगवान परशुराम ने
२१ बार दुष्टों का, खून पीने वाले
अपने विराट परशु को धोया था
तालाब को काट कर, ब्रह्मपुत्र बनाया था, ब्रह्मपुत्र !
तब भी एक थे हम, पीछे नहीं हटे
और न आज, और न परसों ही पीछे हटेंगे
लोहित की धार में, एक साथ बहेंगे
कपिली और वशिष्ट-गंगा का जल पीयेंगे,
भाई को / भाई कहेंगे। भगदत्त
कुछ नहीं कर पायेगा, घटोत्कच आज भी जिन्दा है।

- केसरीकान्त शर्मा 'केसरी', मण्डावा

१. ब्रह्मपुत्र, २. शंकरदेव, माधव देव : वैष्णव भक्त ३. ज्योति- ज्योतिप्रसाद अगरवाल (असम के महान कवि), रामा- विष्णु रामा: असम के बेजोड़ कवि, नर्तक ४. शोणितपुर (तेजपुर) की राजकुमारी उषा, ५. श्रीकृष्ण का पोता, ६. श्रीकृष्ण का घायल अश्व, ७. श्रीकृष्ण का एक नाम

मानवाधिकार

"हम" अपने को कहते हैं 'मानव'
"वे" भी तो हैं 'मानव'!
परन्तु हम उसे मानव नहीं मानते;
उसे अपनावें, यही सत्य है। ईश्वर भी यही हैं।
अजान या घन्टे की आवाज से ईश्वर नहीं मिलते;
ईश्वर न तो गिरजाघरों में रहते हैं,
न ही गुरुद्वारा, मस्जीद, मंदिर मे
यह तो बस बसा है हमारे-आपके हृदय में,
कैद हो गया है हमारा हृदय,
जो चारदिवारी के बीच खोजता है ईश्वर को,
पूजा उसकी करो जो दीन है,
वे दीन नहीं, भूखे, नंगे और लाचार हैं या अशिक्षित हैं,
उनकी सेवा ऐसे करो, कि वे इनसे मुक्त हो सके,
अपने दान से उनके जीवन को बदलने का प्रयास करें।
वे दीन नहीं, उनके हृदय में बसा "हृदय" स्वच्छ व संतुष्ट;
हम, मानव से मानव की दूरियों को बढ़ाते चले जा रहे हैं।
उनको देखो ! वे कैसे एकत्रित हो नाच-झूम-गा रहें,
परन्तु हम एक कमरे में सिमटते जा रहे हैं
हमारी दूरी तय नहीं,
और वे दूरी को पास आने नहीं देते।
देखा ! उनको ध्यान से देखो,
और कान खोल कर सुनो !
उनकी तरफ ध्यान दो !
सूर्य की किरणें, बादलों का बरसना... हवा का बहना
खेतों का लहलहाना... पक्षियों का चहकना
चांद का मुस्कराना... मिट्टी की खुशबू, वन की लकड़ी
वंशी की धुन... सब उनके लिये हैं, हमारे पास क्या है?
सिर्फ एक मिथ्या अधिकार कि हम 'मानव' हैं
तो वे क्या हैं? जानवर, ...नहीं! वे भी मानव हैं, पर...
हम उनके साथ जानवर सा करते हैं सलुक;
कहीं धर्म के नाम पर, कहीं रंग के नाम पर,
कहीं वर्ण के नाम पर, कहीं कर्ण के नाम पर,
यह सब शोषण है, इसे समाप्त करना होगा;
इसके लिए हमें लड़ना होगा

- शम्भु चौधरी,
एफ.डी.-४५३ साल्टलेक सिटी,कोलकाता-७००१०६

कविता

पारदर्शी-दोहे

भटके सच्ची राह से, जब शिक्षित सन्तान।
मात 'पारदर्शी' पिता, जीवित मरे समान।।
जहाँ नहीं संस्कार-धन, वहाँ नहीं उत्थान।
समझ 'पारदर्शी' यही, सत्य सदा इंसान।।
आभूषण संस्कार का, पहना जिसने अंग।
प्रगति 'पारदर्शी' करे, बढ़ता नित्य अभंग।।
संस्कारों से मनुज की, होती है पहचान।
प्राप्त 'पारदर्शी' करे, सभी जगह सम्मान।।
मान बड़ों का कीजिये, छोटों से कर प्यार।
सुखी 'पारदर्शी' रहे, जब सारा संसार।।
भौतिकता इतनी बढ़ी, भूले निज पहचान।
भटक 'पारदर्शी' गई, पश्चिम में सन्तान।।
संस्कारी करते नहीं, विकथा और विवाद।
रहे 'पारदर्शी' सदा, रख अपनी मर्याद।।
संस्कारी हर कार्य को, करता सोच-विचार।
करे 'पारदर्शी' सदा, दुखियों पर उपकार।।
जीवन बाग हरा-भरा, हो संस्कार विशेष।
रहे 'पारदर्शी' नहीं, वहाँ कष्ट-दुख-क्लेश।।
टीवी से मिलते हमें, जहरीले संस्कार।
चित्र 'पारदर्शी' निरख, फिल्मों की भरमार।।
दूरदर्शन प्रदर्शनी, देख रहा संसार।
ऊँ 'पारदर्शी' मिटे, भारतीय संस्कार।।
संस्कारों से युक्त हो, जीवन विमल विशुद्ध।
बने 'पारदर्शी' वही, विद्यावन्त प्रबुद्ध।।
संस्कारों की सम्पदा, रहती जिसके पास।
वहाँ 'पारदर्शी' सदा, फैले मधुर-सुवास।।
सुन्दरतम संस्कार का, हो जीवन में वास।
ऊँ 'पारदर्शी' तभी, पाता राष्ट्र-विकास।।
जिसके हृदय प्रदेश में, सद्संस्कार निधान।
बने 'पारदर्शी' वही, जग में सदा महान।।

- छन्दराज ऊँ 'पारदर्शी' उदयपुर (राज.)

हे ली

न्यारा-न्यारा चरित जगत में झालो दे'र बुलावै है।
सोच समझ की बोल म्हारी हेली! तूँ कांई बणणे चावै है।।

कुबदगारी घणी'रै कतरणी, कतर-कतर टुकड़ा करदे
सुगणी सूई टुकड़ो-टुकड़ो जोड़-जोड़ सिलकी धरदे
अेक करै दौ टूक हमेसां, दूजी मेळ मिलावै है।
सोच समझ की बोल म्हारी हेली! तूँ कांई बणणे चावै है।।

सदां बिखेरै नाज दळंती, चलती चक्की बोछरड़ी
चूल समावै चून समूचो मांड्यां छाती पड़ी रै पड़ी
एक दुतकारै दूर भगावै, दूजी हिए लगावै है।
सोच समझ की बोल म्हारी हेली! तूँ कांई बणणे चावै है।।

लौह लकड़ी स्यूं दोनूं बण्योड़ा, इक बंदूख'र इक हळियो
दोन्यां नै हीं हरख मानखो, हांड रयो रै कांधे धरियो
एक बहावै खून चलै जद, दूजो अन्न निपजावै है।
सोच समझ की बोल म्हारी हेली! तूँ कांई बणणे चावै है।।

त्रेता जुग में राम और रावण, दोनूं हीं हा रणबंका
एक अमर होग्यो दूजै की लुंटगी सोने की लंका
कह कवि कवि ताऊ मिनख सदां हीं करणी को फळ पावै है।
सोच समझ की बोल म्हारी हेली! तूँ कांई बणणे चावै है।।

(टिप्पणी : राजस्थानी भाषा में हेली आत्मा को कहते हैं।)

ताऊ शेखावाटी
३२,जवाहर नगर, सवाई माधोपुर (राज.)

भूल सुधार

१. अक्टूबर माह के 'समाज विकास' के पृष्ठ ३४ पर 'श्री हनुमान सरावगी अमृतोत्सव' के पैरा दो में २५ वर्ष की जगह ७५ वर्ष पढ़ने की कृपा करेंगे।

२. अक्टूबर माह के अंक पृष्ठ २४ में ६ रोहर-३ कॉलम के अन्तर्गत 'संस्था के पदाधिकारी' में श्री ओमप्रकाश चौधरी (मानद सचिव) का चित्र व नाम छूट गया है। पृष्ठ २३ में उनका नाम एवं चित्र दिया गया है कृपया इसे सुधार लें।

संस्था परिचय

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच

संक्षिप्त परिचय एवं इतिहास

श्री अनिल जाजोदिया

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच भारतवर्ष में कार्यरत भारतीय मूल की सामाजिक स्वयंसेवी संगठनों में अग्रणी संस्था है। इस संस्था की राष्ट्रीय स्तर पर स्थापना २० जनवरी, १९८५ को हुई थी।

ज्ञातव्य है कि १९७७ में गुवाहाटी नगर में स्थानीय स्तर पर स्थापित इस संगठन की जड़ें सन् १९८३ तक पूर्वोत्तर प्रदेशों के २३ शहरों में फैल गयी थीं और इससे प्रभावित होकर संगठन की शाखाएँ अन्य प्रान्तों में भी खोली जाने लगी। तदुपरान्त १८-१९-२० जनवरी १९८५ को गुवाहाटी में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन में मंच का राष्ट्रय स्वरूप विधिवत रूप से स्थापित हुआ।

संगठन

इस संगठन के संचालन की त्रिस्तरीय व्यवस्था राष्ट्र, प्रान्त एवं शाखा स्वरूप में परिणत है। मंच का अपना सुलिखित संविधान है, जिसकी परिपालना हर स्तर पर की जाती है। दो दशक की सक्रिय कार्यविधि में मंच संगठन का आशातीत विस्तार हुआ है। १९८५ में जहाँ ७६ शाखाएँ विविन्न स्थानों में कार्यरत थीं, वहीं आज देश के १८ प्रांतों में ५०० से अधिक शाखाएँ सक्रियतापूर्वक सेवारत हैं और संगठन से जुड़कर २५ हजार से अधिक युवक/युवतियाँ निःस्वार्थ भाव से विभिन्न प्रकल्पों को संपादित करने में अपना योगदान दे रहे हैं, विभिन्न प्रान्तों की शाखाओं के सुचारू रूप से संचालन हेतु प्रान्तीय स्तर पर प्रान्तीय इकाईयाँ गठित की गई हैं, जिनका मार्गदर्शन मंच की राष्ट्रीय इकाई करती है। वर्तमान में ग्यारह राज्यों में प्रान्तीय इकाईयाँ कार्यरत हैं। शाखाओं को नेतृत्व प्रदान करने हेतु प्रतिवर्ष अनिवार्य रूप से शाखा कार्यकारिणी समितियों के चुनाव सम्पन्न होते हैं। प्रान्तीय व राष्ट्रीय स्तर पर त्रैवार्षिक अधिवेशनों में कार्यकारिणी समितियाँ गठित की जाती हैं। अब तक मंच के आठ राष्ट्रीय अधिवेशन (गुवाहाटी १९८५, दिल्ली १९८८, सिलीगुड़ी १९९१, कोलकाता १९९४, धनबाद १९९६, जमशेदपुर २०००, कटक २००२ एवं रायपुर २००६) सम्पन्न हो चुके हैं।

एम्बुलेन्स सेवा

कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय कार्यालय

वर्तमान में मंच का राष्ट्रीय कार्यालय दिल्ली में स्थित है। विभिन्न शाखाओं से सम्पर्क बनाए रखने, समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन देने, मंच स्टेशनरी एवं अन्य सामग्रियों की आपूर्ति करने तथा शखाओं की गतिविधियों का आकलन कर उन्हें सक्रिय रखने का कार्य राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा संपादित किया जाता है। मंच की गतिविधियों और उद्देश्यों के प्रचार-प्रसार, समाज बंधुओं एवं मंच सदस्यों के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने एवं मंच की विभिन्न शाखाओं द्वारा

किए जा रहे कार्यों को सामने लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा प्रत्येक माह मासिक पत्रिका 'मंच संदेश' का प्रकाशन किया जाता है, जिसकी प्रतियाँ मंच के सभी सदस्यों एवं शुभेच्छुओं को हर माह प्रेषित की जाती है। इसके साथ-साथ मंच द्वारा एक तिमाही मुख पत्रिका 'मंचिका' का भी प्रकाशन किया जाता है, जिससे समस्त गतिविधियों, प्रतिभाओं व विषयों का पुनरावलोकन सबके समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

मंच दर्शन

मंच शाखाओं की गतिविधियाँ एक सुपरिभाषित मंच दर्शन के अनुरूप संचालित होती है, जिसके पाँच सूत्र हैं-

१. मंच आधार- जनसेवा,
२. मंच भाव- समाज सुधार,
३- मंच शक्ति- व्यक्ति विकास,
४- मंच चाह- सामाजिक सम्मान व आत्म सुरक्षा,
५. मंच लक्ष्य- राष्ट्रीय विकास व एकता।

राष्ट्रीय कार्यक्रम

मंच के घोषित कार्यक्रम एम्बुलेन्स/शववाहिनी सेवा, कृत्रिमअंग प्रत्यारोपण व अमृत धारा व साहित्य प्रकाशन है। मंच की विभिन्न शाखाएँ पूरे राष्ट्र में १६५ से अधिक एम्बुलेन्स व शववाहिनी सेवाओं का संचालन कर रही है। अब तक विभिन्न शिविरों के माध्यम से पैंतीस हजार से अधिक कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ एवं कैलीपर विकलांगों को निःशुल्क प्रत्योरोपित किये जा चुके हैं। मंच कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम और एम्बुलेन्स व शववाहिनी सेवा के क्षेत्र में देश की समान सेवाओं वाले संगठनों में अग्रणी है। मंच की अधिकांश शाखाओं के द्वारा अमृतधारा योजना के तहत आवश्यकता वाले स्थानों पर स्थायी एवं अस्थायी शीतल पेयजल केन्द्रों की स्थापना की जाती है। कई ग्रामीण शाखाओं के द्वारा स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप चापाकल एवं ट्यूबवेल भी पेयजल उपलब्ध कराने हेतु लगाए गए हैं। मंच द्वारा समय-समय पर उपयुक्त साहित्यों का प्रकाशन भी किया जाता रहा है।

नेशनल मारवाड़ी फाउण्डेशन

मंच द्वारा प्रायोजित नेशनल मारवाड़ी फाउण्डेशन नामक ट्रस्ट के तहत सिलिगुड़ी में एक करोड़ की लागत से एक स्थायी वृहत कृत्रिम अंग निर्माण एवं प्रत्यारोपण केन्द्र एवं दिल्ली में शोध व अनुसंधान केन्द्र संचालित है। नेशनल मारवाड़ी फाउण्डेशन द्वारा संचालित मोबाईल वर्कशॉप एवं तकनीशियों के सहयोग से मंच की विभिन्न शाखाओं द्वारा संपूर्ण राष्ट्र में अपंग व्यक्तियों के लाभार्थ शिविर लगाकर उन्हें कृत्रिम अंग प्रदान किये जा रहे हैं। मंच द्वारा कृत्रिम अंगों का वितरण पूर्णतः निःशुल्क होता है। भविष्य में इस केन्द्र को विकसित करते हुए अस्थि रोग चिकित्सालय स्थापित करने की भी योजना है जिसके माध्यम से पोलियोग्रस्त बच्चों को अधिक से अधिक लाभ पहुँचाने का विनम्र प्रयास रहेगा।

सामूहिक विवाह का आयोजन

जनसेवा

मंच की शाखाओं द्वारा जन सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे अन्य प्रमुख कार्यक्रम हैं- ऑक्सीजन सेवा, टीकाकरण कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं शल्यचिकित्सा शिविरों का आयोजन, रक्त दान एवं रक्त वर्गीकरण कार्यक्रम आदि। देश के किसी भी भाग में प्राकृतिक आपदा आई हो, चाहे वह उत्तरांचल, गुजरात या महाराष्ट्र - लातूर का विनाशकारी भूकम्प हो या उड़ीसा का सुपर साइक्लोन, असम, प. बंगाल एवं बिहार में बाढ़ की विभिषिका हो या अंडमान निकोबार में सुनामी तूफान, मंच ने उन स्थानों पर विभिन प्रकार के राहत कार्यों का संचालन किया है, देश में घटित बड़ी दुर्घटनाओं यथा- गईशाल (प. बंगाल), गया (बिहार) में हुई रेल दुर्घटना, एवं स्थानीय स्तर पर अन्य दुर्घटना में भी शाखाएँ सेवा देने हेतु तत्पर रहती हैं। कारगिल युद्ध के समय मंच की शाखाओं ने कई प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से धनराशि एकत्रित कर युद्ध में शहीद हुए जवानों के सहायतार्थ प्रेषित करने के साथ ही जवानों के मनोबल को बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम किये। श्रावण मास में आयोजित होने वाले विश्व के विशालतम धार्मिक समागम के समय मंच की शाखाएँ लाखों कावड़ियों के लिए निःशुल्क विविध प्रकार की सुविधाओं के साथ सेवा सुश्रुषा पिछले कई वर्षों से करती आ रही है। मंच की कई शाखाओं द्वारा स्थायी प्रकल्पों के तहत बहुपयोगी मंच भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, शिशु टीकाकरण केंद्र, होमिया एवं दातव्य चिकित्सालय, वाचनालय, पुस्तकालय, ब्लड बैंक, विद्यालय,

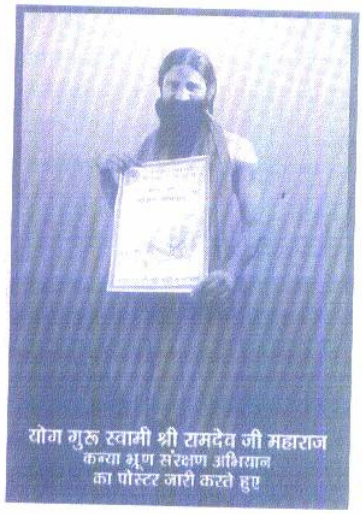

योग गुरू स्वामी श्री रामदेव जी महाराज कन्या भ्रूण संरक्षण अभियान का पोस्टर जारी करते हुए

कन्याभ्रूण संरक्षण अभियान

वस्तु भंडार, श्मशान घाट आदि संचालित किये जा रहे हैं।

युवा विकास

मंच का ध्येय यह रहा है कि युवाओं के सर्वांगीण तथा बौद्धिक विकास कर इस शक्ति को राष्ट्र निर्माण हेतु प्रेरित करना, युवा पीढ़ी में समाज एवं राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध की भावनाओं को जागृत करना मंच की प्राथमिकता रही है। मंच की शाखाएँ योग, व्यायाम शिविर, सह-चिंतन, नेतृत्व विकास, कार्यशाला, ललित कला जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती है। मंच ने देशभक्ति गीत प्रतियोगिता, राष्ट्रीय, प्रान्तीय व शाखा स्तर पर आयोजित की है। साथ ही वृक्षारोपण, अभिनन्दन समारोह, सांस्कृतिक संध्या इत्यादि कार्यक्रम लगातार आयोजित किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय चित्रांकन व राष्ट्रीय गीत प्रतियोगिता भी मंच के प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम हैं।

राष्ट्रीय विकास

राष्ट्रीय विकास एवं एकता मंच का लक्ष्य है तथा इस हेतु शाखाएँ समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती है। इनमें स्वाधीनता दिवस, गणतंत्र दिवस, महापुरुषों की जयंती के पालन के अतिरिक्त स्थानीय पर्व एवं महत्वपूर्ण दिवसों पर कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख है। राष्ट्रीय, प्रान्तीय अधिवेशनों के अवसर पर निकाली जाने वाली विभिन्न झांकियों से युक्त आकर्षक, शांति व सद्भावना यात्रा मंच का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका हर जगह समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वर्ष १९९८-९९ में समाज सेवी ओर स्वतंत्रता सेनानी बाबा आप्टे के भारत जोड़ो आंदोलन की यात्रा के संपूर्ण मार्ग पूर्वोत्तर के ईटानगर से गुजरात में औखला तक मंच की शाखाओं ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया था।

समाज सुधार

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ मंच ने हमेशा आवाज बुलन्द की है। विवाह के अवसरों पर होने वाली फिजूलखर्ची, दहेज आदि की बढ़ती प्रवृति को रोकने के लिए वैवाहिक परिचय सम्मेलन और सामूहिक विवाह के कार्यक्रम गरिमापूर्ण तरीके से शाखाओं द्वारा आयोजित किये गये हैं। समाज के युवाओं को खोखली करती नशे की प्रवृत्ति को जड़ से मिटाने के लिए नशा उन्मूलन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत शाखाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टीकर, बैनर, पम्पलेट, हैण्डबिल एवं पोस्टर इत्यादि वितरित किये जाते हैं। कन्या भ्रूण संरक्षण भी मंच का एक महत्वपूर्ण कार्य क्षेत्र है जिसमें उल्लेखनीय प्रयास किये जा रहे हैं।

सेवा संकल्प

धर्म, जाति, भाषा एवं सम्प्रदाय के भेद-भाव से परे हटकर राष्ट्रीय एकीकरण के महती कार्य में यह संगठन हर संभव सहयोग प्रदान कर रहा है। राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों की भाषा, संस्कृति एवं कलाओं से स्वयं को जोड़कर मंच ने समन्वय एवं सामंजस्य के अनेकानेक प्रभावी कार्यक्रम संपादित किये हैं। यही कारण है कि जहाँ एक ओर देश के हर कोने में मारवाड़ी समाज ने अपने प्रतिनिधि संगठन के रूप में इसे मान्यता प्रदान की है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र के दूसरे वर्गों ने इसे एक राष्ट्रवादी संगठन के रूप में स्वीकार किया है। इस राष्ट्र में निवास करने वाले विशाल जन-समूह की समस्याओं एवं देश की वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर मंच अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु सदैव सचेष्ट है एवं पूरी निष्ठा के साथ नित्य नये आयाम स्थापित करने की ओर अग्रसर है। मंच का यह दृढ़ विश्वास है कि आने वाले समय में राष्ट्रीय विकास एवं एकता के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन इस संगठन द्वारा और भी प्रभावी रूप में सामने आयेगा।

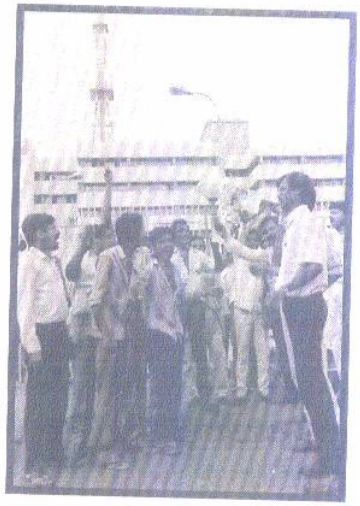

आत्मसम्मान के प्रति सजग मंच

संस्था के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्षः श्री अनील जाजोदिया
संपर्कः ३४३२/१३, हसन बिल्डिंग,
निकल्सन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली-६.

बिहार : विकास के पथ पर

सुशील मोदी

नीतिश सरकार ने सत्ता में आते ही संकल्प लिया था कि बिहार में विकास का वातावरण तैयार किया जायेगा और प्रदेश की सकारात्मक छवि बनाई जायेगी। आज देश-विदेश के व्यावसायिक संस्थान राज्य में निवेश करने को इच्छुक हैं, जबकि एक समय था जब यहाँ के व्यवसायी अपना व्यवसाय समेट कर पलायन कर रहे थे।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बिहार की छवि में सकारात्मक बदलाव आया है। लोग बिहार को क्षमतावान राज्य मानते हुये बिहार और बिहारवासियों का उनका उचित सम्मान कर रहे हैं। अब बिहारी कहलाना शर्म नहीं, गर्व का विषय है।

विगत दो वर्षों में समाज के सभी वर्गों को न्याय और सबके समुचित विकास हेतु पूरी ईमानदारी से प्रयास किया है। इसके लिए नये कानून और नीतियाँ बनाई हैं, पुराने कानूनों में आवश्यक संशोधन किये हैं और आमजनों में आत्मविश्वास पैदा किया है। अब राज्य का प्रत्येक व्यक्ति, प्रदेश की विकास यात्रा में अपना योगदान देने के लिए तत्पर दिखने लगा है।

विधि-व्यवस्था में सुधार, कृषि एवं ग्रामीण विकास, भ्रष्टाचार पर प्रहार, शिक्षा में गुणात्मक सुधार, सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार, अल्पसंख्यक कल्याण, ग्रामीण विकास और महिलाओं, बच्चों, निःशक्तों और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को अपनी प्राथमिकता सूची में रखा था।

विधि-व्यवस्था में उत्तरोत्तर सुधार हुआ है। अपराधों में कमी आई है। अपराधी किसी भी स्तर को, कितने ही बड़े ओहदे वाला क्यों न हो, प्रशासन उन पर उचित कार्रवाई कर रहा है। पुलिस प्रशासन की सजगता और सचेष्टता तथा मुकदमों के त्वरित ट्रायल से यह संदेश गया है कि अपराधी खुलेआम नहीं घूम सकते। पुलिस प्रशासन बिना किसी प्रकार के पक्षपात के अपना कार्य कर रहा है और प्रदेश में कानून का राज्य स्थापित हुआ है।

प्रशासन के सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिये निगरानी तंत्र को सशक्त बनाया गया हैं सी.बी.आई. के अवकाश प्राप्त अधिकारियों की सेवा ली गई है। निगरानी तंत्र पुलिस एवं प्रशासन के सामान्य से लेकर उच्चतम अधिकारियों पर कार्रवाई कर रहा है।

शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए कई महत्वाकांक्षी पहल एवं नई योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं। बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों के माध्यम से की गई है, नये स्कूलों की स्वीकृति दी गई है और नए स्कूल भवनों का निर्माण किया गया है। स्कूल जाने वाली बच्चियों को पोशाक और साइकिलों के लिए धनराशि दी जा रही है। सभी बच्चियों तथा अनुसूचित जाति और जन जाति के बच्चों को पाठ्यपुस्तकों की निःशुल्क आपूर्ति की जा रही है। राष्ट्रीय स्तर का चाणक्य नेशनल विधि विश्वविद्यालय पटना में स्थापित किया गया है। इसमें द्वितीय बैच का नामांकन हो चुका है। नालंदा में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय (यूनिवर्सिटी ऑफ नालंदा) तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट (आइ. आइ. एम) तर्ज पर उच्च गुणवत्ता युक्त राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन संस्थान बनाये जाने का कार्य प्रगति पर है।

लौह पुरुष

एक ग्रामीण बालक को एक बड़ा फोड़ा निकला। उन दिनों देहातों में डॉक्टरी इलाज का चलन नहीं हुआ था। मामूली जानकार लोग ही इलाज करते थे। फोड़ें का इलाज उस समय लोहे की गर्म सलाखों से दाग कर किया जाता था।बालक के फोड़े के इलाज के लिये देहाती वैद्य ने यही इलाज बताया।

पर लाल सलाखों से दागने का जब समय आया, तब बालक की अत्यंत छोटी आयु देखकर वैद्य ठिठक गया कि कहीं गड़बड़ न हो जाये। पर तभी बालक ने कहा--लोहा ठंडा हुआ जा रहा है। आपको डर लगता हो तो मुझे आज्ञा दीजिए। मैं अपने आप ही अपना फोड़ा जला लूंगा। देखने वाले दंग रह गये। बालक का फोड़ा कई जगह से जलाया गया पर उसके चेहरे पर शिकन भी न आई। यही बालक आगे चलकर भी एकता को पुष्ट करने वाला हुआ- लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल।

युगपथ चरण

प.बं.प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच

दिपावली प्रीति सम्मेलन

पश्चिम बंगाल प्रांत कोलकाता मंडल क्षेत्र-'ग' की शाखाएं क्रमशः हिन्दमोटर, बेलूड़, हावड़ा, उत्तर मध्य कोलकाता, कोलकाता, ग्रेटर कोलकाता, उत्तर नार्थ कोलकाता, सिटी ऑफ ज्वाय शाखाओं द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित दीपावली प्रीति सम्मेलन में मंच परिवार के सदस्यों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्वरुचि भोज का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ दिनांक १७ नवम्बर २००७ को सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मंच परिवार सहित कुल २५० लोग उपस्थित हुए।

इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बलराम सुल्तानिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष क्षेत्र-'क' श्री श्रवण अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री महेश जालान, श्री राजेन्द्र प्रसाद दुहिमा, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेश शाह, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष कानोड़िया, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राजगोपाल सारडा (आंध्र प्रदेश), प्रांतीय अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री नरेश अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री विमल नवलखा और राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

.....

वर्ष २००६-०७ का पुरस्कार वितरण

१. विशिष्ट शाखा- हिन्दमोटर, हावड़ा, जागृति रिसड़ा, उत्तर मध्य कोलकाता, रिसड़ा, कोलकाता।
२. सर्वश्रेष्ठ प्रांतीय सभा सदस्य - श्री फंकज डिड़ेवाल, हावड़ा शाखा।
३. सर्वश्रेष्ठशाखा कोषाध्यक्ष- श्री रवनि शर्मा, रिसड़ा शाखा
४. सर्वश्रेष्ठ शाखा अध्यक्ष- श्री प्रमोद जैन, रिसड़ा शाखा
५. सर्वश्रेष्ठ प्रांतीय संयोजक- श्री दिलीप गोयनका, उत्तर मध्य कोलकाता शाखा
६. कृत्रिम पैर प्रत्यारोपण- जागृति रिसड़ा शाखा
७. अमृत जलधारा-रिसड़ा शाखा
८. साहित्य प्रकाशन-उत्तर मध्य कोलकाता, जागृति रिसड़ा शाखा
९. एक्यूप्रेशर प्रशिक्षण शिविर- रिसड़ा शाखा
१०. सर्वाधिक दानपत्र- बड़े शहर: द्वितीय-उत्तर मध्य कोलकाता
सर्वाधिक दानपत्र- शहरी शाखा-प्रथम रिसड़ा शाखा
सर्वाधिक दानपत्र- ग्रामीण शाखा: द्वितीय-जागृति
११. सर्वाधिक दानपत्र- शहरी शाखा एकल पुरस्कार- प्रथम-राकेश भंसाली, रिसड़ा
सर्वाधिक दानपत्र- शहरी शाखा एकल पुरस्कार- द्वितीय- मनोज सोमानी, रिसड़ा
सर्वाधिक दानपत्र- शहरी शाखा एकल पुरस्कार- तृतीय- रवि शर्मा, प्रमोद जैन, रिसड़ा
सर्वाधिक दानपत्र- ग्रामीण शाखा एकल पुरस्कार- तृतीय- अनुराधा खेतान, जागृति रिसड़ा
१२. दानपत्र मंडलीय पुरस्कार- शत-प्रतिशत भागीदार- बिमल चौधरी, कोलकाता
१३. कृत्रिम पैर प्रत्यारोपण सम्बल कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रान्तीय अध्यक्ष पुरस्कार- प्रमोद जैन, रिसड़ा

यह सूचना श्री बिमल कुमार चौधरी, प्रांतीय उपाध्यक्ष,ने दी।

मिशन कोलकाता

मंच नेतृत्व ने यह महसूस किया है कि कोलकाता शहर एवं उनके संलग्न उपनगरों में मंच का विस्तार उस तरह से नहीं हो पाया है, जितना जनसंख्या के अनुपात में होना चाहिए था। कोलकाता क्षेत्र में मंच के विकास की अपार संभावनाओं को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अर्नेल जाजोदिया की उपस्थिति में इस क्षेत्र के सभी राष्ट्रीय/प्रान्तीय एवं शाखा पदाधिकारियों ने 'मिशन कोलकाता' के अन्तर्गत यह लक्ष्य रखा है कि आगामी दिनों में इस क्षेत्र में मंच की कम से कम ५० नई शाखाएँ हों और कम से ५,००० नये सदस्य मंच परिवार में शामिल किये जायें। मंच की प्रभावी भूमिका के लिये अधिक से अधिक युवाओं को मंच परिवार से जोड़ने का आह्वान किया गया है।

मंच विस्तार के कार्यक्रम :

१. प्रत्येक सदस्य कम से कम दस नये सदस्य अवश्य बनाये।
२. सदस्य आपकी अपनी शाखा में भी बनाये जा सकते हैं और आवश्यकता के अनुसार नई शाखाएं भी स्थापित की जा सकती हैं। नई शाखाएं अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित करने का प्रयास होना चाहिए।
३. अपने परिचय के दायरे में, हर १८-२० वर्ष के मारवाड़ी युवा से सदस्य बनने का आग्रह करें। उनकी रुचि, पेशा एवं निवास के आधार पर उन्हें किसी भी शाखा में स्थान दिया जा सकता है।

सम्पर्क: श्री दिलीप गोयनका(चेयरमेन) मो. ९८३१२८१५००, श्री प्रदीप जीवराजका(संयोजक) मो. ९८३११०९९२२

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

बेरोजगार मारवाड़ी युवक-युवतियों को रोजगार की पहल

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन समाज के बेरोजगार युवक-युवतियों के रोजगार हेतु पहल की है। इसके लिए विभिन्न औद्योगिक घरानों से रोजगार देने का अनुरोध किया गया है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों से सम्मेलन लगातार सम्पर्क में है।

सम्मेलन अध्यक्ष श्री विश्वनाथ सुल्तानिया एवं महासचिव श्री रामगोपाल बागला ने विज्ञप्ति में कहा है कि सम्मेलन समाज के बेरोजगारों को उचित रोजगार दिलाने हेतु यह अभियान शुरू किया है। बेरोजगार युवक-युवतियाँ महासचिव से मोबाईल फोन नं. ९८३१६४६२०१ पर सम्पर्क कर आवेदन पत्र भेज सकते है।

.....

बिहार मारवाड़ी सम्मेलन, शिक्षा समिति

बिहार मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा समिति, पटना की कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक ३०..२००७ को प्रो. (डा.) श्याम सुंदर तुलस्यान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से छात्रवृत्ति की राशि २५ से ३० प्रतिशत तक वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है ताकि समाज के मेधावी, जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को विशेष आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सके। अतः सभी छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से अनुरोध है कि वृत्ति छात्रवृत्ति प्राप्ति हेतु कार्यालय से संबंध स्थापित कर सकते है। पुनः दानवीर दाताओं से भी विशेष अनुरोध है कि अपना तन-मन-धन से इस संस्था से जुडकर पुण्य व यश के भागी बनें।

.....

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन

सिलचर शखा द्वारा राहत कार्य

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी युवा मंच ने दिनांक १४.६.२००७ से २१.६.२००७ यानी ८ दिनों तक बाढ़ पीड़ितों में सिलचर शहर से बाहर नौका द्वारा जाकर पूड़ी, सब्जी, खिचड़ी, चिवड़ा-गुड़ इत्यादि खाद्य पदार्थों का वितरण २० से २५ हजार लोगों में किया गया। फेनाइल, डीडीटी, ब्लिचिंग पाउडर आदि का वितरण भी किया गया।सहायता कार्य में रत प्रमुख सक्रिय कार्यकर्ता थे- सर्वश्री देवकीनन्दन जालान, राजेन्द्र अग्रवाल, गोविन्द मुंदड़ा, बुद्रमल बैद, कमल शारदा, सुशील तापड़िया, पंकज जैन, हनुमान प्रसाद जैन, महावीर प्रसाद जैन, बंसीलाल भाटी, दिलीप जैन, परमेश्वरलाल काबरा, पवन अग्रवाल, मूलचंद बैद, राजेन्द्र बुधा, सुमित राठी, रतन गोलछा एवं मूलचंद शर्मा आदि।

.....

प्रथम नेपाल अग्रवाल सम्मेलन

जनवरी २००८ में दो दिवसीय सम्मेलन

नेपाल में करीब ५५० वर्षों से राष्ट्र के समग्र विकास में समर्पित अग्रवंशी बन्धुओं का प्रथम सम्मेलन विराटनगर में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में अग्रकुल प्रवर्तक महाराज अग्रसेन जी की कीर्ति के बारे में चर्चा-परिचर्चा होगी साथ ही अग्रवंशियों के गौरवशाली इतिहास एवं स्वर्णिम वर्तमान के बारे में जानकारियों का आदान-प्रदान होगा। बदली हुई परिस्थितियों में अपनी परम्पराओं, रीत-रिवाजों, मान्यताओं के साथ-साथ 'सेवा, संगठ, समुन्नति तथा सुसंस्कार' जैसे विषयों पर भी चिन्तन किया जाएगा। समग्र मारवाड़ी समाज के संगठन, एकता एवं सशक्तिकरण में समाज की सकारात्मक भूमिका के बारे में भी विचार-विमर्श होगा।

इस संदर्भ में देश भर के अग्र बन्धुओं से सम्पर्क और प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रस्तावित सम्मेलन २०६४ साल के पौष के उत्तरार्द्ध अर्थात जनवरी २००८ में करने का निश्चय किया गया है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश के विभिन्न भागों से अग्रबन्धु सहभागी होंगे। मित्रराष्ट्र भारत से सम्मानित व्यक्तित्वों की उपस्थित अपेक्षित है। अतः अग्रवंशियों के इस पावन कुंभ में आपकी उपस्थिति के लिए सादर अनुरोध किया गाया है। आप समाज के अन्य बन्धुओं से भी इस विषय में परिचर्चा कर उन्हें भी प्रोत्साहित करें एवं उनके नाम हमें भेजें ताकि उन्हें भी आमंत्रित किया जा सके।

इस अवसर पर एक स्तरीय एवं संग्रहणीय स्मारिका प्रकाशित करने की जायेगी। इस सम्मेलन को उपलब्धिमूलक एवं स्मरणीय बनाने के लिए आपसे सहयोग, सलाह, सुझाव, सहभागिता की विनम्रतपूर्वक अपेक्षा की गई है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला गोष्ठी भी आयोजित होगी। संपर्क: फोन नं. ०२१-५३७५३८ कार्यालय, भीमचंद सरल-०९८५२०२९७७७

.....

लघुकथा: नन्कू सेठ में विवेक नाम की चीज बहुत कम थी, पर पूर्व जन्म के पुण्य से ही उसके पास पाँच-सात लाख का माल इकट्ठा हो गया था। सेठ को दिखावे का बड़ा शौक था, अतः मुनीम से बोला कि अखबार में विज्ञापन दो कि हमें अच्छे चौकीदार की आवश्यकता है जो पूरी रात जागकर हमारे सोने-चाँदी के बर्तनों तथा गहनों की हिफाजत कर सके।

मुनीम ने कहा कि इस विज्ञापन को दूसरी तरह के भाषा में लिखना ठीक रहेगा। पर सेठ ने कहा मैं कहता हूँ सो करो। कहकर विज्ञापन भिजवा दिया। नतीजा यह हुआ कि चौकीदार के लिए अर्जी आए उससे पहले ही रात को चोर आ धमके तथा घर साफ कर गये। ●

विशेषांक

मारवाड़ी महिला समिति, जूनागढ़ शाखा

अग्रसेन जयन्ती पालन

मारवाड़ी पंचायत, युवा मंच एवं मारवाड़ी महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में लक्ष्मीनाराण राईस मील में महाराज अग्रसेन की जयन्ती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चमेली देव महिला महाविद्यालय में महाराज अग्रसेन की फोटो की पूजा के बाद शोभायात्रा नगर परिक्रम किया गया। श्री माणिकचंद अग्रवाल, पूर्व नगरपालिका की अध्यक्षता में आयोजित सभा में श्रीमती सुशीला फरमानिया राज्य सभापति (२००८-१०) मारवाड़ी महिला समिति मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती इन्दु मुंधड़ा मुख्य वक्ता एवं श्री ललित कुमार अग्रवाल सम्मानित अतिथि के रूप में योगदान किया। श्री सुभाष अग्रवाल, सभापति मारवाड़ी पंचायत, श्री गोपाल मित्तल सभापति युवा मंच, श्रीमती जामोती देवी अग्रवाल मारवाड़ी महिला समिति अध्यक्षा मंच पर उपस्थित थे। विभिन्न प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन, डिब्रूगढ़ शाखा

बाढ़ सहायता - एक रिपोर्ट

असम में बाढ़ की समस्या कितनी गंभीर है, यह सर्वविदित है। हर साल की तरह इस साल भी असम के अन्य जगहों के साथ ही डिब्रूगढ़ जिला में भी बाढ़ का भारी प्रकोप रहा और जिले के अनेक गाँव जलमग्न नजर आ रहे थे।प्रकृति का प्रलयंकारी एवं विध्वंसकारी रूप के आगे विवश होकर अनेक बाढ़ प्रभावित लोग अपना घर-बार छोड़कर किसी सुरक्षित स्थान की तलाश में निकल रहे थे।

ऐसे में पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन, डिब्रूगढ़ शाखा जिम्मेवारी लेते हुए सामने आया एवं डिब्रूगढ़ के अन्य अग्रणी संगठनों को साथ लेकर बाढ़ पीड़ितों की मदद करने का संकल्प लिया। इस काम में सम्मेलन के साथ जिन अन्य संगठनों ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया वे हैं मारवाड़ी युवा मंच, डिब्रूगढ़ शाखा, ईस्टर्न असम चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री- डिब्रूगढ़, श्री मारवाड़ी नाट्य समिति- डिब्रूगढ़, मटक युवा छात्र परिषद डिब्रूगढ़ शाखा, आल असम स्टुडेंट्स यूनियन (आसू) डिब्रूगढ़ शाखा, जातीयतावादी युवा छात्र परिषद डिब्रूगढ़ शाखा, सोनोवाल कछारी युवा परिषद डिग्रूगढ़ शाखा और श्री व्हीलर्स आटो यूनियन डिब्रूगढ़ । इन सभी संगठनों को एक साथ जोड़कर काम करने के पीछे सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री विजय खेमानी की उल्लेखनीय भूमिका रही।

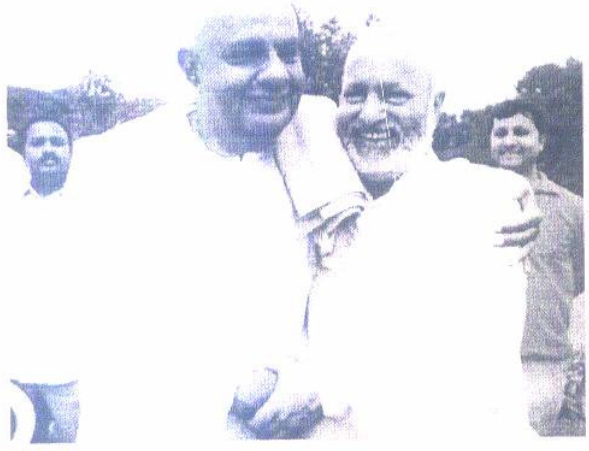

पुर्व प्रधानमंत्री श्री एच.डी.देवेगौड़ा के साथ इन्डियन नेशनलन लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (समाजवादी नेता) श्री नारायण अग्रवाल का कर्नाटक में स्वागत करते हुए

शब्द-ऋषि श्री कन्हैयालाल सेठिया

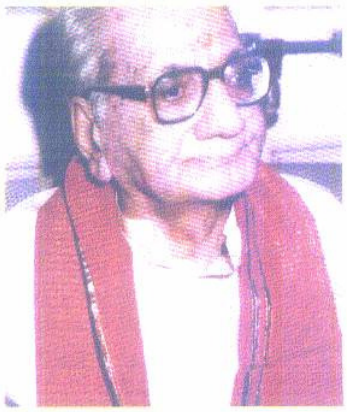

राजस्थानी के भीष्म पितामह कहे जाने वाले श्री कन्हैयालाल सेठिया जी को कौन नहीं जानता होगा। यदि कोई नहीं जानता हो तो कोई बात नहीं पर इनकी इन पंक्तियों को तो देश का कोना कोना जानता है--

धरती धोरां री..... ...आ तो सुरगां नै सरमावै,
ई पर देव रमण नै आवै, ई रो जस नर नारी गावै
धरती धोरां ओ ..... धरती धोरां री।

११ सितम्बर १९१९, सुजानगढ़ (राजस्थान) में जन्मे श्री सेठिया जी का यह अमर गीत देश के कण-कण में गूंजने लगा, हर सभागार में धूम मचाने लगा, घर-घर में गाया जाने लगा। स्कूल कालेज के पाठ्यक्रमों में इनके लिखे गीत पढ़ाये जाने लगे, जिसने पढ़ा वह दंग रह गया, कुछ साहित्यकारों की इस सोच को तार-तार करके रख दिया जो यह मानते थे कि श्री कन्हैयालाल सेठिया सिर्फ राजस्थानी कवि हैं। इनके प्रकाशित काव्य संग्रह ने यह साबित कर दिखया कि श्री सेठिया जी सिर्फ राजस्थानी के ही नहीं पूरे देश के कवि हैं।

हिन्दी जगत की एक व्यथा यह भी रही कि वह जल्दी किसी सम्पर्क क्षेत्रीय भाषा को अपनी भाषा के समतुल्य नहीं मानता, दक्षिण भारत के एक से एक कवि हुए, उनके हिन्दी में अनुवाद भी छापे गये, विश्व कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कविताओं का भी हिन्दी अनुवाद आया, सब इस बात के लिये तरसते रहे कि हिन्दी के पाठकों में इनके गीत गुनगुनाये जायें, जो आज तक संभव नहीं हो सका। जबकि श्री कन्हैयालाल सेठिया जी के गीत 'धरती धोराँ री, आ तो सुरगां नै सरमावै, ई पर देव रमण नै आवै', और असम के लोकप्रिय गायक व कवि डॉ.भूपेन हजारिका का 'विस्तार है अपार, प्रजा दोनों पार, निःशब्द सदा, ओ गंगा तुम, ओ गंगा बहती हो क्यों,' गीत हर देसवासी की जुबान पर है। यह इस बात को भी दर्शाता है कि पाठकों को किसी एक भाषा तक कभी भी बांधकर नहीं रखा जा सकता, और न ही किसी कवि व लेखक की भावना को। यह बात भी उतनी ही सत्य है कि इन कवियों को कभी भी हिन्दी कवि की तरह देश में मान नहीं मिला, बंगाल रवीन्द्रनाथ टैगोर, शरतचंद्र, बंकिमबाबू को देवता की तरह पूजता है, बिहार दिनकर पर गर्व करता है, उत्तर प्रदेश बच्चन, निराला और महादेवी को अपनी थाती बताता है। मगर इस युग के इस महान महाकवि को कितना, कब और कैसे सम्मान मिला यह बात आपसे और हमसे छुपी नहीं है। बंगाल ने शायद मान लिया कि श्री सेठिया जी राजस्थान के कवि हैं, और राजस्थान ने सोचा ही नहीं कि श्री सेठिया जी राजस्थानियों के कण-कण में बस चुके हैं। कवि ने अपनी कविता के माध्यम से राजस्थान को जगाने का प्रयास भी किया--

किस निद्रा में मग्न हुए हो, सदियों से तुम राजस्थान!
कहां गया वह शौर्य तुम्हारा,कहाँ गया वह अतुलित मान!

दीपचन्द नाहटा, रामकुमार भुवालका,
प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका, भागीरथ कानोड़िया, एवं
सीताराम सेकसेरिया के साथ ऐतिहासिक चित्र

बालकवि बैरागी ने लिखा है-'मैं महामनीषी श्री कन्हैयालालजी सेठिया की बात कर रहा हूँ । अमर होने या रहने के लिए बहुत अधिक लिखना आवश्यक नहीं है। मैं कहा करता हूँ कि बंकिमबाबू और अधिक कुछ भी नहीं लिखते तो भी मात्र और केवल 'वन्दे मातरम्' ने उनको अमर कर दिया होती।

मूर्तिदेवी साहित्य पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री कन्हैयालाल सेठिया जी।

तुलसी- 'हनुमानचालिसा', इकबाल को 'सारे जहाँ से अच्छा.... हिन्दोस्तां हमारा' जैसा अकेला एक गीत ही काफी था। रहीम ने मात्र सात सौ दोहे यानी कि चौदह सौ पंक्तियां लिखकर अपने आप को अमर कर लिया। ऐसा ही कुछ सेठियाजी के साथ भी हो चुका है, वे अपनी अकेली एक रचना के दम पर शाश्वत और सनातन हैं, चाहे वह रचना राजस्थानी भाषा की ही क्यों न हो'।

यह बात भले ही सोचने में काल्पनिक सी लगे पर हमउम्र के लोग इनकी कविता के इतने कायल से हो चुके हैं कि कानों में इसकी धुन भर से ही लोगों के पांव थिरक उठते हैं, हाथों को रोके नहीं रोका जा सकता। बच्चा, बूढ़ा, जवान हर उम्र की जुबान पे राजस्थान के कण-कण, ढाणी-ढाणी में 'धरती धोरां री' गाये जाने लगा। सेठिया जी ने न सिर्फ काल को मात

दिया, आपको आज तक कोई यह न कह सका कि इनकी कविताओं में किसी एक वर्ग को ही महत्व दिया है, आमतौर पर जनवादी कवियों के बीच यह संकीर्णता देखी जाती है, इनकी इस कविता ने क्या कहा देखिए :-

कुण जमीन रो धणी?, हाड़ मांस गाळ,
खेत में पसेव सींच,
लू लपट ठंड मेह, सै सवै दाँ भींच
फाड़ चौक कर करै, करै जोतणी'र बोवणी,
कवि अपने आप से पूछते हैं-
'बो जमीन रो धनी'क ओ जमीन रो धणी?

श्री सेठिया जी के बारे में लिखने का यह गौरव मुझे प्राप्त हुआ, इसे मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ।इनकी साहित्य सृजन-

राजस्थानी : रमणियां रा सोरठा, गळगचिया, मींझर, कूंकूं, लीलटांस, धर कूंचा धर मंजळां, मायड़ रो हेलो, सबद, सतवाणी, अघोरीकाळ, दीठ, क क्को कोड रो, लीकलकोळिया एवं हेमाणी।

हिन्दी : वनफूल, अग्निवीणा, मेरा युग, दीप किरण, प्रतिविम्ब, आज हिमालय बोला, खुली खिड़कियां चौड़े रास्ते, प्रणाम, मर्म, अनाम, निर्ग्रन्थ, स्वागत, देह-विदेह, आकाश गंगा, वामन विराट, श्रेयस, निष्पति एवं त्रयी।

उर्दू : ताजमहल एवं गुलचीं।

महामनीषी 'पद्मश्री' श्री कन्हैयालाल जी सेठिया जी का साहित्य क्षेत्र के साथ-साथ आप सामाजिक कार्यों में भी विशेष रूचि लेते रहें हैं जिनमें प्रमुख 'दलित सेवा' के माध्यम से समाज के पिछड़े वर्ग के अधिकारों दिलाने हेतु सजग रहते, आप स्वतंत्रता आन्दोलन के एक सच्चे सेनानी रहें हैं, १९४२ में प्रकाशित उनकी हिन्दी पुस्तक 'अग्निवाणी' पर बीकानेर राज्य की ओर से देशद्रोह का मुकदमा भी चला,जो देश की आजादी के बाद ही समाप्त हुआ। चीनी आक्रमण के समय व्यापक काव्य लेखन 'आज हिमालय बोला' से देश के मनोबल को जागृत कर अपनी नई पहचान बनाई। राजस्थानी भाषा मान्यता हेतु कवि हृदय श्री सेठिया जी के प्रयासों को भुला देना कभी भी संभव नहीं है। साथ ही इनके द्वारा किये गऐ सामाजिक कार्यों की चर्चा न हो यह संभव नहीं- रामायण मेला, हल्दीघाटी के संरक्षण, सती प्रथा उन्मूलन, शिक्षा, बालकेन्द्रों के माध्यम से बच्चों में संस्कार देना आदि जैसे अनेकों कार्यक्रमों से आपका सीधा लगाव बना रहता है, सुजानगढ़ की कई संस्थाओं से भी जुड़कर आपने कार्य किया है।

भारत सरकार द्वारा 'पद्मश्री' से सम्मानित। 'लीलटांस', 'निर्ग्रन्थ' एवं 'सबद' ग्रन्थ क्रमशः साहित्य अकादमी, भारतीय ज्ञानपीठ एवं राजस्थानी अकादमी द्वारा सर्वोच्च पुरस्कारों से पुरस्कृत श्री कन्हैयालाल जी सेठिया को वर्ष २००७ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सम्मानित करने का निर्णय लिया है। यह मारवाड़ी समाज का तिलक है जो हिन्दुस्तान भर में फैले करोड़ों मारवाड़ियों की तरफ से दिया गया सम्मान है। अन्त करने के लिए शब्दों का चयन करना बड़ा कठिन कार्य होता है, और जब युगपुरुष के विषय में लिखा जाए तो और भी कठिन इसके लिये श्री सेठिया जी की इन पंक्तियों का चयन करता हूँ--

मौन प्रार्थनाएं, जल्दी पहुँचती हैं, ईश्वर तक,
क्योंकि -मुक्त होती हैं वे शब्दों के बोझ से!

'कन्हैयालाल सेठिया समग्र' का चार खण्डों में प्रकाशन श्री जुगलकिशोर जैथलिया के सम्पादन में हो चुका है। इसके प्रथम तीन खण्डों में उनका सम्पूर्ण मूल साहित्य एवं चौथे खण्ड में इनकी रचनाओं के विभिन्न भाषाओं में हुए अनुवाद को संजोया गया है। प्रकाशकः राजस्थान परिषद, २-बी, नन्दोमल्लिक लेन, कोलकाता-७००००६.

संपर्क : श्री कन्हैयालाल सेठिया, ६,आशुतोष मुखर्जी रोड, कोलकाता-७०००२०

- शम्भु चौधरी

सम्मान

समाज सेवी श्री बालकृष्ण गोयनका

९०वर्षीय श्री 'बालकृष्ण गोयनका जी का जन्म वर्मा के मांडले शहर में ५.११.१९१८ को हुआ। कहते हैं कि सामाजिक सेवा की कोई उम्र नहीं होती, आजीवन कोई व्यक्ति यदि सिर्फ समाज की सोचता हो, समाज के उत्थान के लिए कार्य करता हो, ऐसे व्यक्तित्व हैं श्री बालकृष्ण जी गोयनका। कारोबार के क्रम में आप स्थाई रूप से मद्रास (अब चेन्नइ) में सपरिवार बस गये।

आप विपश्यना के 'उ. बा. किन्द' से विपश्यना ध्यान साधना सीखकर दक्षिण भारत के इन साधना केन्द्रों का न सिर्फ संचालन, वरन् आज भी एक प्रशिक्षक के रूप में भी कार्यरत हैं। विपश्यना से आपके अनुज श्री सत्यनारायण जी गोयनका का भी बहुत बड़ा लगाव रहा है, जो आज विश्व भर में विपश्यना ध्यान साधना शिविरों में जाकर शिक्षा देने का कार्य करते हैं। अभी हाल ही में उनको श्रीलंका सरकार ने श्रीलंका के सर्वोच्च पुरस्कार 'देशमान्य' से सम्मानित किया है।

दक्षिण भारत में रहकर श्री बालकृष्ण गोयनका जी के योगदान मारवाड़ी समाज के लिए एक अमूल्य धरोहर है। शिक्षा के क्षेत्र में आपका विशेष लगाव रहा है, दक्षिण भारत की कई शिक्षण संस्थाओं को आपका संरक्षण प्राप्त होता है। आपने सामाजिक कार्य के साथ-साथ साहित्य में भी अपना योगदान दिया है। आपने अब तक आठ पुस्तकें साधना व धर्म पर आधारित विषयों पर लिखी हैं : योगेश्वर श्रीकृष्ण, धर्म गंगा में बहते सुमन, योगेश्वर शिव शंकर, लोक पंडित संत महात्मा, सत्ययुग से कलियुग, विश्व विभूतियों के प्रेरक प्रसंग, कल्याणमित्र सत्यनारायण गोयनका जी, व वनवासी श्रीराम।

श्री गोयनका जी न सिर्फ स्वभाव से सरल, मन से निर्मल और हृदय से स्वच्छ आपकी लेखनी भी उतनी ही शुद्ध और स्पष्ट है एक जगह आप लिखते हैं— 'न तो मैं कोई लेखक हूँ न ही साहित्य का ज्ञाता, न ही आध्यात्म शास्त्रों में दखल रखता हूँ' यह बात कोई विरल पुरुष ही लिख सकता है। आध्यात्म के हस्ताक्षर हैं आप। समय-समय पर अपने अध्यात्म साधना के माध्यम से समाज को जागृत करना, उम्र की सीमा को मात देकर अपनी लेखनी से आज भी सामाजिक विषयों पर अपने विचारों से अवगत कराना इनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

आपको सन् १९९५ में 'तमिलनाडु राजस्थानी एसोसिएशन' द्वारा 'राजस्थान रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा भी आपको समाज की कई संस्थाओं ने सम्मानित किया है, जिनमे प्रमुख हैं— 'अग्रोहा विकास ट्रस्ट'।

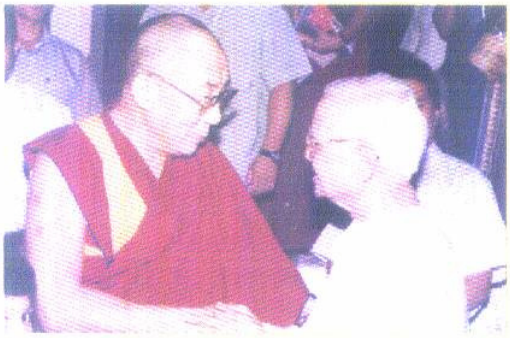

दलाई लामा के साथ एक पल

समाज को संगठित करने में आपके योगदानों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मारवाड़ी सम्मेलन के एक सच्चे मशाल धावक हैं आप जिनके सहयोग से ही मारवाड़ी सम्मेलन दक्षिण भारत में अपनी मसाल को जलाये रखने में सफल रहा है।

भारत के पुर्व उप राष्ट्रपति
श्री भैरोसिंह शेखावत के साथ

आज दिनांक २५ दिसम्बर २००७ को कोलकाता में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन आपका सम्मान करते हुए काफी हर्ष महसूस करती है। हम ईश्वर से आपकी शतायु वर्ष की प्रार्थना भी करते हैं।

True to our values.

True to our people.

True to our projects.

True to our selves.

Tomorrow happens when there is true partnership.

There are companies that only finance instructions. And there are Companies that also finace dreams, aspirations and hopes. SREI, an Indian multinational, belongs to the latter. More than just financial products and services, SREI excels in offering customised, flexible, reliable and cost-effective solution. The focus clearly is on infrastructure equipment, projects and renewable energy resources through innovative financing and "true partnerships".

SREI not only enjoys a leadership position in the market today, but is also recognised as a people-centric company. This investment in human resource development and consistantly acknowledging the blessings of god makes SREI a proud recipient of the Willis Harman Spirit at Work Award.

At SREI, it's the vision of tomorrow that fuels our passion. Propelling us to see tomorrow. Today.

WE MAKE TOMORROW HAPPEN.

SREI
INFRASTRUCTURE FINANCE LIMITED

Visit us at www.srei.com

ASSET FINANCING • INFRASTRUCTURE FINANCING • RENEWABLE ENERGY FINANCE • INVESTMENT BANKING • VENTURE CAPITAL • INSURANCE SERVICES

देश की मिट्टी। देश की हवा।
देश का पानी। देश की दवा।

SHREE BAIDYANATH AYURVED BHAWAN PVT. LTD. KOLKATA

बैद्यनाथ

दवाएँ

७०० से भी अधिक आयुर्वेदिक दवाओं के विश्वसनिय निर्माता।

With Best Compliments from:

MIRONDA
TRADE & COMMERCE PVT. LTD.

MIRONDA TRADE & COMMERCE PVT. LTD.

MERCURY INTERNATIONAL

MALVIKA COMMERCIAL PVT. LTD.

AMIT FERRO-ALLOYS & STEEL (P) LTD.

SB TOWERS, 3RD FLOOR,
37, SHAKESPEARE SARANI
KOLKATA - 700 017, INDIA

PHONE : 2289-5400
FAX: 2289-5401
EMAIL: info@mirondagroup.com

With Best Compliments from:

SHALIMAR PELLET FEEDS LTD.

17, B & C, 'EVEREST'
46 C, CHOWRINGHEE ROAD
KOLKATA - 700 071

Mobile : 98302 90333

As soft as the voice of an angel.

The Complete Man
Raymond
SINCE 1925

Selling Agent for Raymond Limited :

B.M.A. Trade & Holding Pvt. Ltd.
36, "KOHINOOR" 105, PARK STREET, 7TH FLOOR
KOLKATA-700 016, FAX : 2226 7782
Ph. : 2226 9995 / 3849
E-mail : bamtrade@vsnl.net
Regd. Office :
4, Synagogue Street, 2nd Floor, Kolkata-700 001
Ph. : 2242 2585 / 2749 (Off)

Insync with Nature...

RUNGTA SONS PRIVATE LIMITED

Mine Owners & Exporters

(A Pioneer House for Minerals)

* IRON ORE - BF & SPONGE GRADE, BLUE DUST, CRUSHED FINES
* MANGANESE ORE - BF & FERRO MANGANESE GRADE, DIOXIDE, FINES
* LIMESTONE, BAUXITE, QUARTZ, PYROPHYLLITE

:: CORPORATE OFFICE ::

RUNGTA HOUSE, CHAIBASA-833201, JHARKHAND

Phone : 06582-256561/256761/25661 Fax : 91-6582-256442

Email : rungtas@satyam.net.in, Web Site : www.rungtamines.com; GRAM : "RUNGTA"

:: CENTRAL MINES OFFICE ::

RUNGTA OFFICE

MAIN ROAD, BARBIL - 758035, DIST.-KEONJHAR, ORISSA, INDIA

Phone : 06767-275221/277481/441; Fax : 91-6767-276161; GRAM : 'RUNGTA"

:: REGISTERED OFFICE ::

8A, EXPRESS TOWER, 42A, SHAKESPEARE SARANI

KOLKATA-700017, INDIA

Phone : 033-2281 6580/3751; Fax : 91-33-2281 5380; Email : rungta_cal@sify.com

Patton Press Ad 12x20cm [60cc]

वसुधैव कुटुम्बकम्

Making the world our family

PATTON

A Govt. recognised Export House & Star Exporter

Great Refresher

OODLABARI

Royal

The strong CTC Leaf Tea with Rich Taste

Packed by

THE OODLABARI COMPANY LTD.

OODLABARI

MAKERS OF FINEST GREEN TEA, CTC TEA & ORTHODOX TEA

Nilhat House, 11, R.N. Mukherjee Road, Kolkata - 700 001

Phone : 2248-1101, 2248-4093 Fax : 2248-9515

JAIPUR OFFICE:
D-242, Devi Marg,
Green Vistas Apartment
Jaipur-302016
Phone : 2206682

SUJANGARH SALES DEPOT :
Gandhi Chowk
Sujangarh - 331507
Phone : 220048

REGISTERED Postal Registration
No. SSRM/KOL/WB/RNP-093/2007-09
Date of Publication - 29, December 2007
RNI Regd. No. 2868/68

CENTURYPLY
SAB SAHE MAST RAHE

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
Kolkata - 700 007
Ph : 2268 0319
E-mail : samajvikas@gmail.com